20 जनवरी, संयुक्तांक (दिसम्बर 2024–जनवरी 2025) ☆ वर्ष 33-34, पृष्ठ संख्या 84, अंक 12-01

राजस्थान सुजस

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

नई ऊर्जा - नया वितान
नव क्षितिज की ओर बढ़ता
राजस्थान

शब्द भावना

प्रधानमंत्री विकसित भारत के शिल्पकार हैं, उनके नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

देश दुनिया में निवेशकों का राइजिंग राजस्थान समिट के प्रति रूझान दर्शाता है कि राजस्थान विश्व में निवेश के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में तेजी से ऊभर रहा है।

हमारी सरकार ने पहले वर्ष में ही समिट का आयोजन किया है, ताकि प्राप्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए सभी आवश्यक कदम समय पर उठाए जा सकें।

हमारे युवा देश की धरोहर हैं। जब युवा आगे बढ़ेंगे, तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। युवाओं की ऊर्जा, जोश एवं प्रतिभा ही राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगी।

युवा शक्ति अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राज्य की प्रगति में योगदान दें। उत्कृष्ट राजस्थान, विकसित राजस्थान का संकल्प युवा शक्ति से ही संभव होगा।

अगर महिलाएं आगे बढ़ेंगी, तभी देश आगे बढ़ेगा। राज्य सरकार इस आधी आबादी के उत्थान तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है।

जब किसान खुशहाल एवं समृद्ध होगा तभी विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। हमारी सरकार किसान-पशुपालक के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है।

ग्रामीण विकास राज्य की समृद्धि में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हमारी सरकार गांवों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

धरती को स्वच्छ भविष्य देने की मुहिम में अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए हमारी सरकार पर्यावरण की प्रतिकूल गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

अक्षय ऊर्जा के राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में हमारी सरकार ने हाल ही में राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति जारी की है। इससे इस क्षेत्र में निवेशकों को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान में अपार सम्भावनाएं हैं। यहां के हर कोने में समृद्ध धरोहर, प्रकृति, संस्कृति और विविधताओं के दर्शन हैं।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान का मासिक

प्रधान संपादक
सुनील शर्मा

संपादक
अलका सक्सेना

सह-संपादक
डॉ. रजनीश शर्मा

सहायक संपादक
रवि वर्मा
डॉ. प्रियंका चतुर्वेदी

आवरण छाया
अमित सारस्वत

राजस्थान सुजस में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने एवं आंकड़े परिवर्तनशील हैं। आवश्यक नहीं कि शासन उनसे सहमत हो। सुजस में प्रकाशित सामग्री का विभाग किसी भी रूप में उपयोग कर सकेगा।

ग्राफिक डिजाइनिंग
रेनबो ऑफसेट प्रिंटर्स
लागत मूल्य 43.40 रुपये

संपर्क
संपादक
राजस्थान सुजस (मासिक)
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग
सचिवालय, जयपुर-302005
मो. 9587916395
e-mail
editorsujas@gmail.com
publication.dipr@rajasthan.gov.in
Website
www.dipr.rajasthan.gov.in

वर्ष : 33–34 अंक 12–01

इस अंक में

दिसम्बर, 2024–जनवरी, 2025

संकल्प की शक्ति से हर मुश्किल आसान **05**

पूंछरी का लौठा, डीग **20**

स्वामित्व योजना **30**

शब्द भावना	02
संपादकीय	04
मरूधरा बनेगी 'सुजलाम् सुफलाम्'	08
'रन फॉर विकसित राजस्थान'	13
युवा सपने देखें, पूरे हम करेंगे	14
खुशहाल-समृद्ध किसान....	16
राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन	18
राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में झलका.....	22
विकास कार्यो की प्रेरणा: अंत्योदय....	24
'पंच-गौरव' से विकास	26
10 संकल्प 9 नीतियां	28
बैकलॉग पूरा कर समयबद्ध भर्ती.....	32
युवा शक्ति के उत्थान के लिए.....	34
महाकुम्भ - 2025	35
"वेस्ट टू वंडर"	68
लाडो प्रोत्साहन योजना	70
गोडावण संरक्षण	72
सामयिकी	74
कला के अनवरत यात्री ...	80

प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ **46**

दुनियां ने देखी हमारी "राइजिंग" **50**

रिफाइनरी प्रदेश के विकास के लिए.... **66**

नए साल में नई उम्मीदें

2025 का नववर्ष पूरे प्रदेश के लिए एक नई शुरुआत लेकर आया है, जहां विकास, समृद्धि और नवाचार की दिशाएं और विस्तृत हो गई हैं। पिछले माह राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा किया। बीते कुछ माह के अल्प समय में ही राज्य सरकार द्वारा लिए गए कई महत्त्वपूर्ण निर्णयों से आमजन के सरकार और संस्थाओं में विश्वास को और अधिक मजबूती मिली। साथ ही प्रदेश के लिए अत्यधिक महत्त्वपूर्ण, दशकों के रुकी-अटकी-ठहरी परियोजनाएं फलीभूत होने की राह प्रशस्त हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान सरकार के एक साल का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में "राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना)" में शामिल पावन नदियों के पवित्र जल को राम सेतु जल संकल्प कलश में प्रवाहित कर योजना की पूर्णता पर प्रदेश में जल सम्पन्नता की एक झलक दिखाई। इसी के साथ ऐतिहासिक आयोजन 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' ने राजस्थान के भविष्य के लिए एक सुनहरे अध्याय की शुरुआत की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के प्रेरणादायक नेतृत्व में, 32 देशों के निवेशकों ने 35 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर कर राजस्थान को पूरी दुनिया के निवेश नक्शे पर एक चमकते सितारे के रूप में उकेर दिया।

राज्य सरकार ने कार्यकाल के पहले वर्ष में किसान, युवा, महिला, श्रमिक और समाज के हर वर्ग की जरूरतों का ध्यान रखा। पहले वर्ष के आयोजनों की शृंखला में भी इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अनेकों शिलान्यास, लोकार्पण के साथ ही इन वर्गों के लिए कई योजनाओं की घोषणाएं की गईं।

डीग में 'पूंछरी का लौठा' और 'गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना' से सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण के साथ ही पंच-गौरव कार्यक्रम की शुरुआत से हर जिले के स्थानीय संसाधनों और सांस्कृतिक धरोहर को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उत्तरप्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में आशीर्वाद प्राप्त कर, देश-प्रदेश की एकता और समृद्धि की कामना की।

राजस्थान सरकार का एक वर्ष सफलता की ऐसी कहानी है, जिसमें प्रत्येक वर्ग को उसके अधिकारों और अवसरों से जोड़ने की कोशिश की गई है। आज पूरा प्रदेश नई ऊर्जा से संचारित है और विकास के नए क्षितिज की ओर गतिमान है।

नववर्ष और गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ, प्रदेश और देश के विकास, संकल्प और एक वर्ष की शानदार उपलब्धियों को समेटे हुए दिसम्बर-जनवरी माह का यह संयुक्तांक आप सुधि पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है।

प्रधान सम्पादक

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

संकल्प की शक्ति से हर मुश्किल आसान

नई राह, नया जोश नित नए कीर्तिमान

– **पुष्पा गोस्वामी,** उप निदेशक (से.नि.)

राज्य सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल विगत माह में पूरा हुआ। इस बीते वर्ष में राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों, योजनाओं, नवाचारों और उपलब्धियों पर नजर डालें तो इनमें कई कार्य ऐसे थे जो बिना "संकल्प की शक्ति" किए जाने संभव ही नहीं थे। राम जल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी जल समझौता, राइजिंग राजस्थान में "निवेश वर्षा" जैसे परिणामों के लिए संकल्प की शक्ति ने ही काम किया। एक संकल्प माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और देश के 2047 तक विकसित भारत में रूपान्तरण का लिया हुआ है। इस संकल्प की प्रेरणा से राज्य में विकास की दिशा निर्धारित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा भी प्रदेश और प्रदेशवासियों के सर्वांगीण विकास और प्रदेश को विकसित राजस्थान में रूपान्तरित करने में जुटे हैं।

गत वर्ष प्राप्त हुई राज्य की उपलब्धियां, मुख्यमंत्री द्वारा लागू की गई नई योजनाओं, नए प्रयोगों, नई नीतियों और नए संकल्पों का ही परिणाम हैं। उनकी ऊर्जावान राजनीति, आचार-व्यवहार में शुद्धता, जीवन-शैली और प्रेरणादायी नेतृत्व निश्चित रूप से राजस्थान के लिए नई उम्मीदों और नए सपनों को साकार करने वाला है। पिछले वर्ष की अपनी कार्यप्रणाली से राज्य सरकार आम जन के विश्वास को जीतने में सफल रही।

पिछले एक वर्ष में राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नई योजनाओं और नीतियों की जानकारी राज्य के हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए गत माह कई महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में "राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना)" के रूप में प्रदेशवासियों को भविष्य में जल सम्पन्नता की झलक दिखाई। उन्होंने कहा यह परियोजना न केवल प्रभावित जिलों के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी, बल्कि प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। इस परियोजना से न सिर्फ राजस्थान के लाखों लोगों को पीने का पानी मिलेगा, बल्कि कृषि क्षेत्र को भी नया जीवन मिलेगा जिससे प्रदेश के 17 जिलों में रहने वाले 3.25 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। समारोह में 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास कर प्रधानमंत्री ने राज्य में जल उपलब्धता, ऊर्जा और अवसंरचनात्मक विकास को एक नई दिशा दी।

इसी तरह 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' ने राजस्थान के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में 32 देशों से आए निवेशकों ने 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के समझौतों पर दस्तखत कर, राजस्थान को न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया के निवेश नक्शे पर चमकते हुए सितारे की तरह स्थापित कर दिया। यह समिट राजस्थान के सपनों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रतीक बन गया। यह एक ऐसा मील का पत्थर है जो राज्य को हर क्षेत्र में पहले से ज्यादा सशक्त और प्रतिभाओं को चमकदार बनाएगा।

उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान का सपना केवल युवा शक्ति के माध्यम से ही साकार हो सकता है और इसी उद्देश्य को लेकर जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन ने उन्हें एक नई दिशा दिखाई। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस कार्यक्रम में 4 हजार 10 स्कूलों में 8 हजार 20 स्मार्ट क्लास रूम, ई-पाठशाला, विद्या समीक्षा केन्द्र, लर्न, अर्न

हर वर्ग को लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं

समाज में सबसे आखिरी व्यक्ति के उत्थान और विकास को सुनिश्चित किया जाना विकसित राज्य के निर्माण के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम है। समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचाने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने जयपुर की पिंजरापोल गौशाला में आयोजित अंत्योदय सेवा शिविर में कई योजनाओं का उद्घाटन किया। राज्य सरकार द्वारा पेंशन की राशि में बढ़ोत्तरी के साथ 90 लाख लोगों तक सामाजिक सुरक्षा पेंशन पहुंचाई गई है। साथ ही 5 लाख से ज्यादा नए पेंशनर्स को जोड़ा गया है। 'पालनहार योजना' में गरीब बच्चों को सहायता और 'मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना' के माध्यम से असंगठित श्रमिकों को बिना गारंटी ऋण प्रदान कर उन्हें आर्थिक संबल दिया गया है। इसी क्रम में 'आयुष्मान बाल संबल योजना' के तहत दुर्लभ बीमारियों से ग्रस्त बच्चों को 50 लाख रुपये तक का इलाज और मासिक सहायता दी जाएगी। अंत्योदय सेवा शिविर में मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा पेंशन योजना और मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्रों की शुरुआत की।

एण्ड प्रोग्रेस प्रोग्राम, राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना, स्पोर्ट्स, लाइफ इंश्योरेंस स्कीम और बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम का शुभारंभ किया।

उन्होंने छात्राओं और विद्यार्थियों को साइकिल, व्यवसायिक टूल किट, टैबलेट और स्कूटी वितरित कर उनके भविष्य को संवारने की दिशा में एक कदम और बढ़ाया। साथ ही युवाओं को संबल देने के लिए राज्य सरकार लगातार सकारात्मक निर्णय ले रही है। इस क्रम में इस साल 37 नए राजकीय महाविद्यालयों एवं 5 नए पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की स्थापना, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा से संबद्ध सात कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं बिग डेटा, रोबोटिक्स, ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे क्षेत्रों में शिक्षा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। साथ ही 3 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। इस साल राज्य में 900 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत हुए हैं और बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम के तहत 150 स्टार्टअप्स को फंडिंग दी गई है।

एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रिएलिटी के क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी बनाने के उद्देश्य से लागू की गई एवीजीसी- एक्सआर पॉलिसी नीति के तहत अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलेरेटर स्थापित किए जाएंगे। युवाओं को प्रशिक्षण, स्व-अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में अटल ज्ञान केन्द्र खोलने की महत्वपूर्ण घोषणा की।

किसान हमारी धरती के लिए संजीवनी हैं, जिनकी मेहनत से हर खेत सोने की तरह चमकता है। जब किसान खुशहाल और समृद्ध होगा तभी हम समृद्ध और विकसित राजस्थान का निर्माण कर सकेंगे। राजस्थान सरकार किसानों और पशुपालकों के कल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में अजमेर में आयोजित राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के 70 लाख किसानों को एक नई उम्मीद देते हुए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त के रूप में 700 करोड़ रुपये से अधिक उनके बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर की। इसके अलावा, किसानों की समृद्धि के लिए ड्रिप और फव्वारा संयंत्रों, कृषि यंत्रों, जैविक खाद और सोलर पंपों की स्थापना के लिए भी डीबीटी के माध्यम से राशि प्रदान की गई। कृषि शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए 10,500 छात्राओं को 22 करोड़ की राशि दी गई। इसी के साथ गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना की शुरूआत और 1,000 नए डेयरी बूथों का आवंटन किया गया।

राइजिंग समिट के दौरान कृषि क्षेत्र में 58 हजार करोड़ रुपये निवेश के ढाई हजार से अधिक एमओयू किए हैं। साथ ही किसानों को अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, सोलर संयंत्रों की स्थापना, फूड पार्क के लिए भूमि आवंटन, मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन, गेहूं, मूंग, मूंगफली तथा सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीद, पीएम किसान समृद्धि केन्द्र की स्थापना जैसे निर्णय किए गए हैं।

राज्य सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, क्योंकि हम मानते हैं कि सशक्त और सम्मानित महिलाएं ही

समाज और राष्ट्र की नींव हैं। मुख्यमंत्री ने उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स' का गठन कर प्रथम चरण में 250 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के संचालन के लिए स्वीकृति जारी कर एक हजार कांस्टेबल के पद स्वीकृत कर दिए है। महिलाओं को भयमुक्त माहौल मिल सके साथ ही 24 घंटे पुलिस सहायता देने वाली ऐप और आरएसआरटीसी सुरक्षा कमांड सेंटर की शुरूआत भी की। 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के तहत गरीब परिवारों की बालिकाओं को एक लाख रूपये का सेविंग बॉन्ड प्रदान किया गया। 450 रूपये में रसोई गैस सिलेंडर योजना से लाखों परिवारों को लाभ हुआ। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। साथ ही महिलाओं के लिए अनेक योजनाओं का शुभारंभ किया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना, 10 हजार इलेक्ट्रिक कुकिंग सिस्टम का वितरण, स्वयं सहायता समूहों को 15 हजार रूपये रिवोल्विंग फंड की राशि और महिला निधि बैंक के माध्यम से 100 करोड़ रुपये के ऋण की स्वीकृति महत्त्वपूर्ण है। इस अवसर पर 1 लाख लखपति दीदियों और 216 नमो ड्रोन दीदियों को सम्मानित किया गया और महिलाओं के सपनों को साकार करने के लिए हर अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया।

डीग में पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना के शिलान्यास समारोह आयोजित किए गए। इन परियोजनाओं के तहत गिरिराज जी परिक्रमा पथ के विकास का ऐतिहासिक शिलान्यास किया गया, जिसे चार भव्य जोन में बांटा जाएगा। यह परियोजना न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को पुष्ट करेगी बल्कि एक नई यात्रा का भी आगाज करेगी जो लाखों श्रद्धालुओं के दिलों में अद्वितीय स्थान बनाएगी।

पिछले एक साल में किए गए कार्यों से यह स्पष्ट रूप से दिखता है कि सरकार हर राज्यवासी के जीवन को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हर घर खुशहाली का लक्ष्य लेकर राज्य सरकार ने अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाया है और इस दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही सरकार ने नई योजनाओं और नीतियों के माध्यम से विकास की राह पर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। आने वाले समय में भी राज्य सरकार की प्रतिबद्धता जारी रहेगी और हमें विश्वास है कि यह राज्य को विकसित राजस्थान बनाने के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करेगी।

मरुधरा बनेगी 'सुजलाम् सुफलाम्'

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान विकसित होगा, तो भारत भी तेजी से विकसित होगा। आने वाले वर्षों में डबल इंजन की सरकार और तेज गति से काम करते हुए राजस्थान के विकास के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राजस्थान में बन रहा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर वर्तमान और भावी पीढ़ी के लिए विकसित राजस्थान बनाने का संकल्प पूरा करेगा। राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना) राजस्थान को सुजलाम् सुफलाम् बनाने की परियोजना है।

सुशासन की धरोहर को समृद्ध बना रही भजनलाल सरकार

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और उनकी टीम ने राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने का काम किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज देश में डबल इंजन की सरकारें सुशासन की गारंटी हैं। वे हर संकल्प को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास करती हैं।

एक वर्ष में हर वर्ग के उत्थान का प्रयास

प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि बीते एक वर्ष के दौरान राजस्थान में गरीबों, महिलाओं, श्रमिकों, कुशल कारीगरों और घुमंतू परिवारों के लिए अनेक फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एक साल में हजारों भर्तियां निकाली हैं और पूरी पारदर्शिता से परीक्षाएं व नियुक्तियां हो रही हैं। राजस्थानवासियों को पहले बाकी राज्यों की तुलना में महंगा पेट्रोल-डीज़ल खरीदना पड़ रहा था इससे उन्हें राहत मिली है। पीएम किसान निधि योजना के तहत राजस्थान सरकार भी अतिरिक्त पैसे जोड़कर किसानों की मदद कर रही है।

दशकों का काम एक दशक में

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दस साल से केंद्र सरकार ने जो काम करके

दिखाया है वह आजादी के बाद के 5-6 दशकों तक नहीं हो सका था। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कई क्षेत्रों में भयंकर सूखा पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ कुछ क्षेत्रों में हमारी नदियों का पानी बिना उपयोग के ऐसे ही समंदर में बह जाता है। ऐसी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही अटल जी ने नदियों को जोड़ने का विजन रखा था। इससे बाढ़ और सूखा दोनों समस्याओं का समाधान संभव था। हमारी नीति, विवाद की नहीं संवाद की है। हम विरोध में नहीं, सहयोग में विश्वास करते हैं। हम व्यवधान में नहीं, समाधान पर यकीन करते हैं और इसीलिए हमारी सरकार ने राम जल सेतु लिंक परियोजना (ईआरसीपी) को स्वीकृत करने के साथ इसका विस्तार भी किया।

राम जल सेतु से राजस्थान और मध्य प्रदेश में विकास होगा तेज

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में हमारी सरकार बनने के बाद हुए संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल (एमपीकेसी) लिंक परियोजना समझौते से चंबल और इसकी सहायक नदियां पार्वती, कालीसिंध, कुनो, बनास, बाणगंगा, रूपरेल, गंभीरी और मेज जैसी नदियों का पानी आपस में जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने पर राजस्थान में विकास के लिए पर्याप्त पानी होगा। इससे राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों के विकास में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि ताजेवाला से शेखावाटी के लिए पानी लाने के समझौते से भी हरियाणा और राजस्थान दोनों राज्यों को फायदा होगा।

देश में तीन करोड़ बहनें बनेंगी लखपति दीदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार सेल्फ हेल्प ग्रुप की तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने पर काम कर रही है। करीब सवा करोड़ बहनें लखपति दीदी बन भी चुकी हैं। बीते दशक में देश की 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से जुड़ी हैं, इनमें राजस्थान की भी लाखों बहनें शामिल हैं। हमारी सरकार ने इन समूहों को बैंकों से जोड़ कर करीब 8 लाख करोड़ रुपए की मदद दी है। हमने इन्हें मिलने वाली मदद को बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने के

साथ ही महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप में बने सामानों के लिए नए बाजार उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत हजारों बहनें ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग लेकर ड्रोन के माध्यम से खेती कर रही हैं, उससे कमाई भी कर रही हैं। सरकार ने बहनों-बेटियों के लिए बीमा सखी योजना भी शुरू की है जिसके तहत उन्हें प्रशिक्षण देकर बीमा के काम से जोड़ा जाएगा।

हर परिवार, हर किसान बनेगा ऊर्जा दाता

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार यहां के किसानों को दिन में भी बिजली उपलब्ध करवाना चाहती है, ताकि उन्हें रात में सिंचाई की मजबूरी से मुक्ति मिले। इस उद्देश्य से राजस्थान सरकार ने बिजली के क्षेत्र में कई निवेश समझौते किये हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर परिवार और हर किसान ऊर्जादाता होगा, तो बिजली से होने वाली कमाई से हर परिवार की आय बढ़ेगी। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लाकर सौर ऊर्जा को बिजली बिल ज़ीरो करने का माध्यम भी बनाया है। घर की छत पर सौलर पैनल लगाने एवं पीएम कुसुम योजना के तहत खेत में सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए भी सरकार मदद दे रही है।

सबसे कनेक्टेड राज्यों में होगा राजस्थान

प्रधानमंत्री ने समारोह में 46 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए कहा कि ये प्रोजेक्ट राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान को सड़क, रेल और हवाई यात्रा में सबसे कनेक्टेड राज्य बनाना हमारा संकल्प है। दिल्ली, वडोदरा और मुंबई जैसे बड़े औद्योगिक केंद्रों को राजस्थान से जोड़ने वाला नया एक्सप्रेसवे देश के सर्वश्रेष्ठ एक्सप्रेस-वे में से एक होगा। जामनगर-अमृतसर इकोनॉमिक कॉरिडोर दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस वे के माध्यम से राजस्थान को मां वैष्णो देवी मंदिर से जोड़ेगा। दूसरी तरफ उत्तरी भारत के उद्योगों को कांडला और मुंद्रा बंदरगाहों से सीधा संपर्क मिलेगा। इसका फायदा राजस्थान में ट्रांसपोर्ट सेक्टर और यहां के युवाओं को रोजगार के रूप में मिलेगा। जोधपुर रिंग रोड से जयपुर, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर और अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और शहर को अनावश्यक जाम से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पचपदरा रिफाइनरी की राह में भी कई रोड़े अटकाए थे। अब ये रिफाइनरी यहां रोजगार और पेट्रोकेमिकल से जुड़े दूसरे उद्योगों को बढ़ावा देगी।

सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा दिन

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर.पाटिल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी परियोजना) पर एमओयू के चलते 17 दिसम्बर का दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार आमजन की हर आकांक्षा को पूरा करने एवं राज्य को प्रगति पथ पर तेजी से आगे ले जाने के लिए पूरी लगन एवं गम्भीरता के साथ कार्य कर रही है।

सवा तीन करोड़ लोगों को मिलेगा पीने का पानी

श्री शर्मा ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से राजस्थान के 17 जिलों में रहने वाले लगभग 3.25 करोड़ लोगों को सुलभ पेयजल की उपलब्धता के साथ साथ लगभग ढाई लाख़ हैक्टयर नये क्षेत्र में सिंचाई तथा लगभग डेढ़ लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु अतिरिक्त पानी की व्यवस्था हो सकेगी। साथ ही इन जिलों में स्थापित होने वाले उद्योगों को भी आवश्यकता के अनुरूप पानी मिल सकेगा।

एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का मार्ग प्रशस्त

श्री शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में एक ही दिन में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसमें 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण हुआ है एवं लगभग 58 हजार करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के टेण्डर जारी हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री

मोदी की प्रेरणा से कर्मभूमि से मातृभूमि कार्यक्रम के तहत राजस्थान के लगभग 45 हजार गांवों में भूजल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज वैल बनाने के महत्वपूर्ण कार्यक्रम की शुरुआत भी हुई है। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तहत एक लाख से अधिक कार्यों को सरकार बनते ही शुरू कराया गया है।

2 लाख सरकारी भर्तियों पर हुआ काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले ही साल में युवा, किसान, महिलाओं एवं गरीबों के लिए कल्याणकारी कार्य किये हैं। लगभग 43 हजार युवाओं को पिछले एक वर्ष में सरकारी नौकरी दी गई है। सरकार लगभग 1 लाख 29 हजार सरकारी नौकरियों की प्रक्रिया पर तेजी से बढ़ रही है और लगभग 27 हजार भर्तियों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा रही है। इस प्रकार राज्य सरकार दो लाख भर्तियों पर काम कर राज्य के युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

किसानों को 5,600 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 70 लाख से अधिक किसानों को लगभग 5,600 करोड़ रुपये की राशि सीधे ही उनके खातों में हस्तान्तरित की है। पशुपालक किसानों के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना एवं मोबाइल पशु चिकित्सा युनिटों की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि मातृवंदन योजना के तहत पहले साल में ही साढ़े चार लाख महिलाओं को सहायता देने के साथ, एक हजार नये आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दूध वितरण हेतु अमृत आहार योजना तथा बेटियों के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की गई हैं।

10 लाख परिवारों को नल कनेक्शन, एक हजार गांवों को सड़कों से जोड़ा

राज्य सरकार ने अपने पहले साल में ही 10 लाख परिवारों को पेयजल कनेक्शन और दूर-दराज के एक हजार गांवों को नई सड़कों से जोड़ा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे फेज के अन्तर्गत प्रदेश के 1 हजार 700 गांवों, ढाणियों एवं मजरों को पक्की सड़क से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से राजस्थान और मध्यप्रदेश के जिलों में तीन नदियों का पानी लाने में आधुनिक युग के भागीरथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अहम भूमिका है। डॉ. यादव ने कहा कि लंबे समय से इस योजना का विवाद न्यायालयों में चल रहा था, 20 वर्ष बीत जाने के बाद इसका समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एक तरह से नदियों का मायका है। पार्वती, काली सिंध और चंबल का उद्गम भी मध्यप्रदेश से होता है। उन्होंने कहा कि 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत की इस परियोजना में राज्य सरकारों पर मात्र 10 प्रतिशत ही वित्तीय भार आएगा और 90 प्रतिशत अंशदान केन्द्र सरकार देगी।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि राजस्थान सरकार के लिए यह ऐतिहासिक दिन है, जब राज्य में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य को राम जल सेतु लिंक परियोजना के रूप में बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अनूठी संकल्पना 'कैच द रेन' से प्रेरित है। जन्मभूमि से कर्मभूमि अभियान में अब तक 3 लाख रैन वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाए गए हैं, जो वर्षा का पानी संग्रहित कर भूमिगत पानी के स्तर को बढ़ाएंगे। 10 लाख रैन वाटर रिचार्ज बोर के लक्ष्य के साथ चलाया जा रहा यह अभियान जन भागीदारी से जन आंदोलन में परिवर्तित हो गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पार्वती नदी के जल से भरा कलश, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कालीसिंध नदी का जल कलश तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने चंबल नदी का जल कलश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सौंपा जिसे उन्होंने रामसेतु जल संकल्प कलश मे प्रवाहित किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को भगवान श्रीनाथ जी की तस्वीर और जयपुर की ब्लू पॉटरी का शंख भेंट किया। समारोह में राम जल सेतु लिंक परियोजना के लिए केन्द्र सरकार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के बीच हस्ताक्षरित मेमोरेण्डम ऑफ एग्रीमेंट प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर परियोजना पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई।

46,365 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

शिलान्यास

- 9416 करोड़ की लागत से कूल नदी पर रामगढ़ बैराज, पार्बती नदी पर महलपुर बैराज एवं चम्बल नदी पर जलसेतु (एक्वाडक्ट) सहित नवनेरा बैराज से बीसलपुर बांध तथा ईसरदा बांध में जल अपवर्तन तंत्र निर्माण।
- 676 करोड़ रुपए की लागत से धौलपुर से भरतपुर-डीग-कुम्हेर-नगर-कामां और पहाड़ी तक पेयजल ट्रांसमिशन एवं चंबल- धौलपुर-भरतपुर रेट्रोफिटिंग का कार्य।
- 2,522 करोड़ रुपए की लागत से सरकारी कार्यालय भवनों पर रूफटॉप सोलर संयत्रों की स्थापना।
- 1,200 करोड़ रुपए की लागत से पूगल (बीकानेर) में आरवीयूएनएल के 2000 मेगावाट सोलर पार्क का विकास, 590 करोड़ रुपए की लागत से एक हजार मेगावॉट पूगल सोलर पार्क फेज प्रथम, 588 करोड़ रुपए की लागत से एक हजार मेगावॉट पूगल सोलर पार्क फेज द्वितीय।
- 1382 करोड़ रुपए की लागत से भड़ला -3 और बीकानेर -3 कॉम्पलेक्स के इन्टरकनेक्शन के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम हेतु प्रसारण तंत्र का सुदृढ़ीकरण।
- 13028 करोड़ रुपए की लागत से पावरग्रिड के राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी जोन से बिजली निकासी प्रसारण तंत्र हेतु विभिन्न फेज के 5 कार्य।
- 5922 करोड़ रुपए की लागत से लूनी-समदड़ी-भीलड़ी रेलमार्ग, अजमेर-चंदेरिया (चित्तौडगढ़) रेलमार्ग एवं जयपुर-सवाई माधोपुर रेलमार्ग के दोहरीकरण का कार्य।

लोकार्पण

- 1069 करोड़ रुपए की लागत से कालीसिंध पर निर्मित नवनेरा बैराज।
- 764 करोड़ रुपए की लागत से स्मार्ट विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क एवं असेट मैनेजमेन्ट सिस्टम का कार्यान्वयन।
- 5,039 करोड़ रुपए की लागत से पावरग्रिड के सोलर एनर्जी जोन से बिजली निकासी प्रसारण तंत्र सुदृढ़ीकरण के फेज-2 के 3 कार्य।
- 1420 करोड़ रुपए की लागत से 8-लेन दिल्ली-वडोदरा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसव के मेज नदी-एसएच-37 ए जंक्शन (पैकेज 12) खण्ड का लोकार्पण।
- 1308 करोड़ रुपए की लागत से 4-लेन जोधपुर रिंग रोड डांगियावास-जाजीवाल (पैकेज-1) खण्ड का लोकार्पण।
- 839 करोड़ रुपए की लागत से 6-लेन अमृतसर-जामनगर ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर देवगढ़-राजस्थान/गुजरात सीमा (पैकेज 8) खण्ड का लोकार्पण।
- 602 करोड़ रुपए की लागत से भीलड़ी- समदड़ी- लूनी-जोधपुर-मेड़ता रोड-डेगाना-रतनगढ़ रेलमार्ग के विद्युतीकरण कार्य।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

राम जल सेतु लिंक परियोजना

राजस्थान मध्यप्रदेश

(संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना)

परियोजना के लाभ

- 17 जिलों की 3.25 करोड़ आबादी को मिलेगा शुद्ध पेयजल।
- 25 लाख किसानों की आय बढ़ाने हेतु लगभग 4 लाख हैक्टेयर भूमि में सिंचाई के लिए मिलेगा जल।
- राज्य के चहुंमुखी विकास हेतु उद्योगों को होगा जल उपलब्ध।
- बनास, मोरेल, बाणगंगा, रूपारेल, पार्वती, गंभीर, साबी जैसी नदियों को पुनर्जीवित कर होगा भूजल पुनर्भरण।

राजस्थान संवाद

जल संसाधन विभाग, राजस्थान
पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना निगम

'रन फॉर विकसित राजस्थान' से आयोजनों का शुभारम्भ

21वीं सदी भारत की, भारत के युवाओं की

राज्य सरकार के कार्यकाल की पहली वर्षगांठ के आयोजनों का आगाज मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पर 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को हरी झण्डी दिखाकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे युवा देश की धरोहर हैं। जब युवा आगे बढ़ेंगे, तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। युवाओं की ऊर्जा, जोश एवं प्रतिभा ही राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'रन फॉर विकसित राजस्थान' की यह दौड़ हमारी एकजुटता, दृढ़ संकल्प और राज्य के विकास की दिशा में एक कदम है। युवा सशक्त होंगे तो राजस्थान सशक्त होगा। इसी लक्ष्य के साथ प्रदेश में अब से हर वर्ष 12 दिसम्बर को 'रन फॉर विकसित राजस्थान' का आयोजन किया जाएगा, जिससे युवाओं को राज्य की प्रगति में भागीदार बनने की प्रेरणा मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मानना है कि भारत के भविष्य का मार्ग अब बड़े सपनों, बड़े संकल्पों की सिद्धि का है। आज विकसित भारत का निर्माण ही हर देशवासी का ध्येय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के इसी ध्येय को अपना संकल्प बनाकर हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। प्रधानमंत्री ने यह करके दिखाया है। यह सदी भारत की है, भारत के युवाओं की है।

श्री शर्मा ने कहा कि इस बार पेरिस पैरालंपिक में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, कांस्य सहित कुल 3 पदक जीते। राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान भी खेलों के लिए 15 हजार करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं। खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिट इंडिया, योग दिवस, श्री अन्न, स्वच्छ भारत जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को फिट, स्वस्थ, स्वच्छ रहने की दिशा दी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अन्तरराष्ट्रीय पदक विजेता सुश्री अवनी लेखरा, सुश्री मोना अग्रवाल, श्री सुंदर सिंह गुर्जर सहित कई खिलाड़ियों को चैक एवं प्रशस्ति-पत्र वितरित किए।

युवा सपने देखें, पूरे हम करेंगे

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की युवा शक्ति का आह्वान किया है कि युवा शक्ति अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राज्य की प्रगति में योगदान दे। उत्कृष्ट राजस्थान, विकसित राजस्थान का संकल्प युवा शक्ति से ही संभव होगा। राज्य सरकार युवाओं के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रदेश के हित में काम करें, सपने देखें। उनके सपनों को पूरा करने में राज्य सरकार पूरी मदद करेगी। श्री शर्मा ने राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में 12 दिसम्बर को जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में होने वाले आयोजनों की रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन से शुरूआत की। 12 से 17 दिसंबर तक आयोजित हुए इन कार्यक्रमों की थीम "निभाई जिम्मेदारी, हर घर खुशहाली" रखी गई। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सरकारी नौकरी में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए तथा सभी जिलों में आयोजित हुए रोजगार उत्सव कार्यक्रमों में 15 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यभर में वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्राप्त प्रतिभागियों से संवाद भी किया।

युवाओं ने रोशन किया दुनिया में भारत का नाम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत पूरी दुनिया के सामने आत्मविश्वास से भरी जो हुंकार भर रहा है, उसके पीछे हमारी युवा शक्ति की ही ताकत है। श्री शर्मा ने कहा कि पिछले 1 साल में भ्रष्टाचार मुक्त भर्तियों ने सरकार पर युवाओं के विश्वास को फिर बहाल किया है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के फलस्वरूप युवाओं के लिए रोजगार के लाखों अवसर पैदा होंगे। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

युवाओं को संबल देने के लिए राज्य सरकार लगातार ले रही निर्णय

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने के लिए इस साल 37 नए राजकीय महाविद्यालयों एवं 5 नए पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की स्थापना, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा से संबद्ध सात कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं बिग डेटा, रोबोटिक्स, ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे क्षेत्रों में शिक्षा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं।

साथ ही, 3 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। इस साल राज्य में 900 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत हुए हैं और बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम के तहत 150 स्टार्टअप्स को फंडिंग दी गई है।

21 हजार बालिकाओं को स्कूटी वितरित, 8 हजार से अधिक स्मार्ट क्लासरूम शुरू

कार्यक्रम में श्री शर्मा ने 4 हजार 10 स्कूलों में 8 हजार 20 स्मार्ट क्लास रूम, ई-पाठशाला एवं विद्या समीक्षा केन्द्र, लर्न, अर्न एण्ड प्रोग्रेस प्रोग्राम, राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना, स्पोर्टस लाइफ इंश्योरेंस स्कीम एवं बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम का शुभारम्भ किया। उत्सव के दौरान श्री शर्मा ने 155 स्टार्टअप को फंडिंग, 1 लाख 25 हजार छात्राओं को साइकिल, 75 हजार 325 विद्यार्थियों को व्यवसायिक टूल किट, 23 हजार 100 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना तथा देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना के अंतर्गत 21 हजार बालिकाओं को स्कूटी वितरित की। कार्यक्रम में आयुष्मान आरोग्य कार्ड, मेधावी छात्राओं को साइकिल, मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना के तहत दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर एवं स्कूटी का वितरण किया गया। उन्होंने दिव्यांगजन के सहयोग के लिए लगाई गई उपकरण स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा स्कूली छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उनसे रूबरू हुए। मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जोधपुर जिला स्तरीय प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया और एग्जीबिशन का अवलोकन किया।

खुशहाल-समृद्ध किसान तभी विकसित राजस्थान

- **70 लाख से अधिक किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की 700 करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधे हस्तांतरित**
- **3 लाख 25 हजार पशुपालकों को मुख्यमंत्री ने 200 करोड़ रुपए की सहायता राशि का किया सीधा हस्तान्तरण**

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता और धरती माता का सच्चा सपूत है। जब किसान खुशहाल समृद्ध होगा तभी विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। हमारी सरकार किसान-पशुपालक के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि जब भी किसानों के हित की बात आएगी, राज्य सरकार सदैव साथ खड़ी मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री शर्मा राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के क्रम में 13 दिसम्बर को अजमेर में आयोजित राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य तय किया है।

किसानों का हित प्रधानमंत्री की प्राथमिकता

श्री शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लिए किसानों का हित सबसे पहली प्राथमिकता है। उनके मन में किसानों का भला करने की अद्भुत इच्छाशक्ति और संकल्प है। प्रधानमंत्री ने महान किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया है, जो ये दर्शाता है कि वे किसानों के प्रति कितना सम्मान रखते हैं। श्री शर्मा ने किसानों को किसान दिवस (23 दिसम्बर) की बधाई देते हुए कहा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ही किसान दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

राम जल सेतु -ताजेवाला से किसानों को मिलेगा पर्याप्त पानी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना का एमओयू कर इस पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। शेखावाटी क्षेत्र में भी पानी की कमी को पूरा करने के लिए ताजेवाला से यमुना का पानी लाने के लिए लंबे समय से लंबित एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होने कहा कि हमारी सरकार अनेक अन्य महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं पर एक साथ काम कर रही है। शीघ्र ही धौलपुर लिफ्ट परियोजना का भी शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही, भूजल के रीचार्ज के लिए प्रवासी राजस्थानियों के सहयोग से भी एक नए कार्यक्रम 'कर्मभूमि से मातृभूमि' की शुरुआत की जा रही है।

किसानों के सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार ले रही लगातार निर्णय

श्री शर्मा ने कहा कि राइजिंग समिट के दौरान कृषि क्षेत्र में 58 हजार करोड़ रुपये निवेश के ढाई हजार से अधिक एमओयू किए हैं। हमारी सरकार द्वारा 30 लाख किसानों को 20 हजार करोड़ रूपये का अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण, 8 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड, 26 हजार सोलर संयंत्रों की स्थापना, 31 स्थानों पर फूड पार्क के लिए भूमि आवंटन, 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन, गेहूं, मूंग, मूंगफली तथा सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीद, पीएम किसान समृद्धि केन्द्र की स्थापना जैसे निर्णय किए गए हैं। जिससे खुशहाल किसान, समृद्ध किसान के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा।

70 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 700 करोड़ से अधिक की राशि का हस्तान्तरण

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 70 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किश्त के रूप में 700 करोड़ से अधिक की राशि का सीधा हस्तान्तरण किया। वहीं, 15 हजार 983 किसानों को ड्रिप, फव्वारा संयंत्रों के लिए 29 करोड़ रूपये से अधिक, 14 हजार 200 से अधिक किसानों को फार्म पौण्ड, पाइपलाइन, तारबन्दी, डिग्गी निर्माण, कृषि यंत्र, जैविक खाद सहित विभिन्न कार्यों के लिए 96 करोड़ से अधिक की राशि व 8 हजार सोलर पंप स्थापना संवेदन के 80 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की।

श्री शर्मा ने प्रदेश के 3 लाख 25 हजार पशुपालकों को 5 रूपए प्रति लीटर के आधार पर 200 करोड़ रूपए की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए। साथ ही, कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कृषि संकाय में अध्ययनरत 10 हजार 500 छात्राओं को 22 करोड़ रूपए प्रोत्साहन राशि का डीबीटी भी किया गया। उन्होंने केन्द्रीय प्रवर्तित 'आत्मा' योजना के तहत खेती में नवाचार कर रहे 10 प्रगतिशील किसानों का सम्मान किया।

किसान कल्याणकारी नई योजनाओं का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, ऊँट संरक्षण एवं विकास मिशन व 100 गौशालाओं में गौ काष्ठ मशीन उपलब्ध करवाने के कार्य का शुभारम्भ किया। उन्होंने 200 नए बल्क मिल्क कूलर्स, 1000 नए डेयरी बूथ को आवंटन पत्र, एक हजार नए दूध संकलन केन्द्रों की शुरूआत तथा गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के अन्तर्गत 20 हजार गोपालकों को 1 लाख रूपये तक का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया। कार्यक्रम में 5 हजार वन मित्रों को सुरक्षा किट भी वितरित की गई। श्री शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तारबंदी योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, फॉर्म पौण्ड, फव्वारा अनुदान, स्प्रिंकलर्स अनुदान, सहित विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी किसानों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने 15 हजार किसानों को पीएम कुसुम-बी योजनान्तर्गत सोलर पम्प के लिए 300 करोड़ रूपये के अनुदान व ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 150 पैक्स गोदाम निर्माण की 10 करोड़ रूपए की स्वीकृतियां प्रदान की। श्री शर्मा ने काश्तकारों द्वारा अपना खाता पोर्टल पर सीमाज्ञान एवं आपसी सहमति विभाजन के ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रकिया का शुभारंभ किया। इसके तहत आमेट, उनियारा, सिवाना एवं पीपाड़ तहसीलों के सर्वे एवं रिसर्वे पश्चात जमाबन्दियों को ऑनलाइन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एग्रीस्टेक की फार्मर्स रजिस्ट्री योजना के माध्यम से किसानों के पंजीकरण प्रक्रिया का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्य में सहकारिता क्षेत्र में हो रहे नवाचारों, कार्यक्रमों पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सभास्थल पर गोकाष्ठ मशीन एवं कृषि में उपयोग होने वाले ड्रोन का अवलोकन किया।

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन

महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को समर्पित सरकार

- **एक लाख नवीन 'लखपति दीदी' का सम्मान**
- **216 चिह्नित क्लस्टरों में नमो ड्रोन दीदी का चयन**
- **मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना, एवं राज सखी पोर्टल सहित कई योजनाएं प्रारम्भ**

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का एक वर्ष महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को समर्पित रहा है क्योंकि हमारा मानना है कि नारी की सुदृढ़ एवं सम्मानजनक स्थिति एक उन्नत, समृद्ध और मजबूत समाज व राष्ट्र का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री राज्य सरकार का एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में 13 दिसम्बर को उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने अपने संकल्प पत्र में प्रदेश की माता-बहनों से किए गए वादे के अनुरूप नारी सुरक्षा और नारी कल्याण के लिए काम किया है। बच्चियों व महिलाओं को भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के गठन के साथ प्रथम चरण में 250 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के संचालन के लिए स्वीकृति जारी कर एक हजार कांस्टेबल के पद स्वीकृत कर दिए हैं। महिलाओं को आपात स्थिति में 24 घंटे पुलिस सहायता प्रदान करने के लिए एक ऐप तथा आरएसआरटीसी के सुरक्षा कमांड सेंटर व पैनिक बटन परियोजना का शुभारंभ किया गया है।

गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बॉन्ड प्रदान करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि आज इस योजना के एक लाख लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में 2 हजार 500 रुपये हस्तांतरित किए हैं। श्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही 1 जनवरी, 2024 से पात्र परिवारों को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना शुरू कर दिया गया था। आज एनएफएसए लाभार्थी परिवारों को सिलेंडर की सब्सिडी राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में 1,500 रुपये की अतिरिक्त राशि हस्तांतरित

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मासिक मानदेय 10 प्रतिशत बढ़ाया है। साथ ही, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में राज्य की लगभग 4 लाख 50 हजार महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा कहा कि राज्य सरकार ने योजना के तहत दी जाने वाली 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये कर दिया है। आज इसकी 1 हजार 500 रुपये की अतिरिक्त राशि को 70 हजार महिलाओं को हस्तांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दूध वितरण के लिए मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना शुरू की है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 5-5 नए आंगनबाड़ी सहित कुल एक हजार नए आंगनबाड़ी केंद्रों को स्वीकृति प्रदान की है। प्रत्येक ब्लॉक में एक आदर्श आंगनबाड़ी बनाने की शुरुआत भी कर दी गई है।

श्री शर्मा ने कहा कि आज हमने 10 हजार इलेक्ट्रिक कुकिंग सिस्टम के वितरण की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि 1 लाख नई लखपति दीदियों एवं 216 नमो ड्रोन दीदियों का भी आज सम्मान किया है। आज ही 10 हजार स्वयं सहायता समूहों को प्रति समूह 15 हजार रुपये रिवोल्विंग फण्ड का हस्तांतरण किया गया है। इसके अतिरिक्त महिला निधि बैंक के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को 100 करोड़ रुपये के ऋण की स्वीकृति प्रदान की है एवं 45 लाख स्वयं सहायता समूहों के लिए राज सखी पोर्टल का शुभारंभ किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस एक वर्ष में उठाए गए कदमों से हमारे राज्य की महिलाएं आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानित हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह तो बस शुरुआत है, आने वाले समय में हम प्रदेश की महिलाओं को उनके सपने साकार करने के लिए हर अवसर उपलब्ध कराएंगे।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी, राजस्व मंत्री श्री हेमंत मीणा, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने भी सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से योजनाओं के लाभार्थियों से किया वर्चुअली संवाद

इससे पहले श्री शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग की स्टॉल पर निःशुल्क साइकिल वितरण योजना अन्तर्गत राजकीय विद्यालय में कक्षा 9 में अध्ययनरत बालिकाओं को साइकिल वितरण किया। दिव्यांग कल्याण से संबंधित सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की सुखद दाम्पत्य जीवन योजना के अंतर्गत 5 लाख का चेक वितरण व विशेष योग्यजन को कृत्रिम अंग उपकरण सहायता योजना के अंतर्गत सुगम्य केन किट का वितरण किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज शिक्षा विभाग की स्टॉल पर कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना एवं राजस्थान देवनारायण छात्रा स्कूटी एवं प्रोत्साहन राशि योजना तथा सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत लाभार्थियों को स्कूटी वितरण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में अन्य विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल का अवलोकन भी किया।

पूंछरी का लौठा, डीग

गोवर्धन परिक्रमा

विकास परियोजना का शिलान्यास

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि विकसित राजस्थान का सपना गिरिराज जी के आशीर्वाद से शत-प्रतिशत पूरा होगा। श्री शर्मा 15 दिसम्बर को डीग में पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में एक तरफ हमारे तीर्थों का विकास हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण भी हो रहा है। हम प्रदेश में सड़कों और नए एक्सप्रेस-वे का जाल बिछाने के अपने संकल्प पर निरंतर काम कर रहे हैं जिसका फायदा श्रद्धालुओं को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा के लिए यहां देश-विदेश से हर साल करीब 2 करोड़ श्रद्धालु आते हैं। यह 21 किलोमीटर की परिक्रमा बहुत से भारतीय परिवारों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है। नंगे पैर या दंडवत परिक्रमा करते श्रद्धालु, छप्पन भोग के प्रसाद से सजी झांकियां त्योहार का माहौल बनाती हैं। उन्होंने कहा कि यह विकास परियोजना हमारे इस पावन धाम की आध्यात्मिक खूबसूरती में इजाफा करेगी। इसी तरह प्रदेश के जन-जन के आशीर्वाद से हम आध्यात्मिक विकास के सभी पावन कार्यों को पूर्ण करने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि गिरिराज जी की परिक्रमा में 1.2 किलोमीटर का राजस्थान में पड़ने वाला हिस्सा परिक्रमा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें श्रीनाथजी, पूंछरी का लौठा आदि प्रमुख मंदिर और अप्सरा एवं नवल कुंड जैसे कई पवित्र स्थल हैं। उन्होंने कहा कि पूंछरी में शीघ्र ही पूरे देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं मिल सकेंगी। वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल ने कहा कि उनका समूह इस क्षेत्र के विकास में 100 करोड़ रुपये गोवर्धन जी के निमित्त करता है और हम राज्य सरकार को इस कार्य में पूर्ण सहयोग करेंगे।

चार जोन में होगा विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरिराज जी परिक्रमा पथ को चार जोन में बांटकर विकसित किया जाएगा।

पहला जोन : इसमें श्रीनाथ जी मंदिर, पूंछरी का लौठा मंदिर, दाऊजी का मंदिर, गंगा मंदिर, नरसिंह जी मंदिर, मुखारबिंद, अप्सरा कुंड एवं नवल कुंड,

फाउंटेन, राधा वाटिका, बोटेनिकल गार्डन, लोटस पौंड, मयूर वाटिका, विष्णु अवतार गार्डन का विकास करवाया जाएगा।

दूसरा जोन : इस जोन में भव्य प्रवेश एवं निकास द्वार, मार्ग का सौंदर्यीकरण, रोशनी, विश्राम मंडप, पेयजल सुविधाओं, फूड जॉइंट एवं स्टॉल, भगवान श्री कृष्ण से संबंधित मूर्तियां, गैलरियों का निर्माण जैसे कार्य करवाए जाएंगे।

तीसरा जोन : इसमें परिक्रमा मार्ग के बाहर एंट्री प्लाजा, ग्रीन कैनाल वाटरफ्रंट, पार्किंग, गोठ स्थल, भजन एवं कीर्तन स्थल, पौराणिक आर्ट गैलरी, गिरिराज जी म्यूजियम, सांस्कृतिक केंद्र, आध्यात्मिक केंद्र, आर्ट विलेज आदि का विकास किया जाएगा।

चौथा जोन : इस जोन में बनने वाली 250 फुट ऊंची मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगी। इस जोन में आश्रम गांव, मेडिटेशन हॉल, गौशालाओं, राजस्थानी हैंडीक्रॉफ्ट बाजार आदि का विकास किया जाएगा। श्री शर्मा ने इस परियोजना में वित्त पोषण और अटूट समर्थन के लिए वेदांता समूह को धन्यवाद दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा एवं गोवर्धन परिक्रमा विकास परियोजना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

इससे पहले मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा मंदिर एवं श्रीनाथ जी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए कामना की। साथ ही, उन्होंने गौ पूजा एवं सेवा भी की। मुख्यमंत्री ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पूंछरी का लौठा में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का अवलोकन किया।

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में झलका

‘एक वर्ष–परिणाम उत्कर्ष’

राज्य सरकार के एक वर्ष के विकास कार्यों की झलक लिए जवाहर कला केन्द्र जयपुर में लगाई गई प्रदर्शनी ‘एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष’ का शुभारम्भ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने किया।

उन्होंने कृषि, पशुपालन, सहकारिता, चिकित्सा, उद्योग, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर जाकर एक वर्ष के कार्यकाल में विभिन्न क्षेत्रों में करवाए गए विकास कार्यों एवं योजनाओं के फोटो, स्कैच, मॉडल्स एवं प्रकाशन सहित अन्य सामग्री का अवलोकन किया।

जेडीए की तीन नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने नगरीय विकास एवं आवासन मंडल की स्टॉल पर जयपुर विकास प्राधिकरण की तीन नई आवासीय योजनाओं, अटल विहार, गोविन्द विहार तथा पटेल नगर आवासीय योजना का शुभारंभ एवं तीनों योजनाओं की बुकलेट का विमोचन किया। साथ ही जेडीए में ई-साइन के माध्यम से पेपरलैस नाम हस्तानान्तरण की प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया।

श्री शर्मा ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई इस प्रदर्शनी में कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग, आरसीडीएफ (डेयरी), गौपालन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रम एवं नियोजन, सार्वजनिक निर्माण, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, आयोजना, राजस्थान आवासन मण्डल, नगरीय विकास विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, स्वायत्त शासन, सूचना एवं जनसम्पर्क, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, उद्योग, ऊर्जा, गृह, वन, पर्यटन सहित अन्य विभागों द्वारा एक साल में लिए गए फैसलों, विकास कार्यों, योजनाओं एवं उपलब्धियों का अवलोकन किया।

वाहनों को दिखाई हरी झंडी

एम्बुलेंस, इन्टरसेप्टर एवं पेट्रोलिंग वाहन लोकार्पित

सुरक्षा और जीवन रक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सवाई मानसिंह स्टेडियम से 'सुरक्षा एवं सुगमता का संकल्प' समारोह में 101 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई। जिससे सड़क दुर्घटना एवं आपातकालीन स्थिति में रोगियों को त्वरित चिकित्सा सहायता पहुंचाई जा सके, साथ ही नागरिकों की सुरक्षा हेतु 25 पुलिस पेट्रोलिंग वाहन तथा सड़क हादसों की बढती संख्या में कमी लाने के प्रयास में 22 पुलिस इंटरसेप्टर वाहन और 750 मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाई, जो गति नियंत्रण व सड़क सुरक्षा नियम के पालन में सहायक साबित होगी। साथ ही, बजट में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के वादे को पूरा करते हुए, महिला सुरक्षा और संरक्षण के लिए 150 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स को भी रवाना किया।

राज्य सरकार के विकास कार्यों की प्रेरणा

अंत्योदय का सिद्धांत

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार के कार्यकाल का पहला वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। राज्य सरकार ने पहले साल में ही प्रदेशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सफलता पाई है और आने वाले चार वर्षों में हम प्रदेशवासियों से आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र में किए गए हर वादे को पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने जयपुर की पिंजरापोल गौशाला में आयोजित अंत्योदय सेवा शिविर समारोह के दौरान अपने सम्बोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार हर साल अपने काम का हिसाब भी आमजन के बीच रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साल पहले हमारी सरकार ने जब राजस्थान की जनता की सेवा करने की शपथ ली थी, उससे पहले प्रदेश में महिलाओं के लिए असुरक्षा का माहौल था, युवा पेपरलीक की मार झेल रहे थे, जल जीवन मिशन का कार्य ठप्प पड़ा था और गरीब भ्रष्टाचार और शोषण के दलदल में फंसा था। हमने पिछले एक साल में प्रदेश की जनता को इन समस्याओं से बाहर निकालने के लिए सार्थक प्रयास किए हैं। युवाओं को रोजगार दिया, महिलाओं के लिए सुरक्षा सुनिश्चित की, किसानों को संबल दिया और गरीब को सामाजिक न्याय देकर सशक्त करने का काम किया। इस एक वर्ष में हमारी सरकार ने प्रदेश के विकास को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है।

यह शिविर केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अंत्योदय की दिशा में हमारे दृढ़ संकल्प और समाज के जरूरतमंद वर्गों को संबल देने का प्रतीक है। श्री शर्मा ने कहा कि अंत्योदय का सिद्धांत पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा दिया गया जो हमारी सरकार के विकास कार्यों की प्रेरणा हैं।

एक वर्ष में साढ़े पांच लाख से अधिक नए पेंशनर्स को जोड़ा

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लगभग 90 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। हमारी सरकार ने एक वर्ष के कार्यकाल में साढ़े पांच लाख से अधिक नए पेंशनर्स को जोड़ा है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की न्यूनतम पेंशन राशि में बढ़ोत्तरी की है। अब 75 वर्ष से कम उम्र के सभी पेंशनर्स को 1,150 रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। पालनहार योजना के तहत विभिन्न श्रेणी के बच्चों को 750 रुपये से लेकर 2 हजार 500 रुपये तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 32 हजार से अधिक नए पालनहारों को योजना से जोड़कर लाभान्वित किया है।

मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 'मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना' का शुभारंभ किया। इसके तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद एवं असहाय परिवार के असंगठित श्रमिकों के साथ भवन निर्माण श्रमिक, हस्तशिल्प श्रमिक, गिग वर्कर, ट्रांसपोर्ट वर्कर, केयर वर्कर, सफाई श्रमिक, घरेलू श्रमिक आदि को विशेष अल्पावधि ऋण उपलब्ध करवाकर आर्थिक संबल दिया जाएगा। इस योजना में लाभार्थी को बैंक द्वारा बिना किसी गारंटी अथवा प्रक्रिया शुल्क के 80 हजार तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 2 लाभार्थियों को 50-50 हजार रुपये की ऋण राशि के चेक प्रदान किए। प्रदेशभर में 11 हजार 1 स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित किया गया।

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना की शुरूआत

श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना का शुभारंभ भी किया। इस योजना में दुर्लभ बीमारी से पीड़ित 18 वर्ष तक के बच्चों को 50 लाख रुपए तक का उपचार उपलब्ध कराया जाएगा और उनकी देखभाल के लिए 5 हजार रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जाएगी। पहले चरण में जेके लोन अस्पताल और एम्स जोधपुर को इस योजना में इलाज के लिए अधिकृत किया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इस योजना के पोर्टल का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना की भी शुरूआत की। इसके तहत लाभार्थी अंशदाताओं को मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन के अतिरिक्त 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 3 हजार रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी।

जरूरतमंदों की मदद के लिए बनेंगे मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सद्भावना केन्द्रों की स्थापना के कार्यों का भी शुभारंभ किया। इन केन्द्रों पर नागरिक, संस्थान, वाणिज्यिक उद्यम आदि पहले उपयोग हो चुकी वस्तुएं जैसे कपड़े, जूते, किताबें, खिलौने, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि जमा कर सकेंगे। जरूरतमंद व्यक्ति इन केंद्रों से अपनी आवश्यकतानुसार वांछित सामान प्राप्त कर सकेंगे।

31 जनवरी, 2025 तक लगेंगे आयुष्मान आरोग्य शिविर

श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेशभर में 15 दिसम्बर से प्रारंभ कर 31 जनवरी, 2025 तक मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 813 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 50 जिला चिकित्सालयों में 3 चरणों में ये शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने इस अवसर पर आयुष्मान आरोग्य शिविर की बुकलेट का भी विमोचन किया।

लाभार्थियों को सहायता राशि का प्रत्यक्ष हस्तांतरण

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 2 लाख 15 हजार पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के खातों में विभिन्न योजनाओं की 247.76 करोड़ रुपए की राशि का प्रत्यक्ष हस्तांतरण भी किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 2 महिलाओं को 30-30 हजार रुपये के प्रतीकात्मक चेक भेंट कर 5,001 परिवारों को आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त जारी की। इस योजना में 20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई।

2 हजार दिव्यांगजन को स्कूटी की सौगात

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विशेष योग्यजन के हित में भी निरंतर योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 'मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना' के तहत दिव्यांगजन को स्कूटी की सौगात भी दी। प्रदेशभर में 2 हजार दिव्यांगजन को स्कूटी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने सीईएसएल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पहल के तहत महिला लाभार्थियों को कार्गो इलेक्ट्रिक साइकिल भी प्रदान की। उन्होंने दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर व उपकरण वितरित किए। प्रदेशभर में 14 हजार दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग एवं उपकरण प्रदान किए।

प्रदेश में युवा, किसान, महिला, गरीब सहित हर वर्ग का सशक्तीकरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश को आर्थिक तौर पर सशक्त करने का काम किया है। इसी के तहत हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से 35 लाख करोड़ से अधिक के निवेश एमओयू करने में सफलता प्राप्त की है। राज्य सरकार ने किसानों के लिए किसान सम्मान निधि के लगभग 5 हजार 600 करोड़ रुपये का हस्तांतरण, पशुपालकों के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की शुरुआत, महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर, बेटियों को लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से सशक्त बनाने का काम किया है।

हवन में आहुति देकर प्रदेश की समृद्धि की कामना

सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला पहुंचने पर मुख्यमंत्री को आमजन ने उत्साहपूर्वक उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने गौशाला परिसर में आयोजित किए गए हवन में आहुति देकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने गौशाला परिसर में गुड़-रोटी खिलाकर गौ पूजन किया। उन्होंने रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

'पंच-गौरव' से राजस्थान में विकास की नई दिशा

राज्य सरकार कार्यकाल के एक वर्ष पर प्रदर्शनी और 'पंच-गौरव' कार्यक्रम का शुभारम्भ

राजस्थान सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर, विभिन्न जिलों में "एक वर्ष परिणाम उत्कर्ष" थीम पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को प्रदर्शित किया गया। वहीं समारोह में विकास पुस्तिका विमोचन के साथ-ही प्रदेशभर में पंच-मुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए पंच-गौरव कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार हर जिले में एक उपज, एक वनस्पतिक प्रजाति, एक उत्पाद, एक पर्यटन स्थल और एक खेल पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है। इन पांच तत्वों को प्रत्येक जिले का पंच-गौरव माना जाएगा, जिससे स्थानीय संसाधनों और संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा और प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

उपज

सीताफल, अजवाईन, आम, कलौंजी, मक्का, मेथी, किन्नू, ग्वारपाठा, गुलाब, सौंफ, गेंहू, संतरा, चना, प्याज, सरसों, धनिया, लहसुन,धान, आंवला, मटर, गाजर, शहद, आलू, तिल, अमरूद, इसबगोल, अनार, जीरा, पपीता, खजूर, मेहंदी

प्रजाति

बांस / बेम्बू, बील, सागवान, महुआ, तेंदू, नीम, पलाश, रोहिडा, शीशम, फोग, बकायन, बेर, जामुन, करंज, नीम, खेजड़ी, अमलतास, खैर, चिरोंजी, धोक, सागवान, अर्जुन, ढाक, लेसुआ, अरडू, गूगल, शीशम, कदम्ब, बरगद, पीपल, रोहिडा, पीलू जाल, महुआ, रोंझ

उत्पाद

ग्रेनाइट एवं मार्बल के उत्पाद, थेवा आभूषण, बीकानेरी नमकीन, कृषि आधारित उत्पाद, लकड़ी के उत्पाद, सरसों तेल, कपास के उत्पाद, क्वार्ट्ज एवं फेल्डस्पार पाउडर, टेक्सटाइल उत्पाद, पान मेथी (मसाला), स्लेट स्टोन के उत्पाद, कोटा डोरिया, गार्लिक प्रोडक्ट, चावल, कोटा स्टोन के उत्पाद, ऑटोमाबाईल पार्ट्स, पत्थर के उत्पाद, रत्नाभूषण, लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद, लकड़ी के फर्नीचर, फेल्डस्पाद के उत्पाद, ब्लॉक प्रिंटिंग आधारित उत्पाद, ब्लू पॉटरी, स्टोन आधारित उत्पाद, सेंडस्टोन के उत्पाद, खीरमोहन, अमरूद के उत्पाद, कशीदाकारी, टैक्सटाइल उत्पाद, लकड़ी के फर्नीचर, सोनामुखी के उत्पाद, मसाले, येलोस्टोन के उत्पाद

खेल

तैराकी, कबड्डी, हॉकी, फुटबाल, कुश्ती, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बास्केटबाल, वॉलीबाल, क्रिकेट, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, जिमनास्टिक

पर्यटन स्थल

फतेहसागर एवं पिछोला झील, चित्तौड़गढ दुर्ग, बेणेश्वर धाम, त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण, कुम्भलगढ़, जयसमंद झील, करणी माता मंदिर, गोगामेड़ी मंदिर, सालासर बाजाजी मंदिर, हिन्दुमल कोट, बूढ़ा जोहड़, पुष्कर तीर्थ, केकड़ी पुराना शहर, टोडगढ़, मांडलगढ़ किला, जहाजपुर जैन मंदिर, मीराबाई स्मारक, तेजाजी मंदिर, डिग्गी कल्याण जी, चम्बल रिवर फ्रन्ट, रामगढ़ क्रेटर, तारागढ़ दुर्ग, गागरोन दुर्ग, सरिस्का टाइगर रिजर्व, मेहंदीपुर बालाजी मंदिर, आमेर दुर्ग, लोहागर्ल, खाटू श्याम जी मंदिर, मनसा माता, सांभर झील, श्री दादूदयाल मंदिर, बैराठ, तिजारा जैन मंदिर, केवलादेव नेशनल पार्क, डीग महल, मचकुंड, कैलादेवी मंदिर, कुशालगढ़ लेक के बाबा खाटूश्याम मंदिर, रणथंभौर नेशनल पार्क, किराडू मंदिर, नाकोडा जैन मंदिर, मेहरानगढ़ दुर्ग, खींचन, रणखार, सुँधा माता मंदिर, ओरियाँ गाँव, जैसलमेर दुर्ग, रणकपुर जैन मंदिर, ओसियां

क्र.स.	जिला	उपज	प्रजाति	उत्पाद	पर्यटन स्थल	खेल
1.	अजमेर	गुलाब	नीम	ग्रेनाइट एवं मार्बल के उत्पाद	पुष्कर तीर्थ	हॉकी
2.	अलवर	प्याज	अर्जुन	ऑटोमोबाइल पार्ट्स	सरिस्का टाइगर रिजर्व	कुश्ती
3.	बालोतरा	अनार	रोहिडा	टैक्सटाइल उत्पाद	नाकोडा जैन मंदिर	क्रिकेट
4	बांसवाड़ा	आम	महुआ	ग्रेनाइट के उत्पाद	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर	फुटबाल
5.	बारां	लहसुन	चिरोंजी	गार्लिक प्रोडक्ट	रामगढ़ क्रटेर	फुटबॉल
6.	बाड़मेर	इसबगोल	रोहिडा	कशीदाकारी	किराडू मंदिर	बास्केटबॉल
7.	ब्यावर	गेंहू	करंज	क्वार्ट्ज एवं फल्डस्पार पाउडर	टोडगढ़	हॉकी
8.	भरतपुर	शहद	कदम्ब	कृषि आधारित उत्पाद	केवलादेव नेशनल पार्क	कुश्ती
9.	भीलवाड़ा	संतरा	नीम	टेक्सटाइल उत्पाद	मांडलगढ़ किला	बास्केटबाल
10.	बीकानेर	मेथी	रोहिडा	बीकानेरी नमकीन	करणी माता मंदिर	तीरंदाजी
11.	बूंदी	धान	धोक	चावल	तारागढ़ दुर्ग	एथलेटिक्स
12.	चित्तौड़गढ़	अजवाईन	बील	ग्रेनाइट एवं मार्बल के उत्पाद	चित्तौड़गढ़ दुर्ग	कबड्डी
13.	चुरू	ग्वारपाठा	फोग	लकड़ी के उत्पाद	सालासर बालाजी मंदिर	एथलेटिक्स
14.	दौसा	सौंफ	ढ़ाक	पत्थर के उत्पाद	मेहंदीपुर बालाजी मंदिर	फुटबॉल
15.	डीग	सरसों	अर्जुन	स्टोन आधारित उत्पाद	डीग महल	कुश्ती
16.	धौलपुर	आलू	करंज	स्टोन आधारित उत्पाद	मचकुंड	हॉकी
17.	कुचामन डीडवाना	प्याज	खेजड़ी	मार्बल एवं ग्रेनाइट के उत्पाद	तेजाजी मंदिर	कबड्डी
18.	डूंगरपुर	आम	सागवान	ग्रेनाइट के उत्पाद	बेणेश्वर धाम	हॉकी
19.	श्रीगंगानगर	किन्नू	बकायन	सरसों तेल	हिन्दूमल कोट	एथलेटिक्स
20.	हनुमानगढ़	किन्नू	शीशम	कृषि आधारित उत्पाद	गोगामेड़ी मंदिर	हॉकी
21.	जयपुर	गेंहू	लेसुआ	रत्नाभूषण	आमेर दुर्ग	कबड्डी
22.	जैसलमेर	खजूर	पीलू जाल	बेलोस्टोन के उत्पाद	जैसलमेर दुर्ग	जिमनास्टिक
23.	जालोर	अनार	पीलू जाल	ग्रेनाइट के उत्पाद	सुधा माता मंदिर	बॉक्सिंग
24.	झालावाड़	संतरा	सागवान	कोटा स्टोन के उत्पाद	गागरोन दुर्ग	बास्केटबॉल
25.	झुन्झुनू	सरसों	खेजड़ी	लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद	लोहार्गल बाँध	बास्केटबॉल
26.	जोधपुर	जीरा	पीलू जाल	लकड़ी के फर्नीचर	मेहरानगढ़ दुर्ग	जिमनास्टिक
27.	करौली	तिल	बरगद	सेंडस्टोन के उत्पाद	कैलादेवी मंदिर	क्रिकेट
28.	खैरथल-तिजारा	प्याज	शीशम	ऑटोमोबाइल पार्ट्स	तिजारा जैन मंदिर	कुश्ती
29.	कोटा	धनिया	खेर	कोटा डोरिया	चम्बल रिवर फ्रन्ट	कुश्ती
30.	कोटपुतली-बहरोड़	गाजर	गूगल	ऑटोमोबाइल पार्ट्स	बैराठ	कुश्ती
31.	नागौर	सौंफ	खेजड़ी	पान मैथी (मसाला)	मीराबाई स्मारक	कबड्डी
32.	पाली	मेहंदी	रोंझ	टेक्सटाइल उत्पाद	रणकपुर जैन मंदिर	बास्केटबॉल
33.	फलोदी	जीरा	पीलू जाल	सोनामुखी के उत्पाद	खीचन	एथलेटिक्स
34.	प्रतापगढ़	कलौंजी	तेंदू	थेवा आभूषण	सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण	एथलेटिक्स
35.	राजसमन्द	सीताफल	नीम	ग्रेनाइट एवं मार्बल के उत्पाद	कुम्भलगढ़	हॉकी
36.	सलुम्बर	मक्का	पलाश	क्वार्ट्ज	जयसमंद झील	कबड्डी
37.	सवाई माधोपुर	अमरूद	नीम	अमरूद के उत्पाद	रणथंभौर नेशनल पार्क	फुटबॉल
38.	सीकर	प्याज	अरडू	लकड़ी के फर्नीचर	खाटू श्याम जी मंदिर	फुटबॉल
39.	सिरोही	पपीता	महुआ	मार्बल के उत्पाद	ओरियाँ गाँव	तीरंदाजी
40.	टोंक	सरसों	अमलतास	स्लेट स्टोन के उत्पाद	डिग्गी कल्याण जी	एथलेटिक्स
41.	उदयपुर	सीताफल	बांस / बेम्बू	ग्रेनाइट के उत्पाद	फत्तेहसागर एवं पिछोला झील	तैराकी

10 संकल्प 9 नीतियां

विकास का नया सवेरा

राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट 2024 से पूर्व मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा लिए गए 10 संकल्प

1. **सौर ऊर्जा से विकास का नया सवेरा:** समिट का उद्घाटन दिवस पूर्ण रुप से सौर ऊर्जा से संचालित
2. **हस्तशिल्प कारीगरों का आर्थिक सुदृढ़ीकरण:** समिट में राज्य के परंपरागत हस्तशिल्प जैसे थेवा कला, मीनाकारी, ब्लू पॉट्री का प्रदर्शन
3. **मिलेट फूड्स :** मिलेट फूड्स को समिट में विशेष स्थान
4. **विद्यार्थियों को ग्लोबल एक्सपोजर:** समिट के माध्यम से विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव
5. **प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग:** समिट में प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग
6. **दिव्यांग बच्चों को सम्मान:** समिट में दिव्यांग बच्चों की कला और कुशलता को उचित सम्मान
7. **कला और संस्कृति:** समिट में प्रदेश की अद्वितीय कला और संस्कृति को प्रमुखता
8. **जिला विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक पहचान:** समिट में प्रदेश के हर जिले के विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहचान
9. **वेस्ट सेग्रीगेशन से ग्रीन राजस्थान:** समिट में उत्पन्न अपशिष्टों का पृथक्करण और निपटान
10. **रोजगार के नए अवसर:** समिट के माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित

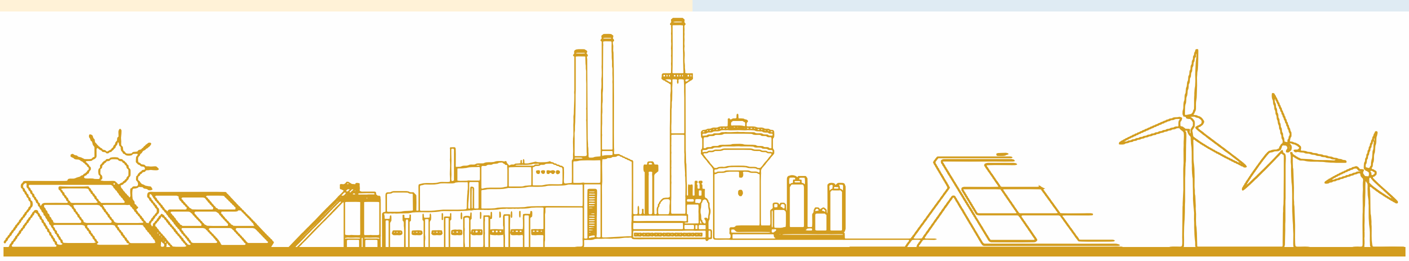

राज्य सरकार ने विकसित राजस्थान के संकल्प के लिए आधार तैयार करते हुए कई नवीन नीतियां जारी की हैं। उद्योग, पर्यटन, स्थानीय उत्पाद प्रोत्साहन, क्लीन ऊर्जा सहित हर प्रदेशवासी, मुख्य रूप से यहां के युवाओं के लिए उम्मीदों के नए द्वार खोलती राज. निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 और हाल ही में घोषित नीतियों का वर्णन इस प्रकार है:

राज. निवेश प्रोत्साहन योजना-2024

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 में 'स्टैंडर्ड सर्विसेज पैकेज' में प्रोत्साहन के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा घटाकर 25 करोड़ रुपये एवं पर्यटन इकाइयों के लिए 10 करोड़ रुपये की गई है। इसमें एयरो स्पेस, रक्षा, ड्रोन, सेमीकंडक्टर्स, एग्री-टेक और कचरा पुनर्चक्रण जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। एमएसएमई क्षेत्र में 'स्टैण्डर्ड मैन्युफैक्चरिंग पैकेज' की तुलना में अधिक अवधि (7 वर्ष) के लिए ब्याज छूट का लाभ, खादी, ग्रामीण पर्यटन और कृषि-प्रसंस्करण एमएसएमई के लिए अतिरिक्त लाभ और महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स को दो साल के लिए शत-प्रतिशत एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी।

राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी

राजस्थान एमएसएमई नीति-2024 से एमएसएमई को ऋण पर अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी, तकनीकी उन्नयन और गुणवत्ता प्रमाणन में सहायता, एमएसएमई उद्यमों के सृजन तथा विद्यमान एमएसएमई इकाइयों के विस्तार हेतु 50 करोड़ रुपये तक ऋण पर रिप्स 2024 अंतर्गत देय ब्याज अनुदान के अलावा चयनित इकाइयों को 2 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज अनुदान मिलेगा।

इन्टीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी

इस नीति के माध्यम से प्रदेश में अक्षय ऊर्जा, बायोमास एवं वेस्ट टू एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान एवीजीसी- एक्सआर पॉलिसी

इस पॉलिसी के तहत अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलेरेटर स्थापित किए जाएंगे। एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रिएलिटी के क्षेत्रों में सरकार द्वारा नई नीति लाने से राज्य की अर्थव्यवस्था को विभिन्न आर्थिक लाभ होंगे।

राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी

इस नीति के अंतर्गत मुख्यमंत्री निर्यात वृद्धि अभियान के तहत नए उद्यमियों को निर्यातक बनाने हेतु निर्यात प्रक्रिया में दस्तावेजीकरण हेतु प्रति इकाई प्रति वर्ष लागत के 50 प्रतिशत (अधिकतम 5 लाख रुपए) तक की सहायता दी जाएगी।

राजस्थान ट्यूरिज्म यूनिट पॉलिसी

राजस्थान पर्यटन इकाई नीति-2024 में पर्यटन इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा देते हुए 10 नई पर्यटन इकाइयों को शामिल किया गया है। जिससे राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी। साथ ही सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में मदद मिलेगी।

राजस्थान मिनरल पॉलिसी

नई खनिज नीति का उद्देश्यों में प्रदेश की जीडीपी में खनिज क्षेत्र की वर्तमान 3.4 प्रतिशत की भागीदारी को वर्ष 2029-30 तक 5 प्रतिशत और 2046-47 तक 8 प्रतिशत तक बढ़ाने के साथ राज्य के खनिज संसाधनों का आर्थिक विकास के लिए दोहन, अवैध खनन पर रोक, राजस्व को अधिकतम करना, निवेश आकर्षित करना और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना शामिल हैं।

राजस्थान एम-सैण्ड पॉलिसी

नई एम-सैण्ड नीति 2024 का उद्देश्य एम-सैण्ड इकाइयों को प्रोत्साहित करना, इनका संचालन सरल बनाना, नियम एवं गुणवत्ता मानकों को बढावा देना एवं सबसे बढ़कर पर्यावरण की रक्षा करना है।

इन्टीग्रेटेड क्लस्टर डवलपमेंट स्कीम

इस नीति से स्थानीय उत्पादों, व्यवसायों, एमएसएमई और कारीगरों को प्रोत्साहन मिलेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था और तेजी से आगे बढ़ेगी। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में राज्य में 15 क्लस्टर्स को विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह नीति न केवल स्थानीय कारीगरों और व्यवसायों को बेहतर अवसर उपलब्ध करवाएगी, बल्कि राज्य को वैश्विक बाजारों में भी प्रतिस्पर्धी बनाएगी।

राजस्थान एक जिला-एक उत्पाद नीति

एक जिला एक उत्पाद नीति 2024 से कारीगरों, शिल्पकारों, कृषकों और उत्पाद निर्माताओं की आय में वृद्धि होगी। नीति से ओडीओपी उत्पादों के लिए एकीकृत बुनियादी ढांचे का विकास होगा और इन्हें विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता मिलेगी। नीति के तहत, कारीगरों और छोटे उत्पादकों को वित्तीय सहायता, विपणन के अवसर और तकनीकी समर्थन मिलेगा। इससे न केवल स्थानीय रोजगार सृजित होंगे बल्कि राज्य में हस्तशिल्प और पारंपरिक उद्योगों का संरक्षण भी होगा।

स्वामित्व योजना

प्रदेश में 1 लाख 50 हजार लाभार्थियों को मिले सम्पत्ति के स्वामित्व कार्ड एवं पट्टे

> संपत्ति कार्ड किसान परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा की गारंटी
> - प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जनवरी को नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए एवं लाभार्थियों से संवाद किया। प्रदेश में लगभग 1 लाख 50 हजार लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड एवं पट्टें वितरित किए गए तथा श्रीगंगानगर जिले की लाभार्थी श्रीमती रचना से प्रधानमंत्री ने संवाद भी किया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

> आत्मनिर्भर गांवों से ही बनेगा हमारा भारत आत्मनिर्भर
> - मुख्यमंत्री **श्री भजनलाल शर्मा**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनकी आवासीय संपत्तियों के कानूनी दस्तावेज उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना की शुरुआत की गई थी तथा इस योजना के तहत अब तक गांवों में लगभग 2.25 करोड़ लोगों के संपति कार्ड बनाए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने कानूनी दस्तावेज प्राप्त करने के बाद अपनी संपत्ति के आधार पर बैंकों से ऋण लिया है तथा अपने गांवों में छोटे

व्यवसाय शुरू किए हैं। जिससे छोटे और मध्यम किसान परिवारों के लिए संपत्ति कार्ड आर्थिक सुरक्षा की गारंटी बन गए हैं। साथ ही, कानूनी प्रमाण पत्र मिलने से कई परिवार अवैध कब्जों और लंबे समय तक चलने वाले अदालती विवादों के संकट से मुक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि संपत्ति कार्ड से भूमि स्वामित्व के विवादों का हल होने के साथ ही, पंचायत की भूमि और चरागाह क्षेत्रों की पहचान एवं आपदा प्रबंधन आसान हो जाएगा, जिससे ग्राम पंचायतें भी आर्थिक रूप से सशक्त बनेगी। प्रधानमंत्री ने सुदूर सीमावर्ती गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हो रहा पूरा-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं में गांव और गरीब को केन्द्र में रखकर आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है, क्योंकि गांवों के मजबूत व आत्मनिर्भर होने से ही देश आत्मनिर्भर एवं विकसित होगा।

श्री शर्मा ने कहा कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्ति के मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान किया जा रहा है, जिससे ग्राम सुशासन और सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों को उनके अधिकार प्रदान करने की दिशा में यह दूरदर्शी कदम है, जिससे गांवों का समग्र विकास एवं ग्रामीण परिवारों का सशक्तीकरण सुनिश्चित हो रहा है।

प्रदेश के 35 हजार 955 ग्रामों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत 35 हजार 955 ग्रामों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा आज 1 लाख 50 हजार से अधिक कार्ड का वितरण किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के हर गांव और ग्रामवासी तक इस योजना का लाभ पहुंचे और कोई भी वंचित नहीं रहे। इसी दिशा में राज्य सरकार द्वारा प्रशिक्षण और अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं तथा इन कार्यक्रमों में ग्राम पंचायतों के अधिकारियों, पटवारियों और अन्य स्थानीय कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है ताकि वे इस योजना के क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से भूमिका निभा सके। संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में घुमंतू परिवारों को आवासीय पट्टे प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि इन परिवारों को अपना घर मिल सके।

हमारी प्राथमिकता

बैकलॉग पूरा कर समयबद्ध भर्ती

30 हजार 907 करोड़ के 76 हजार 574 कार्यों का

लोकार्पण एवं शिलान्यास

राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार कर रही है। साथ ही, युवाओं में कौशल और उद्यमिता का विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है, जिससे वे विकसित राजस्थान के लक्ष्य में अपना सक्रिय योगदान दे सके। राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं को समय पर पूरा करने और सरल बनाने के लिए कई नीतिगत निर्णय लिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने युवा दिवस पर बिडला ऑडिटोरियम में आयोजित चतुर्थ मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का मानना है कि युवा शक्ति परिवर्तन की वाहक होने के साथ ही परिवर्तन की लाभार्थी भी है। युवाओं को यह तय करने का अधिकार है कि विकसित भारत कैसा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में गत 10 वर्षों में देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं। 1893 में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज हमारे प्रधानमंत्री उनकी बात को चरितार्थ कर रहे हैं।

श्री शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने राष्ट्र को राह दिखाने का कार्य किया और देश में अध्यात्म और संस्कृति को बढ़ावा दिया। यदि आप एक हजार बार भी असफल होते हो तो एक बार फिर प्रयत्न करो। मुख्यमंत्री ने कहा असफलता मजबूरी नहीं मजबूती होती है।

छाया : राजेन्द्र शर्मा

पेपरलीक पर सख्त कार्रवाई से युवाओं को मिला न्याय

राज्य सरकार ने प्रदेश में युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने वाला माहौल तैयार किया है। राज्य में पारदर्शिता से भर्तियां हो रही हैं और परिश्रमी एवं योग्य युवा तेजी से आगे बढ़ रहा है। पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं और समय पर परीक्षाओं का आयोजन नहीं होने से युवाओं के साथ अन्याय हुआ। लेकिन राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन कर पेपरलीक माफिया पर सख्त कार्रवाई की। यह लड़ाई सिर्फ एक सुधार की नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की है। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खनन नीति से सृजित होंगे एक करोड़ रोजगार के अवसर

राज्य सरकार ने नई खनन नीति के माध्यम से एक करोड़ नौकरियों के सृजन का लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही, हम पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में भी हजारों नई नौकरियों के अवसर सृजित कर रहे हैं। राजस्थान इस समय प्रगति के स्वर्णिम दौर में है और यह हमारे युवाओं की शक्ति से तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आज लगभग 31 हजार करोड़ रुपये की लागत के 76 हजार से अधिक विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इनमें 20 हजार 320 करोड़ रुपये के 15 हजार 184 कार्यों का शिलान्यास तथा 10 हजार 587 करोड़ रुपये के 61 हजार 390 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

13 हजार 500 से अधिक युवाओं को मिली नियुक्तियां

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं को समय पर पूरा करने और सरल बनाने के लिए कई नीतिगत फैसले लिए हैं। राज्य सरकार ने अब तक 47 हजार सरकारी नियुक्तियां दी हैं। 13 हजार 500 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं। इसके अतिरिक्त 15 हजार नियुक्तियां भी प्रक्रियाधीन हैं। हम न्यायालय में लंबित भर्तियों के संबंध में भी प्रभावी पैरवी करवाकर जल्द से जल्द उन्हें आगे बढ़ाएंगे।

नवनियुक्त कार्मिकों से किया संवाद

मुख्यमंत्री ने इस दौरान वीसी के माध्यम से विभिन्न जिलों के नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद किया। उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने भी सम्बोधित किया।

युवा शक्ति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत है। युवा उनके संदेश को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी भीतर की शक्ति और क्षमता को पहचाने और अपने सपनों को पूरा करते हुए सफलता की नई उंचाईयों को छूएं। राज्य सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

श्री शर्मा युवा दिवस पर एसएमएस स्टेडियम में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा प्रतिभाओं को महोत्सव में पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आसमान में एक लम्बी उड़ान भरे। प्रदेश का हर युवा विकसित राजस्थान की दिशा में पूरी क्षमता के साथ काम करे और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करे।

युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार चार जातियों-युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हम 5 साल में 4 लाख सरकारी भर्ती और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

हमारे युवाओं की प्रतिभा विश्वभर में विख्यात

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे समाज के सबसे बड़े स्तंभ हैं। हमारे युवा जिस देश और प्रदेश में गए हैं, उन्होंने मेहनत कर राजस्थान का नाम रोशन किया है। आज विश्वभर में प्रवासी राजस्थानियों को अपनी हुनर और प्रतिभा से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कई देशों को प्रदेश में भाषाई संस्थान खोलने के लिए आमंत्रित किया है ताकि हमारी युवा प्रतिभाएं विदेशी भाषाओं में पारंगत होकर अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को आगे बढाने के लिए सरकार ने कई स्तर पर प्रयास किए हैं। राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में युवाओं के कौशल विकास और उनके लिए रोजगार के अवसरों के सृजन हेतु कई महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य सरकार ने स्टार्टअप लॉन्चपैड भी स्थापित किए हैं, जिससे युवाओं को नए स्टार्टअप शुरू करने और अपनी नवाचार क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। इसके अलावा युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए नई खेल नीति लाई गई है। ग्राम पंचायत पर खेल मैदान भी राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 11 युवाओं को यूथ आइकॉन से सम्मानित किया। खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार युवाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। राज्य सरकार ने युवाओं को शिक्षा और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई कदम उठाए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का पहले ही साल में आयोजन किया गया ताकि हमारे युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिले।

महाकुंभ Mela 2025

"एक भारत, श्रेष्ठ भारत"

के संकल्प के साथ

सांस्कृतिक-आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य प्रतीक

– **गुलाब बत्रा,** वरिष्ठ पत्रकार

महाकुम्भ हजारों वर्षों से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। इस आयोजन में हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है।

महाकुंभ Mela 2025

हम सभी भारतवासी सामाजिक समरसता एवं धार्मिक आस्था के प्रतीक और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग प्रशस्त करने में प्रेरक प्रयागराज में 21वीं शताब्दी के प्रथम महाकुम्भ के सहभागी और साक्षी बनने से गौरान्वित हैं। वही विश्व के विभिन्न देशों से आये श्रद्धालु भी संगम तट पर डुबकी लगाकर भारत की "वसुधैव कुटुम्बकम" की अवधारणा को पुष्ट कर रहे हैं।

शताब्दियों से अनवरत होने वाले कुम्भ मेले के विषय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महाकुम्भ हजारों वर्षो से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। इस आयोजन में हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। एक तरफ महाकुम्भ से निकली आध्यात्मिक सामूहिक शांति "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के संकल्प को और मजबूत बनाएगी तो दूसरी तरफ यह आर्थिक प्रगति का भी महाकुम्भ बनेगा।

देश में आबादी की दृष्टि से बड़े उत्तरप्रदेश के प्रयागराज और भौगोलिक क्षेत्रफल के हिसाब से अग्रणी राजस्थान और विशेषकर तीर्थराज पुष्कर का महाकुम्भ के संदर्भ में विशेष अर्न्तसंबंध है। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार प्रयागराज एवं पुष्कर का सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी से सीधा जुड़ाव रहा है। वही गंगा-यमुना-अदृश्य सरस्वती नदी के संगम से समृद्व प्रयागराज और एक जमाने में राजस्थान में प्रवाहित होने वाली वैदिक सरस्वती नदी का भी दोनों नगरों से अटूट रिश्ता रहा है।

प्रौद्योगिकी आधारित सूचना, संचार तथा सुरक्षा और पर्यावरण-स्वच्छता के परिदृश्य में वैश्विक उत्सुकता लिए भव्य एवं दिव्य स्वरूप में प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ इसलिये विशिष्ट है कि 144 वर्षो के अंतराल पर सामाजिक समरसता का प्रतीक यह सांस्कृतिक समागम पौष पूर्णिमा 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के विशेष अंतिम स्नान के साथ सम्पन्न होगा। एकदम सटीक भारतीय काल गणना को वैश्विक स्तर पर माना गया है। ब्रह्माण्ड में ग्रहों की चाल और उनके विशिष्ट संयोग पर पर्व-त्यौहार तथा कुम्भ के समय निर्धारण की परम्परा सहित इसका आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व रहा है।

विशेष राशि-ग्रह संयोग से होता है कुम्भ का स्थान निर्धारण

हिन्दू धर्म ग्रंथ विष्णु-पुराण के अनुसार प्रयागराज में कुम्भ मेले का आयोजन तब होता है जब सूर्य एवं चन्द्रमा मकर राशि में तथा देवगुरू बृहस्पति वृषभ राशि में प्रवेश करते हैं। गुरू बृहस्पति कुंभ राशि तथा सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने पर हरिद्वार में कुंभ मेला भरता है। इसी प्रकार सूर्य एवं गुरू के सिंह राशि मे होने पर महाराष्ट्र के नासिक में तथा सूर्य मेष राशि एवं गुरू के सिंह राशि में प्रवेश करने पर उज्जैन में कुम्भ मेला आयोजित किया जाता है।

पूर्ण कुम्भ मेले का आयोजन 12 वर्ष एवं महाकुम्भ 12 पूर्ण कुम्भ की पूर्णता के बाद

यह मान्यता है कि समुद्र मंथन से अमृत कलश को प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा मे देव-दानव के मध्य 12 मानवीय वर्ष की अवधि तक संघर्ष हुआ। अमृत कलश की छीना झपटी में प्रयागराज, हरिद्वार में गंगा नदी, उज्जैन में क्षिप्रा नदी और नासिक में गोदावरी नदी में अमृत बूंदे छलक गई। कालांतर में इन्हीं चार स्थलों पर अमृत कुम्भ जागृत किए जाने की कुम्भ मेला परम्परा का सूत्रपात हुआ। कुम्भ मेले का वर्गीकरण भी हुआ। प्रयागराज एवं हरिद्वार में हर छत्र वर्ष के अंतराल पर अर्धकुम्भ तब आयोजित होता है जब बृहस्पति वृश्चिक और सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। प्रत्येक 12 साल में चार स्थलों हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन एवं नासिक में कुम्भ आयोजित होता है। पूर्ण कुम्भ मेला हर 12 साल में प्रयागराज में भरता है और महाकुम्भ 12 पूर्ण कुम्भ के पश्चात् 144 वर्ष के अंतराल पर वर्ष 2025 में प्रयागराज मे आयोजित किया जाता है। इस दृष्टि से यह ऐतिहासिक अवसर है।

ब्रह्म लोक से पुष्कर में गिरा कमल पुष्प

सृष्टि सृजन की भारतीय पौराणिक मान्यता है कि देवताओं के आग्रह पर ब्रह्माजी द्वारा ब्रह्मलोक से पाताल लोक की तरफ फेंका गया कमल पुष्प पृथ्वी लोक पर वर्तमान राजस्थान के पुष्कर में गिरा और वही से सृष्टि की रचना का सूत्रपात हुआ। सृष्टि रचयिता ब्रह्माजी दस हजार वर्ष तक रहे। पद्म पुराण के अनुसार ब्रह्माजी द्वारा यज्ञ वेदी पर पहली पत्नी सावित्री माता की उपेक्षा कर दूसरी पत्नी वेदज्ञायिनी गायत्री माता को बिठाने से कुपित सावित्री ने उन्हें श्राप दिया कि पुष्कर के अलावा ब्रह्माजी की कहीं भी पूजा अर्चना नहीं होगी। तीर्थराज पुष्कर में सरोवर के निकट ब्रह्माजी का प्राचीन मन्दिर विद्यमान है। स्वयं सावित्री माता का मन्दिर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है।

तीर्थराज से सृष्टि रची, प्रयागराज में पहला यज्ञ

तीर्थराज पुष्कर और गंगा-यमुना एवं अदृश्य सरस्वती नदी के संगम तट पर बसे प्रयागराज का अन्तर्सम्बन्ध सृष्टि निर्माण से जुड़ा हुआ है। सृष्टि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर ब्रह्माजी ने प्रयागराज में प्रथम यज्ञ किया। प्रथम यज्ञ के शब्द प्र और याग अर्थात यज्ञ से मिलकर इस स्थल का नामकरण प्रयागराज हुआ। कालांतर में इलाहाबाद के पश्चात् पुनः इसका नामकरण प्रयागराज हुआ। इस प्रथम यज्ञ की विशाल भूमि पर 12 वेदियां बनाई गईं जो कालांतर में तीर्थराज प्रयागराज की सीमाएं बनी। इन्हीं वेदियों पर 12 माधव (द्वादश माधव) की स्थापना की गई और इन मन्दिरों की परिक्रमा को पवित्र एवं फलदायक माना गया। द्वादश माधव की परिक्रमा कुम्भ मेले की प्रतीक बन गई। इनमें वेणी माधव, बिन्दु माधव, अक्षयवट माधव, संकष्टहर माधव इत्यादि प्रमुख स्थल हैं।

इस परिक्रमा की निरंतरता में अवरोध आते रहे लेकिन झूंसी के स्वामी हरि चैतन्य ब्रह्मचारी की पहल से 1991 से यह परिक्रमा अनवरत होने लगी है। प्रयागराज का माघमेला एवं माघ मास परिक्रमा का भी विशेष महत्व है।

आद्य शंकराचार्य से प्रारम्भ हुई अमृत स्नान की परम्परा

आद्य शंकराचार्य ने सन्यासियां को संगठित कर अखाड़े बनाने के साथ अमृत स्नान की परम्परा शुरू की। महाकुम्भ में 13 अखाड़ों में नागा साधुओं के अद्भुत प्रदर्शन एवं किन्नर अखाड़ा भी आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। सामाजिक मान्यता के अनुसार किन्नर अखाड़े में सुख समृद्वि के लिए दांत से काटा एक सिक्का लेने की होड़ मची है। प्रत्येक स्नान पर्व पर हेलीकॉप्टर से पुष्प गुलाब की 20 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा की जा रही है।

कुंभ स्नान के साथ-साथ संगम तट पर निश्चित अवधि तक 21 नियमों का पालन करते हुए कल्पवास की अपनी महत्ता है। यह अनुमान है कि लगभग दस लाख श्रद्धालु इसकी पालना करेंगे। यम नियम संयम से परिपूर्ण कुंभ नगरी आस्था एवं सनातन के रंग मे डूबी हुई है। यह मान्यता है कि कुंभ स्नान से एक हजार अश्वमेघ यज्ञ एक सौ वाजपेय यज्ञ, पृथ्वी की एक लाख बार परिक्रमा के बराबर पुण्य फल मिलता है। इसलिए श्रद्धालुगण स्वप्रेरणा से महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं। स्नान का पुण्य लाभ लेने सहित उनमें साधु संतों की चरण रज से आशीर्वाद लेने की होड़ मची हुई है।

चार हजार हैक्टेयर में विस्तीर्ण और 25 सेक्टर्स में व्याप्त महाकुम्भ मेला क्षेत्र सनातनी संस्कृति और गौरवशाली परम्परा, विविधापूर्ण सामाजिक परिवेश और गहन लोक आस्था का जीवंत प्रतीक है। महाकुम्भ की नव्यता, दिव्यता और मान्यता इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगी। यूपी एसटीडीसी द्वारा अद्वितीय आकर्षण में महाकुम्भ मेला अनुभव, अखाड़ा अनुभव, योग प्राणायाम और ध्यान सत्र, नागा अनुभव, अघोरी क्यूरेटेड तथा फोटोग्राफी सूट का समावेश है।

प्रबन्धकीय कौशल का प्रतीक बना विशाल आयोजन

केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने मिलकर इस महाकुम्भ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं सनातन के महापर्व को विश्व के सबसे विशाल धार्मिक आध्यात्मिक सांस्कृतिक आयोजन का स्वरूप देने मे कोई कसर बाकी नहीं रखी है। विशेषज्ञों ने महाकुम्भ के आयोजन को प्रबन्धन कौशल्य का प्रतीक माना है। गंगानदी का प्रवाह 2024 में सितम्बर के दूसरे सप्ताह तक बने रहने के बावजूद ऊर्जा से ओत प्रोत कार्मिकों ने रेतीली भूमि को सुखाने के साथ-साथ इसे समतल रूप दिया चार माह की अवधि मे लगभग 300 किमी लम्बाई मे सड़क बनाकर श्रम की पराकाष्ठा प्रदर्शित की। देश-विदेश से लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज पहुंचने के अनुमान से समूची व्यवस्था को मूर्त रूप दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने तो कुम्भ नगरी

प्रयागराज को 76वां जिला मानकर सम्बन्धित तैयारियां पूरी की और इस अस्थायी शहर को महाकुम्भ यूनिवर्सिटी भी कहा जाने लगा है।

प्रयागराज में 144 वर्षो के अंतराल पर आयोजित यह ऐतिहासिक अविस्मरणीय महाकुम्भ प्रबन्धन एवं अर्थव्यवस्था के प्रभाव की दृष्टि से अध्ययन तथा वैश्विक शोध का भी विषय बन गया है। एक ओर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने अपनी ब्राण्डिंग के लिए करोड़ो रूपयों का निवेश किया है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की अनेकानेक संस्थाएं महाकुम्भ के आयोजन से जुड़े विविध विषयों पर शोध कार्य के लिए आगे आयी है। इन विषयों की लम्बी सूची है।

राजस्थान सरकार और प्रदेशवासी भी हैं आयोजन के भागीदार

महाकुम्भ स्थली प्रयागराज और तीर्थराज पुष्कर के पुनीत सम्बन्धों की डोर के साथ राजस्थान सरकार और प्रदेश से जुड़ी संस्थाओं एवं प्रदेशवासियों ने भी इस अनूठे आयोजन में किसी न किसी रूप में भागीदारी की है। कुम्भ नगरी में बसाई गई विशाल टेंट सिटी में जयपुर के कारीगरो का भी योगदान रहा है।

अयोध्या में श्री राम के भव्य मन्दिर निर्माण में भरतपुर के बंसी पहाड़पुर के बलुआ गुलाबी पत्थर की छटा प्रयागराज में अनूठे भावनात्मक स्वरूप में प्रदर्शित की गई है। प्रयागराज के एयरपोर्ट रोड पर चार हिस्सों में इस पत्थर सम्पदा से निर्मित 84 स्तम्भों को "आस्था के स्तम्भ" नाम मिला है। जयपुर के कलाकार जगदीश प्रसाद सैनी और उनकी टीम ने सनातन के प्रतीक कलश युक्त स्तम्भ पर भगवान शिव के 108 नाम अत्यंत सुंदरता से उकेरे हैं। एक स्तम्भ का वजन लगभग 10 टन है। केन्द्र सरकार में जोधपुर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर-7 में समुद्र मंथन में रस्सी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नाग वासुकि के मन्दिर के निकट 10.24 एकड़ क्षेत्र में कलाग्राम बसाया गया है। इसके मंच पर लगभग पन्द्रह हजार कलाकार समृद्व सांस्कृतिक विविधता की प्रस्तुति देंगे। हस्तशिल्प प्रदर्शनी पुस्तक प्रदर्शनी, फोटोग्राफी स्पर्धा सहित विभिन्न गतिविधियों से यह कलाग्राम शिल्प, व्यंजन और संस्कृति के माध्यम से देश की समृद्व विरासत के संरक्षण संवर्धन में सहायक सिद्ध हो रहा है।

राजस्थान मण्डप में निःशुल्क भोजन एवं चिकित्सा

सेक्टर 7 स्थित कैलाशपुरी मार्ग पर राजस्थान मण्डप बनाया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश से प्रयागराज जाने वाले श्रद्वालुओं के लिए निःशुल्क आवास भोजन एवं चिकित्सा सुविधा का प्रबन्ध किया गया है। राज्य के तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए रोड़वेज बसों का भी

संचालन किया जा रहा है। इसी सेक्टर 7 में जोधपुर के हरे कृष्णा मारवाड़ मन्दिर प्रोजेक्ट की ओर से अन्नदान शिविर लगाया गया है। दस जनवरी से आरम्भ इस शिविर मे रोजाना लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं के लिए भोजन सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

कुम्भ के समय नदियों के जल में विशेष ऊर्जा का संचार

ऋग्वेद के आठवें मण्डल में इन पर्वों की चर्चा की गई है। दीर्घकालीन शोध के पश्चात् वैज्ञानिकों का कहना है कि कुम्भ के अवसर पर चारों स्थलों पर सचमुच अमृत बरसता है जिससे बृहस्पति, सूर्य और चन्द्रमा की विशेष स्थितियों में गंगा, क्षिप्रा एवं गोदावरी के जल में कुछ विशिष्टिता उत्पन्न हो जाती है। सभी कुम्भों में प्रमुख स्नान चन्द्रमा की स्थिति के अनुसार सुनिश्चित किए जाते हैं। वैज्ञानिकों ने कुम्भ मेलों में सूर्य किरणों के प्रभाव पर अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला कि नदी जल में प्राणदायक और विशेष प्रकार की ऊर्जा उत्पन्न हो जाती है। वस्तुतः कुम्भ पर्व पर भारत की आत्मा का प्रकटीकरण होता है।

कुम्भ आयोजन-इतिहास के पन्नों से

यह उल्लेखनीय है कि यूनेस्को ने महाकुम्भ को 2017 में अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा दिया था। फ्रांसीसी यात्री फ्रकोईस बर्नियर 17वीं शताब्दी में भारत आए थे। उन्होनें अपनी पुस्तक ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर में कुम्भ मेले का उल्लेख किया है। वर्ष 1895-96 में भारत की यात्रा पर अमेरिकी पत्रकार, लेखक मार्क टवेन ने कुम्भ मेले का अवलोकन कर इसे भारतीय सभ्यता के महापर्व की संज्ञा दी। वर्ष 1962 में अमेरिकी कवि एलन गिन्सबर्ग भी प्रयागराज में कुम्भ मेले के साक्षी बने। मुगल शासक अकबर भी 1567 में प्रयागराज कुम्भ मेले मे आये थे। इससे पहले 1398 में समरकंद से आये आक्रांता शुगर-उद-दीन तैमूर लंग ने तो हरिद्वार में अर्ध कुम्भ मेले में लूटपाट और नरसंहार का उल्लेख अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-तैमूरी में किया है। ईसा पूर्व 302 में सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में यूनानी यात्री मेगस्थनीज ने भी अपनी पुस्तक इंडिका में गंगा किनारे आयोजित मेले का उल्लेख किया है। चीनी यात्री ह्वेनसांग 644 ईस्वी में सम्राट हर्षवर्धन के साथ प्रयाग कुम्भ का साक्षी बना।

व्यापार करने आयी ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने कुंभ को ग्रेट फेयर मान 1808 में मेला अधिकारी नियुक्त किया और 1857 की क्रांति के पश्चात् 1870 से ब्रिटिश हुकूमत की देखरेख में कुंभ आयोजित होने लगा। स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान महात्मा गांधी ने 1918 में तथा स्वतंत्रता के बाद प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने भी संगम में कुम्भ स्नान किया।

ऊँ गङ्गे च यमुने चैव गोदावरि! सरस्वति!।
नर्मदे! सिन्धु कावेरि! जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु।।

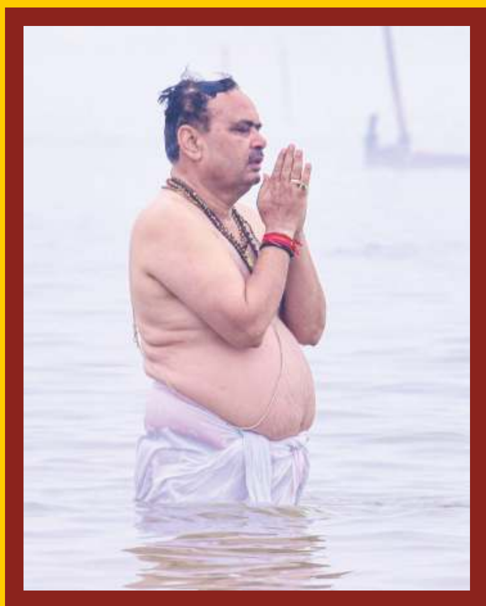

महाकुंभ में स्नान, पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 19 जनवरी को उत्तरप्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम घाट पर स्नान किया। उन्होंने सपरिवार मां गंगा की पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। श्री शर्मा ने बोट से त्रिवेणी संगम का अवलोकन किया और बड़े संगम तट पर स्थित लेटे हनुमान जी के दर्शन भी किए। उन्होंने राजस्थान मण्डप में संत-महात्माओं का अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और परम्परा समृद्ध है। ऐसी पुरातन एवं वैभवशाली परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है। हमारी संस्कृति सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः के भाव के साथ हम सब को सुख-शान्ति से रहने का संदेश देती है। उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का बदलता स्वरूप हम सबने देखा है। देश-दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है और हमारी समृद्ध संस्कृति का परचम पूरी दुनिया में लहराया है।

मुख्यमंत्री ने लिया साधु-संतों का आशीर्वाद, श्रीमद् भागवत कथा का किया श्रवण

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अपने प्रवास के दौरान उत्तरप्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री अवधेशानंद जी, तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य जी, निरंजनी पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री कैलाशगिरी जी से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने आचार्य श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस महाकुंभ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ विरासत के संरक्षण का विजन देखने को मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ एकता और समता का संगम हैं तथा इसका साक्षी बनना अभिभूत करने वाला हैं।

उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना भी की। उन्होंने स्वयं राजस्थान मण्डपम् में श्रदालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री श्री शर्मा की इस दौरान असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण आचार्य से भी मुलाकात हुई।

राजस्थान मण्डप का अवलोकन, ठहराव एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज महाकुम्भ के अवसर पर देर रात्रि राजस्थान मण्डप का अवलोकन किया। उन्होंने यहां यात्रियों के लिये बनाए पंडाल व प्रचार-प्रसार से सम्बंधित आकर्षक फोटोज, रोचक दृश्य श्रव्य सामग्री आदि के साथ ही यात्रियों के ठहराव की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने राजस्थान के श्रद्धालुओं को राज्य सरकार द्वारा अल्पकालिक प्रवास हेतु सुविधाएं प्रदत्त करने के उद्देश्य से निर्मित किये गए राजस्थान मंडप में ही रात्रि विश्राम किया। राजस्थान मंडप में श्रद्धालुओं के लिए डबल बैड अटैच लेटबाथ युक्त 49 टेन्ट एवं 30 बैड डोरमेट्री में निःशुल्क आवास की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन, चिकित्सा आदि की व्यवस्थाओं के साथ आगन्तुकों की मदद के लिए हेल्पडेस्क, कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है।

प्रयागराज के राजस्थान मण्डप में सुना प्रधानमंत्री का उद्बोधन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के नववर्ष 2025 के पहले और अब तक के 118वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने भी प्रयागराज महाकुंभ स्थित राजस्थान मण्डप में प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ा चिरस्मरणीय जन-सैलाब, अकल्पनीय दृश्य और समता-समरसता का असाधारण संगम विविधता में एकता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। यह 'कुंभ' एकता का महाकुंभ है। श्री मोदी ने कहा कि कुंभ का आयोजन बताता है कि कैसे हमारी परम्पराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होता है, वैसे ही, दक्षिण भू-भाग में, गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी नदी के तटों पर पुष्करम होते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में 'गंगा सागर' मेले का भी विहंगम आयोजन हुआ और संक्रांति के पावन अवसर पर इस मेले में पूरी दुनिया से आए लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेला' - हमारे सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज के प्रवास के दौरान कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था की गई है। महाकुम्भ हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है। ऐसी पुरातन एवं वैभवशाली परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है जहां करोड़ों लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ संगम में डुबकी लगाते हैं। प्रत्येक भारतवासी को ऐसी गौरवशाली परम्परा पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन हम सब देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणादायी होने के साथ ही, उत्सावर्धक होता है। उनके उद्बोधन के माध्यम से हमें हमारे देश की उपलब्धियों के बारे में जानकारी मिलती है और गर्व महसूस होता है।

रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ

राम ही राह, राम ही ठिकाना राम ही पूरन, राम ही ताना-बाना

[राम हमारी आस्था के केन्द्र हैं, वे हमारे रोम-रोम में बसे हैं
- श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री]

नदियां बड़ी गोदावरी, तीरथ बड़े प्रयाग सबसे बड़ी अयोध्या जहां राम लीहिन अवतार

-अनुराग शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार

अवधी बोली की यह प्रचलित कहावत जन मानस में रचे बसे प्रभु श्रीराम के लिए श्रद्धा और प्रेम भाव का प्रतीक है। सरयू नदी के तट पर बसी रघुवंशी राजाओं की राजधानी, पुण्यनगरी अयोध्या की स्थापना सूर्य के पुत्र वैवस्वत मनु महाराज ने की थी। सूर्यवंशी मनु और इक्ष्वाकु के कुल में ही भगवान श्री राम का अवतरण हुआ।

श्री राम के अवतार ने अयोध्या को कृत-कृतार्थ किया और उसे पूर्णता प्रदान की। अयोध्या की पूर्णता राम से है, राम के नाम से है। सदियों पूर्व मर्यादा पुरुषोत्तम और अयोध्या नगरी की इस तारतम्यता को बाधित करने के कई प्रयास हुए, लेकिन श्री राम शाश्वत हैं, निरंतर हैं। करीब 500 साल के संघर्ष और 135 साल की कानूनी लड़ाई के बाद एक बार फिर इस बाधा को दूर किया गया।

श्रीराम के दिव्य–भव्य और नव्य मंदिर का 5 अगस्त 2020 को शिलान्यास हुआ और इसकी प्राण प्रतिष्ठा वर्ष 2024 में पौष शुक्ल पक्ष की द्वादशी यानी कूर्म द्वादशी को हुई। अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से यह तारीख 22 जनवरी 2024 थी। सनातनी वर्ष पूरा होने पर 11 जनवरी, 2025 को कूर्म द्वादशी का उत्सव 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रुप में आयोजित किया गया।

राजस्थान की जनता ने वर्ष 2023 में चुनाव में अपना फैसला सुनाया और सनातन पर गर्व करने वाली सरकार को चुना। जनता की भावना के अनुरूप सरकार के मुखिया और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा 11 मार्च 2024 को अयोध्या पहुंचे।

मुख्यमंत्री अकेले नहीं गए, बल्कि अपनी पूरी सरकार के साथ श्रीराम की शरण में पहुंचे थे। अपने मंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जब मुख्यमंत्री अयोध्या पहुंचे, तो ऐसा लगा मानो श्रीरामलला सरकार के द्वार पर पूरी राजस्थान सरकार पहुंच गयी हो। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, विधायकों, अधिकारियों एवं अन्य सहयोगियों के साथ जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए पूरे श्रद्धा भाव के साथ सस्वर हनुमान चालीसा का पाठ किया।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि उन्हें आज अयोध्या की पवित्र भूमि पर भगवान श्रीराम मंदिर के नव्य–भव्य मंदिर में शीश नवाने का सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राम हमारी आस्था के केन्द्र हैं, वे हमारे रोम-रोम में बसे हैं। इस दुनिया में सब कुछ करने वाले राम हैं। सब राम की ही महिमा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बना यह विराट एवं सुंदर मंदिर रामभक्तों की जिजीविषा और उनके पांच सौ साल के संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने राम मंदिर निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और कारीगरों से आत्मीयता पूर्वक संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री इस अवसर पर अयोध्या की महिमा का बखान करना नहीं भूले। उन्होंने कहा कि अयोध्या अपनी भव्यता, इतिहास, संस्कृति और आस्था के लिए जानी जाती है। सप्तपुरी नगरों में अयोध्या का स्थान सर्वोपरि है। अयोध्या का वर्तमान स्वरूप देख कर इस नगरी का वह सुंदर दृश्य जीवंत हो गया है, जिसका वर्णन तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस में किया है।

इस अवसर पर वे भावुक भी हो गए थे। उन्होंने याद किया कि पहले अयोध्या में भगवान रामलला के टेंट में दर्शन किए थे, अब इस भव्य मंदिर में भगवान के दर्शन करना अभिभूत करने वाला है। उन्होंने साझा किया कि रामभक्त के तौर पर उन्हें भी राम जन्मभूमि आंदोलन में योगदान देने का अवसर मिला था।

राजस्थान से गहरा जुड़ाव

राममंदिर आंदोलन में राजस्थान का बहुत बड़ा योगदान रहा है। राममंदिर आंदोलन के सबसे कठिन वर्षों यानी वर्ष 1990 व 1992 के संघर्ष की कहानी देश भर के लोग याद रखते हैं। जोधपुर में आयोजित की जाने वाली आंदोलन की रूपरेखा को लेकर बैठकों की फोटो और राजस्थान के सेवकों की सूची को अयोध्या के कारसेवकपुरम में आज भी संरक्षित कर रखा है।

राम मंदिर के चीफ आर्किटेक्ट (मुख्य वास्तुकार) चंद्रकांत सोमपुरा भी राजस्थान मूल के ही हैं। सोमपुरा के अनुसार अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर की निर्माण योजना 32 साल पहले शुरू हुई थी। 32 साल पहले, विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक सिंघल उन्हें अपने साथ अयोध्या ले गए थे।

श्रीराम मंदिर के निर्माण अभियान में भी राजस्थान ने बहुत बड़ा सहयोग दिया है। यहां दानदाताओं ने अपनी तिजोरियां खोल दीं। यही वजह रही कि इस अभियान में अकेले राजस्थान से 557 करोड़ रुपए की राशि राम मंदिर निर्माण के लिए भेजी गई। राजस्थान में अकेले जोधपुर से 221 करोड़ रुपए की राशि दी गयी है। यह राशि राजस्थान में दी जाने वाली किसी भी जिले की सबसे बड़ी राशि है।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जयपुर की भी अहम भागीदारी रही। जयपुर में तैयार किए गए सरसों के तेल से अयोध्या की सीता रसोई में पकवान तैयार हुए। प्रसाद और भोजन के लिए 2100 पीपे तेल जयपुर से अयोध्या भेजे गए थे।

श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी राजस्थान सरकार रामभक्तों और अयोध्या के श्रीराम मंदिर के बीच सेतु का काम कर रही है। राजस्थान में 15 हजार लोगों को राज्य सरकार अयोध्या की तीर्थ यात्रा करा रही है। इसमें 3 हजार वरिष्ठ तीर्थयात्री शामिल हैं। जयपुर से अयोध्या के लिए विशेष विमान सेवा शुरू की गई। राजस्थान के सात संभाग मुख्यालयों से श्री रामलला के दर्शन के लिए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसें चलाई गई हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार राजस्थान से अयोध्या श्री राम मंदिर दर्शन के लिए आने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ गई है। इसमें विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा राजस्थान से आने वाले अपने लोगों के लिए बहुत सी सुविधाएं विकसित की हैं। राजस्थान सरकार ने अयोध्या में निःशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था की है।

अयोध्या नगरी का पुनरुत्थान

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही देश के हर कोने से अयोध्या में श्रद्धालुओं और धार्मिक पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। एक अनुमान के हिसाब से आने वाले वर्षों में प्रति वर्ष 7-8 करोड़ दर्शनार्थियों के आने की संभावना है। माना जा रहा है कि अयोध्या का एक बार फिर प्रमुख तीर्थ स्थल के तौर पर पुनरुत्थान होगा। इससे स्थानीय व्यापार और रोजगार के नए अवसर बनेंगे। उदाहरण के लिए अयोध्या के होटल व्यवसाय में 300 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। कई होटल पूरी तरह से भरे रहते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार भी इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहती। इसी संकल्प के साथ यूपी सरकार ने रुपए 85,000 करोड़ की परियोजनाओं की घोषणा की है। नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी इसी सोच का विस्तार है।

अयोध्या का रियल एस्टेट बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। संपत्ति की कीमतें तीन गुना तक बढ़ गई हैं, क्योंकि डेवलपर्स और निवेशकों की रुचि बढ़ी है। श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, कला संस्कृति और हस्तशिल्प के पुनरुत्थान का भी प्रतीक है। धोरों की भूमि इस पुनरुत्थान की साक्षी भी है और भागीदार भी है।

कण-कण में श्री राम

राजस्थान के कण कण में श्रीराम से जुड़ी कहानियां, किस्से और आशीर्वाद मिल जाते हैं। कहा जाता है कि श्रीराम के वनवास का कुछ समय राजस्थान के उन सीमावर्ती इलाकों में भी बीता था, जो दंडकारण्य का हिस्सा माना जाते थे। राम के वनवास से लेकर श्री राम की भव्य–दिव्य और नव्य मंदिर की कल्पना में राजस्थान शामिल है। चौहान राजवंश के शासन के दौरान श्री राम की आराधना की जाती थी। जयपुर का कुशवाहा राजघराना भगवान राम के पुत्र कुश का वंशज माना जाता है। इन दोनों राजवंशों के अलावा खड़ी कांडा राजवंश और जैनवार राजवंश सूर्यवंशी है।

भारत में श्रीराम से जुड़ा क्या नहीं है? रमंते इति राम: जो हर जगह व्याप्त हैं वह राम हैं। जो कण-कण में हैं वह राम हैं, जो तृण-तृण में हैं वह राम है। हमारी सांसों में राम है, हमारे सर्वस्व में राम हैं, हमारी आस्था में राम हैं, हमारी अस्तित्व में राम हैं। हमारे अभिवादन में राम हैं तो हमारे संकल्प में भी राम हैं। जो कण से काल तक हैं वह राम हैं, जो आदि से अंत तक हैं वह राम हैं। राजस्थानी

लोकगीतों में राम हैं। जिनकी आस में स्वयं मीरा के श्रीकृष्ण अयोध्या आए वह राम हैं। और यही आस राजस्थान की वीर भूमि की प्राणवायु है और राजस्थान में रामराज्य लाने को कृतसंकल्पित मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार इसी प्राणवायु से प्रेरणा लेकर काम कर रही है।

13 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब अयोध्या में श्री राम मंदिर के दर्शन के लिए अब तक करीब 13 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आए हैं और बालरूप श्रीराम के चरणों में सिर नवा चुके हैं। प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही राममंदिर कई विश्व रिकॉर्ड भी बना चुका है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इस आयोजन ने अपने पहले दिन ही 5,00,000 से अधिक भक्तों को आकर्षित किया था। मंदिर का उद्घाटन शताब्दियों की आकांक्षाओं की प्रतीक्षित पूर्ति का प्रतीक था। यह किसी एक सांस्कृतिक आयोजन में जनसमूह का विश्व रिकॉर्ड है।

22 जनवरी 2024 को इसके उद्घाटन के बाद राम मंदिर में केवल बारह दिनों के भीतर आश्चर्यजनक रूप से 24 लाख श्रद्धालुओं ने उपस्थिति दर्ज कराई थी। 30 अक्टूबर, 2024 को अयोध्या में दीपोत्सव समारोह के दौरान पच्चीस लाख से ज्यादा (25,12,585) दीये जलाकर एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया गया। यह नवनिर्मित राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद मनाया जाने वाला पहला दीपोत्सव था। इस रिकॉर्ड को आधिकारिक तौर पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों द्वारा मान्यता दी गई।

30 अक्टूबर, 2024 को ही अयोध्या में सरयू घाट पर भव्य आरती के दौरान एक साथ 1,121 प्रतिभागियों द्वारा आरती करने का एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना था। 1 जनवरी 2025 को अयोध्या में राम मंदिर में दर्शनार्थियों की असाधारण भीड़ उमड़ी, जिसमें 500,000 से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे थे। नए साल की पूर्व संध्या पर यानी 31 दिसंबर तक 200,000 से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे थे। वहीं, 1 जनवरी को 300,000 अतिरिक्त तीर्थयात्रियों ने शीश नवाया था। 2024 में अयोध्या उत्तर प्रदेश का ऐसा स्थल बन गया जहां पर सबसे ज्यादा पर्यटक और श्रद्धालु आए। इन श्रद्धालुओं में क्या आम क्या खास सब शामिल हैं। ■

RISING
RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

दुनिया ने देखी हमारी "राइजिंग"

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024

भव्य शुभारम्भ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज हम ग्लोबल विज़न और ग्लोबल इंपैक्ट पर काम करते हुए आत्मनिर्भर भारत के नए सफर पर चल चुके हैं। सरकार औद्योगिक प्रगति के लिए 'होल ऑफ गवर्नमेंट एप्रोच' पर समन्वित रूप से एक साथ काम करते हुए हर सेक्टर, हर फैक्टर को एक साथ बढ़ावा दे रही है। सबके प्रयास की इस भावना से ही हम सब मिलकर विकसित भारत और विकसित राजस्थान बनाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जयपुर स्थित जेईसीसी में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के भव्य उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत आज रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते हुए हर क्षेत्र में विकास कर रहा है, उसे लेकर दुनियाभर के निवेशकों में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि आजादी के 7 दशक बाद भी भारत दुनिया की 11वीं इकोनॉमी था। लेकिन बीते 10 वर्षों में हमने 11वीं से 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने का सफर तय किया है। इस दौरान हमारी अर्थव्यवस्था का आकार, कुल निर्यात और एफडीआई भी करीब दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि हमने बीते दस साल में आधारभूत ढ़ांचे पर खर्च भी करीब 2 ट्रिलियन से बढ़ाकर 11 ट्रिलियन रुपए तक पहुंचा दिया है।

डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डेटा एवं डिलीवरी की ताकत देखेगी दुनिया

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता में 'डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल डेटा एवं डिलीवरी की पावर' की अहम भूमिका है और आने वाले समय में दुनिया इनकी असली ताकत देखने वाली है। भारत जैसे विविधता भरे देश में डेमोक्रेसी का सशक्त होना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। आज देश की जनता लोकतांत्रिक हक का प्रयोग करते हुए स्थायी सरकार के लिए वोट दे रही है।

श्री मोदी ने कहा कि आने वाले अनेक सालों तक भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में रहने वाला है और हमारे पास सबसे बड़ा स्किल्ड युवा वर्ग भी होगा। उन्होंने कहा कि यह सदी तकनीक एवं डेटा की सदी है और युवाशक्ति ने टेक पावर और डेटा पावर के नए आयाम जोड़ कर हमारे सामर्थ्य को बढ़ाने का काम किया है। बीते दशक में सरकार ने जो फैसले लिए हैं, उनकी बदौलत डिजिटल

> आज राजस्थान राइजिंग तो है ही, रिलायबल व रिसेप्टिव भी है और समय के साथ खुद को रिफाइन करना भी जानता है। बीते एक साल में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शानदार काम कर रही है। राजस्थान के इस आर फैक्टर में अब यहां की रिस्पॉन्सिव और रिफॉर्मिस्ट सरकार का नया पहलू भी जुड़ चुका है।
>
> मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिस कुशलता और प्रतिबद्धता के साथ राजस्थान के तेज विकास में जुटे हैं, वो प्रशंसनीय है। आज राजस्थान में गरीब, किसान, युवाओं के कल्याण, सड़क, बिजली, पानी सहित हर प्रकार के विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। सरकार अपराध और भ्रष्टाचार नियंत्रण में जो तत्परता दिखा रही है, उससे नागरिकों और निवेशकों में नया उत्साह आया है।
>
> – **श्री नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

इकोसिस्टम ने भारत में व्यापार-कारोबार के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। आज डिजिटल ट्रांजेक्शन्स में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं और देश में इंटरनेट यूजर्स की संख्या करीब 4 गुणा बढ़ी है।

राजस्थान के विकास से देश को भी मिलेगी नई ऊंचाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल के हिसाब से तो राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है ही, राजस्थान के लोगों का दिल भी उतना ही बड़ा है। जब राजस्थान विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचेगा तो देश को भी नई ऊंचाई मिलेगी। यहां के लोगों का परिश्रम, ईमानदारी, कठिन से कठिन लक्ष्य को पाने की इच्छाशक्ति, राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना राजस्थान की मिट्टी के कण-कण में समाई है। आज हमारी सरकार विकास भी, विरासत भी के मंत्र पर चल रही है और इसका बहुत बड़ा लाभ राजस्थान को भी हो रहा है।

राजस्थान बनेगा निवेश का आकर्षक गंतव्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान के पास रोड से लेकर रेलवेज़ तक, हैंडलूम से लेकर हैंडीक्राफ्ट तक, फार्म से लेकर फोर्ट तक बहुत कुछ है। प्राकृतिक संसाधनों के भंडार,समृद्ध विरासत, विस्तृत लैंडमास, आधुनिक कनेक्टिविटी नेटवर्क और समर्थ युवा शक्ति के कारण राजस्थान निवेश का आकर्षक गंतव्य है। उन्होंने राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में जैतून और जेट्रोपा की खेती, जयपुर की ब्लू पॉटरी, प्रतापगढ़ की थेवा ज्वेलरी, भीलवाड़ा के

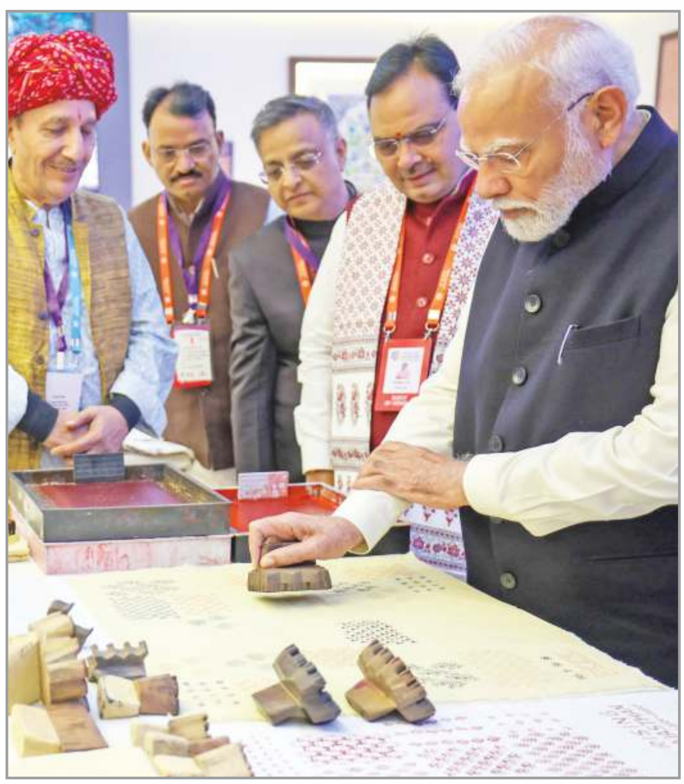

टेक्सटाइल, मकराना के मार्बल, कोटा डोरिया और नागौर की पान मेथी का जिक्र करते हुए कहा कि आज यहां की सरकार, हर जिले के सामर्थ्य को पहचानते हुए काम कर रही है।

राजस्थान दुनिया के चुनिंदा पर्यटन स्थलों में से एक

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के समृद्ध भविष्य में पर्यटन की बहुत बड़ी भूमिका होगी। केन्द्र सरकार ने अलग-अलग थीम सर्किट्स से जुड़ी कई योजनाएं भी शुरू की हैं, इन प्रयासों के कारण कोरोना के बावजूद भी बीते दस साल में भारत में 7 करोड़ से ज्यादा विदेशी पर्यटक आए हैं।

उन्होंने कहा कि टूर, ट्रेवल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की दृष्टि से राजस्थान दुनिया के चुनिंदा स्थानों में से एक है। हेरिटेज टूरिज्म, फिल्म टूरिज्म, इको टूरिज्म, रूरल टूरिज्म, बॉर्डर एरिया टूरिज्म, वन्यजीव पर्यटन की यहां बहुत अधिक संभावनाएं हैं। केन्द्र की उड़ान योजना, वंदे भारत, प्रसाद स्कीम,वाइब्रेंट विलेज जैसे कार्यक्रमों का राजस्थान को भी बहुत फायदा हो रहा है। लोग शादी-विवाह, जीवन के पलों को यादगार बनाने के लिए यहां आते हैं। ऐसे में 'वेड इन इंडिया' के आह्वान का फायदा भी राजस्थान को होना तय है।

मैन्युफेक्चरिंग हब बनने की तरफ बढ़ते भारत के कदम

श्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया को एक ऐसी व्यवस्था की जरूरत है, जो बड़े से बड़े संकट के दौरान भी मजबूती से चलती रहे। इसके लिए भारत में व्यापक मैन्युफेक्चरिंग बेस का होना दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी है। इसे देखते हुए हमने मैन्युफेक्चरिंग में आत्मनिर्भरता का बड़ा संकल्प लिया है और देश मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत लो कॉस्ट मैन्युफेक्चरिंग पर बल दे रहा है। पेट्रोलियम उत्पाद, दवाएं, वैक्सीन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान आदि की भारत में रिकॉर्ड मैन्युफेक्चरिंग से दुनिया को बहुत फायदा हो रहा है। राजस्थान से बीते वर्ष इंजीनियरिंग गुड्स, जेम्स और ज्वेलरी, टेक्सटाइल्स, हैंडीक्राफ्ट्स, एग्रो फूड प्रोडक्ट्स आदि का करीब चौरासी हजार करोड़ रुपए का निर्यात हुआ है।

उन्होंने कहा कि पीएलआई योजना (उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन योजना) के कारण देश में इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेशलिटी स्टील, ऑटोमोबाइल, ऑटो कम्पोनेन्ट, सोलर पीवी, फार्मा ड्रग्स के क्षेत्र में उत्साह बढ़ा है। उन्होंने निवेशकों को राजस्थान में ऑटोमोटिव, ऑटो कॉम्पोनेंट इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफेक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफेक्चरिंग की संभावनाओं को देखते हुए यहां निवेश का सुझाव दिया।

एमएसएमई सेक्टर बनेगा बढ़ते राजस्थान की ताकत

प्रधानमंत्री ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र में राजस्थान भारत के टॉप 5 राज्यों में से एक है। एमएसएमई की ये बढ़ती ताकत राजस्थान के विकास को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी। यहां 27 लाख से ज्यादा छोटे और लघु उद्योग हैं और 50 लाख से ज्यादा लोग इनमें काम करते हैं। एमएसएमई आने वाले समय में ग्लोबल सप्लाई और वैल्यू चेन को सशक्त करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इसे देखते हुए केन्द्र सरकार ने एमएसएमई की परिभाषा बदली है, ताकि उन्हें आगे बढ़ने के और अधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने देश और दुनिया से आए अतिथियों से स्वदेश लौटने से पहले राजस्थान भ्रमण कर यहां के जीवंत अनुभव लेने का आह्वान भी किया। उन्होंने इन्वेस्टमेंट समिट के शानदार आयोजन के लिए राज्य सरकार को बधाई दी। ■

> "राजस्थान, दिल्ली एवं मुंबई जैसे दो बड़े आर्थिक केन्द्रों और महाराष्ट्र व गुजरात के पोर्ट्स को उत्तर भारत से जोड़ता है। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और वेस्टर्न डेडीकेटड फ्रेट कॉरिडोर का बड़ा हिस्सा राजस्थान से गुजरता है। राजस्थान में जिंक, लेड, कॉपर, मार्बल, लाइमस्टोन, ग्रेनाइट, पोटाश जैसे खनिजों के बड़े भंडार हैं। इस दशक के अंत तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने में राजस्थान बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। इस तरह आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखने में राजस्थान का अहम योगदान है।"
>
> – **श्री नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

नई नीतियों और ठोस कदमों से बना निवेश का अपूर्व माहौल

समिट से पहले ही 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हमारी सरकार ने पहले वर्ष में ही समिट का आयोजन किया है, ताकि प्राप्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए सभी आवश्यक कदम ठीक ढ़ंग से और समय पर उठाए जा सकें। राज्य में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन हुआ, जिसमें 32 देशों ने भाग लिया। इस समिट के प्रारंभ होने से पूर्व ही 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू संपादित किए जा चुके थे, जो निवेशकों द्वारा राज्य के प्रति व्यक्त किए गए विश्वास को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हमने न केवल 10 नई महत्वपूर्ण नीतियां लागू की हैं बल्कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के क्षेत्र में भी ठोस कदम उठाए हैं, जिसके फलस्वरूप राज्य में निवेश को लेकर एक अभूतपूर्व माहौल बना है।

पीएम श्री मोदी विकसित भारत के शिल्पकार

श्री शर्मा ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी का राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के शुभारंभ के अवसर पर पधारने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान के लिए यह गौरव का दिन है। उन्होंने प्रधानमंत्री को विकसित भारत के शिल्पकार की उपमा देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

श्री शर्मा ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य बजट में पूंजीगत व्यय को पिछले बजट के मुकाबले 65 प्रतिशत बढ़ाया गया है। राज्य में पहली बार एक साथ 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाने का काम हाथ

में लिया गया है। अक्षय ऊर्जा उत्पादन को पांच सालों में 30 गीगावाट से 125 गीगावाट तक ले जाने के लिए पूरी तेजी से कार्य हो रहा है।

तीन दिवसीय समिट में 12 अलग-अलग सेक्टर केंद्रित सेशन एवं 8 कंट्री सेशन के साथ प्रवासी राजस्थानी एवं एमएसएमई पर भी विशेष सेशन आयोजित किए गए। इनमें केंद्र एवं राज्य के मंत्रियों के साथ संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं निवेशकों ने एक साथ बैठकर राज्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर देश-विदेश से पधारे निवेशकों और प्रवासी राजस्थानियों का स्वागत करते हुए उनसे राजस्थान की नई विकास यात्रा में निवेश करने का आह्वान किया।

वेदांता समूह के संस्थापक श्री अनिल अग्रवाल ने कहा कि विश्व में वे देश ही आज सर्वाधिक सफल और विकसित हैं, जिन्होंने भूगर्भ के संसाधनों का समुचित दोहन किया है। प्राकृतिक संसाधनों से अत्यंत समृद्ध राजस्थान में भी विकास एवं प्रगति की प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमने हिंदुस्तान जिंक और केयर्न एनर्जी के माध्यम से राजस्थान में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश कर लगभग एक लाख लोगों को रोजगार प्रदान किया है और यहां निवेश करने से हमें काफी लाभ हुआ है। उन्होंने आने वाले समय में राजस्थान में निवेश बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आने वाले समय में हमारा राजकीय राजस्व में अपने योगदान में तीन गुना तक वृद्धि करने और 5 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य है।

अडानी पोर्ट्स एण्ड स्पेशल इकॉनॉमिक जोन के प्रबंध निदेशक श्री करण अडानी ने कहा कि राजा-महाराजाओं की धरती रही राजस्थान भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए होने वाली प्रगति ही सही मायनों में प्रगति है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले 23 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, अब यह संख्या 11 प्रतिशत रह गई है। इस तरह ढाई करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने आने वाले समय में प्रदेश में 7.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन श्री कुमारमंगलम बिड़ला ने कहा कि राजस्थान से उनका पीढ़ियों से नाता रहा है। राजस्थान से जुड़ाव के कारण ही विश्व में राजस्थान के एम्बेसडर के रूप में उनकी पहचान है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में बिट्स पिलानी व अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ व्यावसायिक क्षेत्र में भी उनके समूह की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। उन्होंने मिनरल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और रिन्यूएबल एनर्जी को राजस्थान के मित्र की संज्ञा देते हुए कहा कि राजस्थान में हमारा निवेश यहां की सरकार और नीतियों पर हमारे विश्वास को प्रकट करता है।

महिंद्रा समूह के चेयरमैन श्री आनंद महिंद्रा ने कहा कि राजस्थान की बावड़ियां प्राचीन काल से ही यहां के निवासियों की नवाचारों की प्रवृत्ति को दर्शाती हैं। साथ ही इन बावड़ियों में राजस्थान के तकनीकी उज्ज्वल भविष्य के बीज भी समाए हैं। उन्होंने जयपुर में महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी से जुड़े अपने अनुभव के बारे में बताया और राजस्थान में संचालित अपनी परियोजनाओं और रोजगार सृजन के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने समारोह स्थल में कन्ट्री पैवेलियन एवं अन्य स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान सांगानेर ब्लॉक प्रिंटिंग की कार्यप्रणाली भी समझी। आरम्भ में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का साफा पहनाकर स्वागत किया और चूरू के शिल्पकार द्वारा चंदन की लकड़ी से तैयार तलवार भी भेंट की, जिसमें महाराणा प्रताप से जुड़ी अभिव्यक्तियां हैं।

इस अवसर पर राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े, केन्द्र एवं राज्य सरकार के मंत्रीगण, विभिन्न देशों के राजनयिक, देश-विदेश से पधारे प्रख्यात उद्योगपति एवं निवेशक, प्रवासी राजस्थानी, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। ■

> "राजस्थान में निवेश और विकास की असीमित संभावनाएं हैं। खनिज, पेट्रोलियम, ओटोमोबाइल, पर्यटन, शिक्षा, टेक्सटाइल एवं चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में राजस्थान में निवेश कर अच्छा लाभ अर्जित किया जा सकता है। राज्य सरकार पांच वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने का लक्ष्य रखकर कार्य कर रही है। यह समिट इस क्रम में एक महत्वपूर्ण कदम है।"
>
> – **श्री भजनलाल शर्मा**, मुख्यमंत्री

सतत ऊर्जा पर आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदम

हाईलाइट्स एवं साझा जानकारी

- वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म आधारित स्त्रोतों से 500 गीगावाट ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान बड़ी भूमिका निभाएगा : **श्री प्रल्हाद जोशी,** केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
- हम चाहते हैं कि राजस्थान न केवल ऊर्जा में आत्मनिर्भर बने, बल्कि सरप्लस स्टेट भी बने : **श्री भजनलाल शर्मा,** मुख्यमंत्री
- राज्य में मौजूद नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की अनुमानित क्षमता देश के उपलब्ध संसाधनों का 26 प्रतिशत है। **श्री हीरालाल नागर**, ऊर्जा राज्य मंत्री
- राजस्थान में 10.5 गीगावाट क्षमता की 8 सोलर पार्क परियोजनाओं पर काम प्रगति पर : **श्री आलोक,** अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग
- राजस्थान में 30 प्रतिशत केंद्रीय सहभागिता के साथ राजस्थान सोलर डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के लिए 2 हजार मेगावाट क्षमता के नए सोलर पार्क की स्थापना को मिली मंजूरी।
- नवंबर 2024 तक राजस्थान ने 30 हजार मेगावाट अक्षय ऊर्जा की स्थापित क्षमता हासिल की।
- ऊर्जा क्षेत्र में केंद्रीय उपक्रमों के साथ लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं। इनमें से लगभग 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के एमओयू के क्रियान्वयन के लिए संयुक्त उद्यम की स्थापना को मंत्रिमण्डल से स्वीकृति।
- अगले 4 साल में राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता 30 से बढ़ाकर 125 गीगावाट करने का प्रयास। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति जारी की गई है।
- अक्षय ऊर्जा आधारित परियोजनाओं के साथ पंप स्टोरेज तथा बैटरी स्टोरेज जैसे नवाचारों को भी अपनाया जा रहा है।
- ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य सरकार की नीतियों से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

प्रतिभागी : टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा, जेएसडब्ल्यू एनर्जी के सीईओ श्री शरद महिंद्रा, सुजलोन एनर्जी के वाइस चैयरमेन श्री गिरीश थांती, रिन्यू पॉवर के चैयरमेन श्री सुमंत सिन्हा, पावरग्रिड के सीएमडी श्री आर.के.त्यागी तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री घनश्याम प्रसाद एवं अन्य।

हर स्टोरी : एडवांसिंग इन्क्लूसिव सोसायटीज

हाईलाइट्स एवं साझा जानकारी

- महिलाएं अधिक से अधिक उद्यमी बनें, राज्य सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए कृतसंकल्पित : **श्री भजनलाल शर्मा,** मुख्यमंत्री
- मेरा आग्रह है कि निवेशक उद्योग जगत में महिला उद्यमियों को अधिक से अधिक प्रोत्साहन दें : **दिया कुमारी,** उपमुख्यमंत्री
- राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राजस्थान आर्थिक उन्नति की एक नई राह पर है। : **डॉ. मंजू बाघमार,** महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री
- ग्रामीण महिलाएं समाज में बदलाव के लिए गेमचेंजर : **डॉ. श्वेतांशु भूषण,** एसोसिएट प्रोफेसर लेडी श्रीराम कॉलेज
- मैने बाड़मेर में 10 महिलाओं के स्वयं सहायता समूह से शुरूआत की तथा आज 50 हजार महिलाएं हमसे जुड़ी हुई हैं। महिलाओं को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का काम भी कर रहे हैं: **रूमा देवी,** भारतीय पारंपरिक हस्तशिल्प डिजाइनर
- राज्य सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 1 लाख 25 हजार छात्राओं को साइकिल, 21 हजार बालिकाओं को स्कूटी वितरण का लक्ष्य।
- महिला सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार के एक वर्ष के उपलक्ष्य में महिला निधि से स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण, नवीन लखपति दीदी, स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड का हस्तान्तरण, लाडो प्रोत्साहन योजना, नमो ड्रोन दीदी जैसे विभिन्न कार्यक्रम।

प्रतिभागी : असेवारे फिन्टेच सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड स्टार्टअप की सीईओ व मैनेजिंग डायरेक्टर निमिषा जे वडक्कन, जिंदल एसडब्ल्यू लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर सुश्री मीनू जिंदल, ओमान क्रिकेट मार्केटिंग हैड सुश्री ऋचा शर्मा, सुश्री रूमझुम चटर्जी ने आभार जताया। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास श्री महेन्द्र सोनी ने 'हर स्टोरीजः एडवांसिंग इन्क्लूजिव सोसायटीज' थीम पर प्रस्तुतीकरण दिया।

कन्ट्री सेशन : जापान 'वर्सेटिलिटी ऑफ इंडस्ट्रीज-मैन्युफैक्चरिंग एंड बियोंड'

हाईलाइट्स एवं साझा जानकारी

- कंपनियों को निवेश का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार नए डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर बना रही है। आने वाला वर्षों में दोनों देशों के मध्य निवेश का रिश्ता और अधिक मजबूत होगा : **श्री जोगाराम पटेल,** संसदीय कार्य मंत्री
- जापान और राजस्थान के जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों और निवेशकों ने विस्तार से किया विषय पर मंथन।
- 2014 के बाद जापानी निवेश न केवल देश बल्कि राजस्थान में भी बढ़ा है। भारत में होने वाले निवेश का 5 प्रतिशत राजस्थान में होता है : **श्री किची ओनो,** भारत में जापान के राजदूत
- जापान का रोबोटिक्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोकेमिकल में सहयोग राज्य के लिए बेहतर परिणाम देगा : **श्रीमती आनंदी,** जापान की ऑफिसर इंचार्ज जेडीसी
- जापानी कंपनियां आने वाले दिनों में रिन्यूएबल एनर्जी और रोबोटिक्स में निवेश करेंगी। प्रदेश में सोलर प्रॉमिसिंग एरिया है कंपनियां इसमें भी निवेश करने से नहीं चूकेंगी।
- राज्य सरकार ने जापानी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए इंडस्ट्रियल पार्क, डेडीकेटेड कोरिडोर बनाने के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

प्रतिभागी : एमपिन एनर्जी ट्रांजैक्शन प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक श्री पिनाकी भट्टाचार्य, कैंडी सोलर के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री निशांत सूद, इन्वेस्ट इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती निवृति रॉय और जेट्रो के मुख्य प्रबंधक श्री तकाशी सुजुकी, मॉडरेटर श्री अभिनव बांठिया एवं अन्य।

थीमेटिक सेशन : सस्टेनेबल माइनिंग, सेफगार्ड फ्यूचर

हाईलाइट्स एवं साझा जानकारी

- देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर बनाने में खनन क्षेत्र की अहम भूमिकाः **श्री जी. किशन रेड्डी,** केन्द्रीय खान एवं कोयला मंत्री
- खनन के क्षेत्र में राज्य कई प्रदेशों से आगे है और खनन क्षेत्र के विकास के लिए नये लक्ष्य निर्धारित किए हैं। यहां खनन क्षेत्र वर्तमान में करीब 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है। हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक इस क्षेत्र में एक करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हों : **मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा**
- हम विकास और पर्यावरण संरक्षण का संतुलन बनाते हुए कार्य कर रहे हैं : **श्री बाबूलाल खराड़ी,** जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री
- केंद्र सरकार आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में निजी क्षेत्र को भी भागीदार बनाना चाहती है इसलिए मिनरल सेक्टर में रिफोर्म्स करते हुए पारदर्शिता व सस्टेनेबल खनन पर जोर है।
- प्रदेश में खनन एवं पेट्रोलियम सेक्टर में विभिन्न निवेशकों द्वारा 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं।
- राजस्थान में भारत के सबसे बड़े ऑनशोर कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार हैं। राज्य में देश के कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत क्रूड ऑयल और प्रतिदिन 3.3 मिलियन घनमीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन हो रहा है।
- राजस्थान के मार्बल, ग्रेनाइट और अन्य भवन निर्माण सामग्री की पूरी दुनिया में मांग है। नए संसद भवन और राम मंदिर जैसी ऐतिहासिक इमारतों में हमारे यहां के पत्थरों का उपयोग होना हमारे लिए गौरव की बात है।
- खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, नीतिगत सुधार और बुनियादी ढ़ांचे में विकास के लिए राजस्थान खनिज नीति 2024 जारी की गई है।
- जीडीपी में खनन क्षेत्र की हिस्सेदारी को 3.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 2029-30 तक 5 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। नई एम-सैंड पॉलिसी भी जारी की गई है।
- राज्य सरकार ने खनन क्षेत्र में पिछले 11 महीनों में ही 48 मेजर मिनरल माइनिंग ब्लॉक्स का सफल ऑक्शन किया है।

प्रतिभागी: हिंदुस्तान जिंक के सीईओ श्री अरुण मिश्रा सहित बड़ी संख्या में खनन एवं पेट्रोलियम क्षेत्र से जुड़े निवेशक तथा उद्यमी उपस्थित रहे, प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम श्री टी. रविकांत द्वारा खनन एवं पेट्रोलियम क्षेत्र में राज्य सरकार की उपलब्धियों, नीतियों एवं योजनाओं का प्रस्तुतीकरण।

कन्ट्री सेशन : डेनमार्क 'वॉटर मैनेजमेन्ट इन लाइवेबल सिटीज़'

हाईलाइट्स एवं साझा जानकारी

- डेनमार्क पर केंद्रित कंट्री सेशन में जल प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता और औद्योगिक निवेश एवं साझेदारी पर चर्चा हुई।
- डेनमार्क स्मार्ट तकनीकों के जरिए जल प्रबंधन में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है और राजस्थान को इससे प्रेरणा लेने की जरूरत है। राजस्थान में उद्योग स्थापित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी : **श्री कन्हैयालाल चौधरी,** जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री
- राजस्थान की जल संबंधी चुनौतियों, जैसे जल की कमी, परिवहन नेटवर्क की सीमाएं, 'हर घर नल से जल' मिशन में निवेश की आवश्यकता और सतही जल के 150 से अधिक दोहन, पर चर्चा की गई।
- डेनमार्क की नई तकनीकों को अपनाने और जल-लवणता व फ्लोराइड जैसी समस्याओं के समाधान में सहयोग लिए जाने का प्रस्ताव दिया गया।
- सत्र में डेनमार्क और भारत के कोविड के दौरान बने मजबूत संबंधों का भी जिक्र हुआ।
- डेनमार्क के मंत्री सलाहकार और ट्रेड काउंसिल दक्षिण एशिया के निदेशक श्री सोरेन एन कानिक-मार्क्वार्डसन ने डेनमार्क की जल संकट से जल समृद्धि तक की यात्रा साझा की।
- मार्क्वार्डसन द्वारा भारत की प्रतिभा की सराहना करते हुए राजस्थान के विकास में भागीदार बनने की इच्छा जताई गई।

प्रतिभागी: सत्र में आईआईटी, जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, रैंबोल इंडिया की राजनी धीमन, कार्ल्सबर्ग इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट ऋषि चावला, एलजेएम इंडिया के एमडी लार्स टी मोलर, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया के एमडी विक्रांत श्रोतिया, आरहूस वैंड के डायरेक्टर फ्लेमिंग फॉग पेडर्सन, डैनफॉस के अनुभव झा और डीएचआई के अभिलाष अजयकुमार ने प्रस्तुतीकरण दिए। सत्र का समापन पीएचडीसी के अतिरिक्त सचिव श्री संदीप शर्मा ने डेनमार्क के साथ इस साझेदारी को राजस्थान की प्रगति में एक मील का पत्थर बताते हुए किया।

सेक्टोरियल सेशन : एम्ब्रेसिंग डायवर्सिटी-प्रमोटिंग इनक्लूसिव टूरिज्म

हाईलाइट्स एवं साझा जानकारी

- राजस्थान को वैश्विक पटल पर सभी का पसंदीदा पर्यटन स्थल बनाने के लिए निवेशकों, ट्रेवल राइटर्स, ब्लॉगर्स व पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेक होल्डर्स को मिलजुल कर काम करना होगा : **दिया कुमारी,** उपमुख्यमंत्री
- राजस्थान में एक्सपीरियेंशनल टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं साथ ही घरेलू पर्यटक हमारे पर्यटन की नींव हैं। राजस्थान में आध्यात्मिक पर्यटन भी जुड़ा है : मुख्य अतिथि **श्री गजेंद्र सिंह शेखावत,** केंद्रीय पर्यटन मंत्री
- पर्यटन केवल व्यवसाय का जरिया नहीं है, यह हमारी संस्कृति और हमारे अनुभवों को साझा करने का माध्यम है।
- राजस्थान सरकार का लक्ष्य प्रदेश में रिपीट टूरिज्म को बढ़ावा देना है। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि राज्य में राजस्थान आने वाला पर्यटक यहां पुन: पर्यटन के लिए आए, इसके लिए हमें नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देते हुए, पर्यटकीय सुविधाओं का विस्तार करना होगा।
- प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार का फोकस मार्केटिंग व प्रमोशन रहेगा, जिसमें नई टैक्नोलॉजी का खासा योगदान रहेगा।
- इस सेक्टोरियल सेशन का विषय भी प्रधानमंत्री जी के उस विचार से प्रेरित है जिसमें उन्होंने कहा था कि पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था और समाज को जोड़ने का माध्यम होना चाहिए।

प्रतिभागी : सत्र में कवि व अभिनेता शैलेश लोढ़ा, अभिनेता नकुल मेहता, पर्यटन विशेषज्ञ अंजलि भर्तहरि रवि व नेहा अरोड़ा एवं अन्य शामिल हुए। पर्यटन सचिव श्री रवि जैन ने एक विशेष प्रजेन्टेशन दिया एवं पर्यटन आयुक्त श्री विजयपाल सिंह जी भी उपस्थित थे।

रीजनल वॉटर सिक्योरिटी-टेक्नोलॉजी एंड गवर्नेंस

हाईलाइट्स एवं साझा जानकारी

- जल प्रबंधन में अपशिष्ट जल का उपचार, जल पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग वर्तमान समय की मांग है। हमें सिंचाई के लिए जल आवश्यकताओं को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इजराइल के ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिस्टम जैसी कुशल जल प्रबंधन प्रथाओं से सीखा जा सकता है : **श्री गजेंद्र सिंह शेखावत**, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
- राज्य सरकार संशोधित पीकेसी-एकीकृत ईआरसीपी, यमुना जल एमओयू तथा देवास जैसी परियोजनाओं से भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है : **श्री सुरेश सिंह रावत**, जल संसाधन मंत्री
- हमें जल संरक्षण करने और स्थायी प्रबंधन के माध्यम से प्रत्येक बूंद को बचाने और उपयोग करने का संकल्प लेना चाहिए : **श्री अभय कुमार,** अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग
- कार्यक्रम में इजराइल के विदेश मंत्रालय और राजस्थान सरकार के जल संसाधन विभाग के बीच जल संसाधन क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

- राजस्थान सरकार और डेनमार्क दूतावास के बीच सरस्वती पेलियोचैनल के पुनर्जीवन पर सहयोग के लिए लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए गए।
- सत्र में उद्योगपतियों, जल संसाधन विशेषज्ञ तथा अतिथियों द्वारा जलवायु परिवर्तन, तेजी से शहरीकरण, जल सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान करने और बढ़ती जल मांग के बीच स्थायी जल प्रबंधन की तत्काल आवश्यकता पर सार्थक चर्चाएं की गईं।

प्रदेश में अपार निवेश संभावनाओं की चर्चा

मुख्यमंत्री से मिले राजनयिक, उद्योगपति और निवेशक

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के पहले दिन राजनयिकों, देश -विदेश के उद्योगपतियों और निवेशकों ने मुलाकात की। समिट में पधारे जापान के राजदूत श्री केइची ओनो, स्विट्जरलैंड की राजदूत श्रीमती माया तिसाफी, पोलैण्ड राजदूतावास की डिप्टी स्पीकर डोरोथा जियेदजिला के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल और आईटीसी के सीएमडी श्री संजीव पुरी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान श्री शर्मा ने निवेशकों के साथ राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाओं के बारे में चर्चा की। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को राज्य में निवेश के लिए हर प्रकार की सुविधाएं, रियायतें और सहायता उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने और सिंगल विंडो प्रणाली के जरिए प्रक्रिया में लगने वाला समय कम किया गया है। राज्य सरकार ने प्रदेश में निवेश का अनुकूल माहौल बनाने के लिए दस नई नीतियां लागू की हैं। मुख्यमंत्री से विभिन्न देशों के अन्य राजनयिकों एवं प्रतिनिधिमंडलों ने व्यक्तिशः मुलाकातें भी की। इस दौरान निवेशकों और उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री को अपने-अपने सुझाव दिए।

सेक्टोरियल सेशन : 'एग्री-बिजनेस इनोवेशन्स, मूविंग अप द वैल्यू चेन'

हाइलाईट्स एवं साझा जानकारी

- केन्द्रीय ग्रामीण विकास विभाग राजस्थान में गरीब और किसान के लिए पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अन्तर्गत 3 लाख 41 हजार 620 आवासों का निर्माण करेगा : **श्री शिवराज सिंह चौहान**, केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को फूड बास्केट ऑफ वर्ल्ड बनाने का काम जारी है जिससे भारत विश्व का पेट भर सकेगा।
- किसानों के कल्याण के लिए विभाग ने 6 सूत्री रणनीति बनायी है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 109 नए बीजों की किस्म तैयार गई है। इसमें बाजरा और धान की फसलें भी शामिल हैं जिनका कम समय में ज्यादा उत्पादन किया जा सकेगा।
- केन्द्र सरकार आयात-निर्यात नीति में बदलाव कर किसानों को तात्कालिक राहत भी पहुंचा रही है।
- हमारी सरकार प्रदेश के हर कोने में पानी पहुंचाएगी और किसानों को दिन में भी बिजली उपलब्ध कराएगी। हम राजस्थान को बिजली के क्षेत्र में वर्ष 2027 तक आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृत संकल्प हैं : **श्री भजनलाल शर्मा**, मुख्यमंत्री
- राज्य के जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर आदि जिलों में खजूर की खेती ने कृषि प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के नए द्वार खोले हैं।
- राजस्थान से देश के बड़े बाजारों तक पहुंचने के लिए बेहतरीन रेल, सड़क और हवाई नेटवर्क है, जो निवेशकों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और उत्पादों के वितरण को सरल बनाता है।
- सुरक्षित भंडारण और परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए नए वेयरहाउस और कोल्ड चेन सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।
- राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम 2024 के तहत कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए विशेष रियायतें दी गई हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत अब तक कृषि क्षेत्र में 58 हजार करोड़ रुपये निवेश के 2 हजार 506 से अधिक एमओयू हो चुके हैं।

प्रतिभागी : कृषि, उद्यानिकी व ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री जोराराम कुमावत, सहकारिता राज्यमंत्री श्री गौतम कुमार दक, ऊर्जा राज्यमंत्री श्री हीरालाल नागर, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष श्री सी.आर.चौधरी सहित कृषि एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य।

थीमेटिक सेशन : 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन-शेपिंग द फ्यूचर ऑफ स्टार्ट अप्स'

हाइलाईट्स एवं साझा जानकारी

- सत्र में भारत के अग्रणी उद्यमियों और नवाचारकर्ताओं ने भाग लिया।
- उद्योग मंत्री कर्नल राठौड़ ने इस दौरान योर स्टोरी की संस्थापक और सीईओ श्रद्धा शर्मा के साथ संवाद में कहा कि हम इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राजस्थान के प्रतिभाशाली युवाओं और कुशल कार्यबल के सपनों और संभावनाओं में निवेश करना चाहते हैं।
- समिट के माध्यम से हमारा उद्देश्य राज्य की विविध क्षमताओं रिफाइनरी और माइनिंग से लेकर व्यापार गलियारों और इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रदर्शित करना है : **कर्नल राज्यवर्धन राठौड़**, उद्योग मंत्री
- डिजिटल तकनीकों और एआई को अपनाना स्टार्टअप्स के लिए नवाचार और विकास के लिए जरूरी है। एआई भविष्य है और व्यावहारिक समस्याओं को हल करने और प्रतिस्पर्धी बाजार में वृद्धि को बढ़ावा देने की अपार क्षमता रखता है : **श्री विजय शेखर शर्मा**, संस्थापक पेटीएम
- कारदेखो के संस्थापक श्री अनुराग जैन और श्री अमित जैन ने 'राजस्थान : शेपिंग द फ्यूचर ऑफ स्टार्टअप्स' नामक पैनल चर्चा में भाग लिया। उन्होंने राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला और राज्य में अपनी सफलता की यात्रा साझा की।
- डीओआईटीसी की शासन सचिव एवं आयुक्त श्रीमती अर्चना सिंह और डाटा इंजीनियर्स ग्लोबल लिमिटेड के सीईओ श्री अजय डाटा ने भी शिरकत की।

थीमेटिक सेशन : सस्टेनेबल फाइनेंस-पब्लिक एंड प्राइवेट इन्वेस्टमेंट

हाइलाईट्स एवं साझा जानकारी

- राज्य सरकार आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार कर रही हैं ताकि निवेशकों को अपने प्रोजेक्ट धरातल पर उतारने में देरी नहीं हो। निवेश कर इंडस्ट्री लगाने का यही और सही समय है : **श्री के.के. विश्नोई,** उद्योग राज्य मंत्री
- राज्य सरकार बैटरी स्टोरेज, स्मार्ट ग्रिड, ग्रीन हाइड्रोजन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही हैं।
- वित्त (बजट) सचिव श्री देबाशीष पृष्टी ने राज्य सरकार के प्रयासों और भविष्य के लिए रोडमैप की जानकारी देते हुए रिप्स पॉलिसी 2024, एमएसएमई पॉलिसी 2024, एक जिला एक उत्पाद पॉलिसी, मिनरल्स पॉलिसी सहित अन्य नीतियों के बारे में बताया।
- देश में पहली बार राजस्थान में ग्रीन बजट वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेश किया जाएगा।

प्रतिभागी : पैनलिस्ट आरईसी लिमिटेड के चेयरमैन श्री विवेक कुमार, ड्यूश बैंक डायरेक्टर श्री पंकज ओझा, विश्व बैंक के सलाहकार डॉ. रामबाबू परवस्तु, बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ श्री देबदत्त चंद, यूएनडीपी प्रतिनिधि एंजेला लुसिगी, एशियन डवलपमेंट बैंक की कंट्री डायरेक्टर मिओ ओका, भारतीय रिजर्व बैंक के चीफ जनरल मैनेजर श्री सुनील नायर, हुडको अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री संजय कुलश्रेष्ठ, गुजरात सरकार में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री जे. पी. गुप्ता एवं अन्य।

सेक्टोरियल सेशन : एजुरिवॉल्यूशन-शिक्षा एवं अवसर

हाइलाईट्स एवं साझा जानकारी

- शिक्षा के क्षेत्र में निवेशकों के साथ विभिन्न एमओयू साइन किए जा रहे हैं जिससे प्रदेश प्रगति एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा एवं अवसरों को जोड़ना एक महत्वपूर्ण कार्य है जिसे इस सत्र के माध्यम से किया जा रहा है : **श्री प्रेमचंद बैरवा,** उप मुख्यमंत्री
- प्रदेश में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है। अकादमिक एवं व्यवसायिक भागीदारी से ही शिक्षा रोजगारपरक हो सकती है। राज्य सरकार प्रदेश में विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा प्रणाली स्थापित कर विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के लक्ष्य को आगे बढ़ा रही है।
- राज्य के विद्यार्थियों के पास ज्ञान, कौशल एवं अवसर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो और विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास हो, इस हेतु शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए जा रहे है।
- राज्य में नई शिक्षा नीति को लागू करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक कोर्स शुरू किए गए हैं। साथ ही तकनीकी कोर्स भी मातृभाषा में दिए जा रहे हैं।
- प्रदेश में फिनिशिंग स्कूल सेंटर स्थापित किए गए हैं। सरकारी कॉलेजों के लिए कायाकल्प योजना के माध्यम से आधुनिक प्रयोगशालाएं, नवीन उपकरण, आधुनिक खेल मैदान सहित गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक ढांचे का निर्माण किया जा रहा हैं। नव शिक्षा संस्थानों की स्थापना करने की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है।
- नई शिक्षा नीति में स्कूली स्तर पर ही व्यवसायिक शिक्षा को शामिल किया गया है। राज्य सरकार तकनीकि कौशल और संस्कारों को शिक्षण में समावेशित करने का कार्य कर रही है : **श्री मदन दिलावर,** स्कूल शिक्षा मंत्री
- बाल वाटिकाओं को राजकीय स्कूलों में चरणबद्ध रूप से शुरू किया जा रहा है। राज्य सरकार के द्वारा प्रदेश में संचालित 65000 विद्यालयों में 80 लाख विद्यार्थी शिक्षा नि:शुल्क ग्रहण कर रहे हैं।
- घुमंतू समुदायों के बच्चों को शिक्षित करने हेतु मोबाइल स्कूल की व्यवस्था प्रदेश सरकार करने जा रही है। इसके तहत चलित वाहनों में इन समुदायों के बच्चों को शिक्षा प्रदान की जाएगी।

प्रतिभागी : सत्र में व्यापार, आर्थिक एवं वाणिज्यिक मामलों के प्रमुख, डेनमार्क दूतावास, नई दिल्ली, श्री सोरेन नोरेलुंड कन्निक-मार्क्वार्डसन, आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो अविनाश कुमार अग्रवाल, वनस्थली विद्यापीठ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अभिषेक पारीक, कोर्सेरा के प्रबंध निदेशक राघव गुप्ता, श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया के उपाध्यक्ष रमेश झा, उच्च एवं तकनीकि शिक्षा विभाग की शासन सचिव डॉ आरूषी ए मलिक सहित विभिन्न शिक्षाविद, उद्योगपति, विभागाधिकारी और शिक्षा से जुड़े लोग उपस्थित थे।

कन्ट्री सेशन : सप्लाई चेन और मैन्युफैक्चरिंग

हाइलाईट्स एवं साझा जानकारी

- राजस्थान अब केवल एक रेगिस्तानी राज्य नहीं, बल्कि उभरते हुए अवसरों की भूमि है। भारत-अमेरिका साझेदारी आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन के लिए अत्यंत लाभकारी है : **श्री गजेंद्र सिंह,** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री
- भारत और अमेरिका दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं और भारत जल्द ही तीसरा सबसे बड़ा आर्थिक लोकतंत्र बनने की ओर अग्रसर है।
- अमेरिकी कंपनियां पहले ही भारत में 1000 से अधिक उद्योग संचालित कर रही हैं और । एप्पल जैसी कंपनियों ने भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है।
- राज्य दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का 30 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है और इसकी भौगोलिक स्थिति उद्योग और लॉजिस्टिक्स के लिए आदर्श है।
- राजस्थान में एक्सप्रेस–वे कनेक्टिविटी, भारतमाला योजना और पीएम गतिशक्ति पोर्टल जैसे प्रोजेक्ट्स ने निवेशकों के लिए शानदार आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराया है।
- सत्र की शुरुआत में, यूडीएच के प्रमुख शासन सचिव श्री वैभव गालरिया ने सप्लाई चेन प्रबंधन में तकनीकी नवाचार, जीएसटी कार्यान्वयन और लॉजिस्टिक्स में राजस्थान की क्षमता पर चर्चा की गई।
- राजस्थान को एक महत्वपूर्ण रक्षा विनिर्माण क्षेत्र और वैश्विक निवेश का केंद्र बनाने के लिए साझा रणनीतियों पर जोर दिया गया।
- चंद्रकांत सलुंखे ने एसएमई के लिए निवेश और अनुबंध निर्माण के अवसरों पर प्रकाश डाला। राजिंदर सिंह भाटिया ने मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन में रणनीतिक पहलुओं पर बात की।
- डॉ. अनिर्बाण अधिकारी ने सप्लाई चेन में स्थिरता चुनौतियों पर चर्चा की। डॉ. बृजेश बारसे ने स्वास्थ्य और कृषि सप्लाई चैन में स्थिरता पर विचार प्रस्तुत किए।

थीमेटिक सेशन : खनन एवं पेट्रोकेमिकल्स

हाइलाईट्स एवं साझा जानकारी

- सऊदी अरब के उप मंत्री शेख श्री अब्दुल मजीद फलाह के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट में हिस्सा ले रहे प्रतिनिधिमण्डल ने राज्य में खनिज और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में निवेश में रुचि दिखाई और इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।
- सउदी अरब दल के सदस्यों को विस्तार से प्रदेश में उपलब्ध मिनरल्स, एक्सप्लोरेशन और निकट भविष्य में होने वाले मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।
- बताया गया कि राजस्थान में डेकोरेटिव स्टोन्स के साथ ही क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के भण्डार हैं और चरणबद्ध तरीके से इनके ब्लॉक्स तैयार कर नीलाम किए जा रहे हैं।
- अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम श्री अजय शर्मा ने राजस्थान रिफाइनरी और उसके आसपास के क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल जोन विकसित होने की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में उपलब्ध क्रूड ऑयल और गैस के भण्डारों की खोज और दोहन के संबंध में अवगत करवाया।
- सऊदी अरब के उप मंत्री शेख श्री अब्दुल मजीद फलाह और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख श्री अब्दुला ने खनिज के साथ ही रिफाइनरी के आस पास के क्षेत्र में विकसित हो रहे पेट्रोकेमिकल जोन में औद्योगिक निवेश में रुचि दिखाई है।
- खनिज विभाग के प्रतिनिधिमण्डल में अतिरिक्त निदेशक श्री एमपी मीणा, एडीजी श्री आलोक जैन, एसजी श्री सुनील वर्मा, श्री राजकुमार मीणा व अन्य अधिकारी थे।
- सउदी अरब से निवेश के संबंध में राज्य सरकार के प्रभारी अधिकारी राज्य सरकार और सऊदी अरब के प्रतिनिधियों के बीच समन्वय कर प्रदेश में अधिक से अधिक विदेशी निवेश लाने का प्रयास कर रहे हैं।

सेक्टोरियल सेशन : इन्फ्रास्ट्रक्चर-एन इम्पोर्टेन्ट लिंक इन द सप्लाई चेन

हाइलाईट्स एवं साझा जानकारी

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उनके इस संकल्प को साकार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन की बनाने के लिए केन्द्र सरकार कार्य कर रही है : **श्री नितिन गडकरी,** केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री
- राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर राज्य सरकार दे रही विशेष जोरः **श्री भजनलाल शर्मा,** मुख्यमंत्री
- श्री गडकरी द्वारा राजस्थान को कई सौगातें देते हुए 30 हजार करोड़ रुपये लागत की 800 किमी. लम्बी 9 परियोजनाओं की घोषणा की गई।
- इन परियोजनाओं में 6500 करोड़ रु. की लागत से उत्तरी जयपुर रिंग रोड, 6800 करोड़ रु. की लागत से कोटपूतली से आगरा ग्रीनफील्ड हाइवे, 12 हजार करोड़ रु. की लागत से जयपुर-किशनगढ़-जोधपुर से अमृतसर ग्रीनफील्ड हाइवे निर्माण, 538 करोड़ रु. की लागत से पाली में रायपुर से जस्साखेड़ा तक एलीवेटेड रोड शामिल हैं।
- इसके अलावा अन्य पांच परियोजनाएं, 1400 करोड़ रु. की लागत से नागौर से नेत्रा तक सड़क निर्माण, 500 करोड़ रु. से सीकर-लक्ष्मणगढ़-फतेहपुर में बाइपास, 1400 करोड़ रु. की लागत से झुन्झुनूं-चिड़ावा-सिंघाना-पचेरी सड़क निर्माण, 600 करोड़ रु. की लागत से सिंघाना-खेतड़ी-जसरापुर-नगलीसलेदी-भाटीवाड़ सड़क निर्माण, 400 करोड़ रु. की लागत से कुंडल-झाड़ौद खण्ड के भू-स्खलन क्षेत्र में सुधार हैं।
- सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, सिंचाई परियोजना और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हमारी डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से राज्य के बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदल रही है।
- बुनियादी सड़क तंत्र को विकसित करने में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का भी विशेष सहयोग है। प्रदेश के मरुस्थलीय क्षेत्र में 2 हजार किलोमीटर लंबाई के राजमार्गों का निर्माण तथा कई कस्बों और शहरों में बाइपास एवं रिंग रोड का निर्माण कर यातायात को सुगम बनाया गया है।
- दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का 58 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में है, इसलिए भारत के 40 प्रतिशत बाजार तक प्रदेश की सीधी पहुंच है।
- प्रदेश में भारत का तीसरा सबसे बड़ा हाईवे नेटवर्क है, जो देश के प्रमुख शहरों और औद्योगिक केंद्रों को सीधे जोड़ता है। आज राजस्थान में 3 लाख किलोमीटर से अधिक लंबा रोड नेटवर्क है।
- राजस्थान में देश का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। 6 हजार किलोमीटर लंबा रेल नेटवर्क राज्य में और राज्य के बाहर माल ढुलाई को आसान बना रहा है।
- जयपुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित प्रदेश में 7 हवाई अड्डे हैं। हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी है।
- प्रदेश के दो मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क परिवहन के विभिन्न माध्यमों को जोड़कर लॉजिस्टक्स को आसान बना रहे हैं।
- राज्य में 8 इनलैंड कंटेनर डिपो हैं, जो कार्गो हैंडलिंग में मदद देने के साथ ही बंदरगाहों पर दबाव कम कर रहे हैं।
- राज्य सरकार 53 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण कर रही है। साथ ही, प्रदेश में पहली बार 2 हजार 750 किलोमीटर लंबे 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण हेतु आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रतिभागी : इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल, राजस्व मंत्री श्री हेमंत मीणा, एनएचएआई के चेयरमैन श्री संतोष कुमार यादव, प्रमुख शासन सचिव, सार्वजनिक निर्माण श्री प्रवीण गुप्ता, बीसीडी ग्रुप के सीईओ श्री अशविंदर आर. सिंह सहित बड़ी संख्या में सार्वजनिक निर्माण उद्योग से जुड़े निवेशक एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

राजस्थान में निवेश और विकास का संकल्प

प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान : विकास की ओर बढ़ाएं कदम

राजस्थान को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव में राजस्थानियों से अपने राज्य की प्रगति में भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विश्वभर में अपनी पहचान बनाई है और अब समय आ गया है कि वे अपने गृह राज्य में निवेश कर इसे उन्नति की ओर अग्रसर करें।

श्री हरिभाऊ बागड़े ने यह भी कहा कि राजस्थान की जनसंख्या लगभग 8 करोड़ है और लगभग 2.5 करोड़ प्रवासी राजस्थानियों को यहां निवेश के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रदेश की आर्थिक स्थिरता और समृद्धि में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया।

मुख्यमंत्री का संकल्प: "प्रवासी राजस्थानी दिवस"

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस मौके पर घोषणा की कि हर वर्ष 10 दिसंबर को "प्रवासी राजस्थानी दिवस" के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक विशेष विभाग स्थापित करेगी, ताकि उनकी समस्याओं को एकल-संपर्क बिंदु के माध्यम से हल किया जा सके। साथ ही हर साल प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित करने की योजना भी बनाई गई है।

श्री शर्मा ने यह भी बताया कि राजस्थान तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले पांच वर्षों में 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही सौर और पवन ऊर्जा में राज्य अग्रणी बनता जा रहा है।

निवेश के लिए तैयार राजस्थान

राज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों ने यह आश्वासन दिया कि राज्य में निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। राजस्थान में हाईवे और रेलवे का बेहतरीन नेटवर्क, दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर और 7 हवाई अड्डे इसे परिवहन के लिए एक अनुकूल स्थान बनाते हैं।

श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान खनन, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उपकरण और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। इसके साथ ही निवेश प्रोत्साहन योजनाओं को और सरल बनाया गया है ताकि निवेशकों को आसानी हो।

सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान

प्रवासी राजस्थानियों ने हमेशा ही अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न उद्योगपतियों और प्रवासी राजस्थानियों ने राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियों की सराहना की।

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग और पर्यावरण संरक्षण

राज्यपाल ने राजस्थान के दुग्ध क्षेत्र में अग्रणी होने की बात करते हुए बारिश के पानी को संरक्षित करने और खेती के लिए इसका उपयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही गौ संरक्षण और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार सृजन के प्रयासों की भी सराहना की गई।

समाज और अर्थव्यवस्था के विकास का आह्वान

इस आयोजन में सभी वक्ताओं ने प्रवासी राजस्थानियों से अपील की कि वे अपनी मातृभूमि के विकास में अपनी भागीदारी निभाएं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान को विकसित और खुशहाल राज्य बनाने के लिए सभी प्रवासी राजस्थानियों को एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए।

यह आयोजन न केवल राज्य की आर्थिक और सांस्कृतिक उन्नति का एक मंच बने बल्कि प्रवासी राजस्थानियों के लिए अपनी मातृभूमि से जुड़ने और इसे सशक्त बनाने का आह्वान भी किया। ■

RISING RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

2026 में फिर होगा राइजिंग राजस्थान समिट

11 दिसम्बर 2025 को एमओयू प्रगति की समीक्षा कर लाएंगे जनता के सामने

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत दुनिया का सबसे ताकतवर अर्थनीति बनेगा तथा राजस्थान भारत का अग्रणी राज्य होगा। राजस्थान की विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद 11 प्रतिशत की विकास दर प्रदेशवासियों की मेहनत को दर्शाती है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट का सफल आयोजन किया है तथा उनके नेतृत्व में राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

राजस्थान के व्यक्ति में उद्यमिता के गुण जन्म से ही मौजूद

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान केवल पूंजी निर्माता ही नहीं, बल्कि नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी है। यहां आईआईटी, आईआईएम, एम्स सहित सभी विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। राजस्थान के व्यक्ति को उद्यमिता सिखाने की जरूरत नहीं है, उसमें यह खूबी जन्म से ही होती है। भविष्य में जयपुर-जैसलमेर का दुनिया की अर्थनीति के केन्द्र बनना तय हैं तथा यह समिट इसको दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत भविष्य में ग्रीन एनर्जी तथा न्यू एनर्जी भी सृजित करेगा तथा राजस्थान इस क्षेत्र में लीडर पॉजिशन पर आ गया है। यहां हुए निवेशों से लोगों को संसाधन मिलेंगे, आय का सृजन होगा तथा आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी जिससे पूरा राज्य विकास की दौड़ में अग्रणी बन सकेगा।

राजस्थान नवाचार व निवेश का बना नया केंद्र-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राइजिंग समिट में हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए पूरी शक्ति के साथ काम करेगी तथा अगले वर्ष 11 दिसंबर को इन सभी एमओयू के जमीन पर उतरने की

कार्यवाही की समीक्षा कर जनता के सामने लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान का आयोजन 2026 में फिर से होगा। इस समिट के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए गए हैं।

उद्यमों को प्रोत्साहन देने के लिए कई पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने कई अहम निर्णय लिए हैं। राज्य में 11 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति, पांच नवीन औद्योगिक क्षेत्रों को भूखंड आवंटन, रीको द्वारा 8 औद्योगिक क्षेत्र नियोजित किए गए हैं। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए हम अगले तीन साल में जीआई टैग की संख्या को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जीआई टैग वाले उत्पाद गांव से ग्लोबल की तरफ बढ़ेंगे जो यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' विजन को साकार करेंगे।

10 नीतियों से निवेश को मिलेगा बढ़ावा

श्री शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग प्रदेश के औद्योगिक ढ़ांचे की रीढ़ हैं। एमएसएमई क्षेत्र राजस्थान की जीएसडीपी में करीब 25 प्रतिशत योगदान दे रहा है। साथ ही, निर्यात में भी अहम भूमिका निभा रहा है। ये उद्योग समावेशी आर्थिक विकास, इनोवेशन और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन नीति-2024 एवं अन्य 9 नीतियां जारी की हैं।

नए उद्यमियों को निर्यातक बनाने के लिए नई निर्यात नीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'निर्यात वृद्धि, सर्व समृद्धि' में विश्वास करती है, जो निर्यातकों की समृद्धि और उनके सशक्तीकरण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति 2024 जारी की है। इसके तहत मुख्यमंत्री निर्यात वृद्धि अभियान में नए उद्यमियों को निर्यातक बनाने के लिए निर्यात प्रक्रिया एवं दस्तावेजीकरण के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। श्री शर्मा ने कहा कि एकीकृत क्लस्टर विकास योजना 2024 के माध्यम से हमने कच्चे माल के बैंक स्थापित कर हस्तशिल्पियों, बुनकरों और हथकरघा क्लस्टरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि एक जिला एक उत्पाद नीति 2024 लागू कर वोकल फोर लोकल को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। यह नीति हमारी पारंपरिक कला के संरक्षण और विकास में भी मददगार होगी।

मुख्यमंत्री ने किया सभी का धन्यवाद

मुख्यमंत्री ने राइजिंग राजस्थान के ऐतिहासिक आयोजन के लिए सभी मंत्रिगण, निवेशकों, उद्योगपतियों, अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि समिट में विशेषज्ञों द्वारा आए नए आइडियाज से राजस्थान के भविष्य को उज्ज्वल एवं मजबूत बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं दिया कुमारी ने भी सफल आयोजन पर विचार व्यक्त किए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने विभिन्न कंपनियों और उपक्रमों के एग्जीबिटर बूथ का जायजा लिया। श्री शर्मा ने 'बिल्डिंग ए सिक्योर नेशन बूथ' पर आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया। उन्होंने हिंदुस्तान जिंक के बूथ पर 3-डी आईवीआर तकनीक के माध्यम से हिंदुस्तान जिंक की माइंस का वर्चुअल ट्यूर किया। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा लगाए गए आई स्टार्ट राजस्थान बूथ पर रोबोटिक डॉग का रिमोट से संचालन भी किया। वे उत्तर पश्चिम रेलवे के बूथ पर भी पहुंचे और भारतीय रेलवे के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के मॉडल्स का जायज़ा लिया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने सिंकटेक, धूत संगमरमर, हिंगोनिया पुनर्वास केंद्र और एंबेसी ऑफ डेनमार्क के एग्जीबिटर बूथ का भी दौरा किया। ■

रिफाइनरी प्रदेश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण

- कम्प्रेस्ड एयर नाइट्रोजन प्लांट का उद्घाटन
- रिफाइनरी के समीप स्कूल एवं अस्पताल शीघ्र शुरू करने के निर्देश
- मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर रिफाइनरी कार्मिकों में दिखा उत्साह

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने बालोतरा जिले के पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का दौरा किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, राज्य सरकार एवं रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बस में बैठ कर रिफाइनरी में विकास कार्यों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने रिफाइनरी परिसर में ही हाईटेंशन मोटर के जरिए कम्प्रेस्ड एयर नाइट्रोजन प्लांट का उद्घाटन भी किया।

श्री शर्मा ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी में निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस परियोजना का निर्माण केवल पश्चिमी राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के समीप सांभरा ग्राम में एच.आर.आर.एल. द्वारा ईएससी फंड के माध्यम से बनाए जा रहे स्कूल एवं अस्पताल को शीघ्र शुरू किया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिल सके। उन्होंने रीको द्वारा रिफाइनरी के समीप बोरावास-कलावा औद्योगिक क्षेत्र में राजस्थान पेट्रो जोन के विकास कार्यों की समीक्षा भी की।

समय पर निर्माण कर उत्पादन और बिक्री प्रारम्भ करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परियोजना की लंबित यूनिट्स का निर्माण कार्य पूरा करें, ताकि उत्पादन प्रारंभ हो सके एवं पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री हो और राज्य को अधिकाधिक राजस्व प्राप्त हो सके। साथ ही, उन्होंने परियोजना के निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि रिफाइनरी और आस-पास के क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। उन्होंने एच.आर.आर.एल. के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि रिफाइनरी परिसर में ग्रीन बेल्ट विकसित की जाए।

प्लांट में बुर्ज खलीफा से ज्यादा कंक्रीट

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में ड्यूल फीड क्रेकर यूनिट का अवलोकन किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इस यूनिट के निर्माण में बुर्ज खलीफा निर्माण से भी अधिक कंक्रीट का उपयोग किया गया है। यह रिफाइनरी का सबसे बड़ा प्लांट भी है, जहां एक तिहाई श्रमिक (लगभग 9 हजार) काम करते हैं। उन्होंने कोक डोम और ट्रीटिंग यूनिट का सघन निरीक्षण किया एवं कार्यप्रणाली और तकनीक की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान श्री शर्मा ने श्रमिकों के साथ बातचीत भी की।

विशेषाधिकारी नियुक्त होंगे

मुख्यमंत्री ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को एक विशेषाधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए जो कि 15 दिन में रिफाइनरी परियोजना के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए रिपोर्ट बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिफाइनरी के आस-पास के क्षेत्र में पेट्रो जोन का विकास किया जाना है। इसके लिए पेट्रो जोन के क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों से भी निरंतर संपर्क स्थापित किया जाए। उन्होंने रिफाइनरी कार्यों में देरी करने वाली संबंधित फर्मों व ठेकेदारों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किए।

बालोतरा जिले के समग्र विकास की बनाएं योजना

श्री शर्मा ने जिला कलक्टर को बालोतरा जिले में आवश्यकता के अनुरूप जिले की मूलभूत आवश्यकताएं पानी, सड़क, बिजली, शिक्षा और चिकित्सा आदि के क्षेत्र में कार्ययोजना बनाकर आमजन को सहूलियत प्रदान करने और सड़क तंत्र को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी के मॉडल का अवलोकन और रिफाइनरी परिसर में पौधारोपण कर 'हरियाळो राजस्थान' में जन सहभागिता बढ़ाने का संदेश दिया। ■

मानसरोवर डी पार्क

"वेस्ट टू वंडर"

जयपुर ग्रेटर नगर निगम की पहल

– **धर्मिंता चौधरी,** सहायक निदेशक

कबाड़ से बने 12 आर्टिकल्स कर रहे आकर्षित

नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा मानसरोवर के डी.पार्क में 'वेस्ट टू वंडर पार्क' बनाया गया है। यह पार्क जयपुरवासियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। पार्क में अनुपयोगी वस्तुओं से विभिन्न तरह की कलाकृतियां का निर्माण किया गया है। शहर में लगे पुराने सेकेंडरी स्टोरेज बिन का उपयोग करके ट्रेन बनाई गई है व गैरेज के पुराने सामान व टायर से सुन्दर कलाकृतियां बनाई गई हैं। पार्क में कुल 12 आर्टिकल हैं, जिनमें कबाड़ के उपयोग से बनाई गई बाइक और बैठने की व्यवस्था के लिए प्लास्टिक से बनी हुई टायर चेयर, प्लांटेशन हेतु पुराने लोहे के सामान से बनी हुई प्लास्टिक बोतल और अन्य चीजें सम्मिलित हैं।

कचरे का निस्तारण 'मशीन-टू-मशीन'

नगर निगम ग्रेटर ने स्वच्छ जयपुर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए झालाना डूंगरी में एक मैकेनाइज्ड कचरा ट्रांसफर स्टेशन स्थापित किया है। यह राजस्थान का पहला कन्वेयर बेल्ट वाला एडवान्स टेक्नोलॉजी का मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन है, जिसकी क्षमता 100 टीपीडी (टन प्रति दिन) है। सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किए जाने के उद्देश्य से सभी क्षेत्रों में मैकेनाइज्ड कचरा ट्रांसफर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से सबसे पहले झालाना कचरा ट्रांसफर स्टेशन को मैकेनाइज्ड कचरा ट्रांसफर

स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। इसमें आधुनिक रूप से 'मशीन टू मशीन' कचरा संकलन तथा कॉम्पेक्शन किए जाने के बाद कचरे के परिवहन का कार्य किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र

जरूरतमंदों के लिए खुल गई 'खुशियों की दुकान'

- मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों की स्थापना
- आंगनबाड़ियों और कच्ची बस्तियों में वितरित हो रहे खिलौने, कपड़े, जूते एवं स्टेशनरी

नगर निगम ग्रेटर द्वारा नवाचार करते हुये प्रत्येक जोन एवं मुख्यालय सहित 8 स्थानों पर मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र स्थापित किये गए हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से शहर में कचरा कम होगा और जो सामान किसी और के लिये अनुपयोगी है, वह सामान जरूरतमंद के काम आ सकेगा। ये केन्द्र मालवीय नगर जोन कार्यालय, निगम मुख्यालय, सांगानेर जोन कार्यालय, जगतपुरा जोन : वार्ड क्र. 112, मेन मार्केट रेलवे स्टेशन के सामने, विद्याधर नगर जोन-अम्बाबाड़ी सर्किल, मुरलीपुरा जोन कार्यालय, झोटवाड़ा जोन, पार्षद कार्यालय के समीप वार्ड संख्या 64, मानसरोवर जोन-पार्षद कार्यालय थड़ी मार्केट में स्थापित किए गए हैं। ■

लाडो प्रोत्साहन योजना

खूब पढ़ो और बढ़ो लाडो

प्रदेश की बेटियों को जन्म से लेकर 21 वर्ष की आयु तक एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता की व्यवस्था

हर वर्ष लगभग 5 लाख बेटियां होंगी लाभान्वित

-डॉ. जगदीश प्रसाद, राज्य नोडल अधिकारी, महिला अधिकारिता विभाग

आत्मनिर्भर, सशक्त एवं शिक्षित महिलाएं ही प्रगतिशील समाज की पहचान हैं। इसी विचार के साथ राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए निर्णायक कदम उठाने और आधी आबादी को उनका हक देने के लिए कृतसंकल्पित है।

बालिकाओं के पालन-पोषण की चिंता अब माता-पिता को करने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने एवं वयस्क होने तक बालिकाओं के समग्र विकास के लिए, उनके प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने एवं उनके स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में "लाडो प्रोत्साहन योजना" 1 अगस्त 2024 से लागू की गई है।

इस अभिनव योजना में बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रूपए के "संकल्प पत्र" राज्य सरकार द्वारा दिए जाते हैं, जिसमें राज्य सरकार ने बालिकाओं को उनके बढ़ते जीवनचक्र के आधार पर जीवन के हर मोड़ पर आर्थिक सम्बल प्रदान करने का संकल्प लिया है। बालिका के जन्म से लेकर 21 वर्ष आयु पूरी करने तक 1 लाख रुपए राशि का भुगतान 7 किस्तों में डीबीटी के माध्यम में ऑनलाइन किया जाएगा। पहली छः किस्तें बालिका के माता-पिता अथवा अभिभावक के बैंक खाते में तथा 7वीं किस्त बालिका के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन हस्तांतरित की जाएगी।

'योजना से बदलेगी सोच'

बालिका की किलकारी गूंजने पर अक्सर मां-बाप के चेहरों पर उसके लालन-पालन और भविष्य के खर्चों की चिंता दिखाई देती है। इन चिंताओं की वजह से ही शिशु लिंगानुपात घट रहा है। इन सारी चिंताओं को दूर करने के लिए ही माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने लाडो प्रोत्साहन योजना की परिकल्पना को साकार किया है। इस योजना से हर साल लगभग 5 लाख बेटियां लाभान्वित होंगी।

योजना के उद्देश्य

- राज्य में बालिका के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच एवं बालिका का समग्र विकास सुनिश्चित करना।
- बालिकाओं के पालन-पोषण, शिक्षण व स्वास्थ्य के मामले में होने वाले लिंग-भेद को रोकना एवं बालिकाओं का बेहतर शिक्षण व स्वास्थ्य सुनिश्चित करना।
- संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर मातृ मृत्यु दर में कमी लाना।
- बालिका शिशु मृत्यु दर में कमी लाना एवं घटते शिशु लिंगानुपात को सुधारना।
- बालिकाओं का विद्यालयों में नामांकन एवं ठहराव सुनिश्चित करना।
- बालिकाओं की उच्च शिक्षा सुनिश्चित करना एवं बाल विवाह में कमी लाना।

पात्रता

- प्रसूता राजस्थान की मूल निवासी होनी चाहिए।
- राजकीय चिकित्सा संस्थान/जननी सुरक्षा योजना (JSY) के लिए अधिस्वीकृत निजी चिकित्सा संस्थान में जन्म लेने वाली बालिकाएं इसमें पात्र हैं।

योजना के प्रमुख तथ्य

- यह बालिकाओं के लिए राज्य सरकार की सबसे बड़ी डीबीटी आधारित योजना है।
- योजना का लाभ लेने के लिए जाति, धर्म, वर्ग, आय सीमा जैसे कोई बंधन नहीं रखा गया।
- योजना का लाभ लेने के लिए किसी प्रकार के आवेदन की आवश्यकता

नहीं है, बल्कि अन्तर्विभागीय कर्न्वजन्स के माध्यम से पोर्टल द्वारा समस्त डाटा प्राप्त किया जायेगा। इस कारण किसी भी कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है।

- बालिका के जन्म पर एक लाख रुपए की राशि का "संकल्प पत्र" माता-पिता अथवा अभिभावक को प्रदान किया जाता है। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के ओजस पोर्टल पर लाभार्थी का पी.सी.टी.एस आई.डी नम्बर, आधार नम्बर अथवा जन आधार नम्बर डालने पर संकल्प पत्र का प्रिंट लिया जा सकता है।
- सम्पूर्ण भुगतान 7 किश्तों के रूप में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन किया जाता है।
- बालिका के वयस्क होने तक पहली छः किश्तें बालिका के माता-पिता, अभिभावक के बैंक खाते में एवं सातवीं किश्त बालिका के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन हस्तांतरित की जायेगी।
- योजना की प्रथम दो किश्तों के बाद किसी चरण में किसी किश्त का लाभ नहीं लिए जाने की स्थिति में युक्तियुक्त कारण का उल्लेख करते हुए पात्रता पूर्ण करने वाली बालिका को अगली किश्त का लाभ दिया जा सकेगा।

योजना में देय राशि

किस्त	विवरण	देय राशि (रु.)
1	पात्र चिकित्सा संस्थानों में बालिका के जन्म पर	2500
2	बालिका की आयु एक वर्ष पूर्ण होने एवं समस्त टीकाकरण पर	2500
3	राजकीय विद्यालय/राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में बालिका के प्रथम कक्षा में प्रवेश लेने पर	4000
4	राजकीय विद्यालय/राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में बालिका के कक्षा 6 में प्रवेश लेने पर	5000
5	राजकीय विद्यालय/राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में बालिका के कक्षा 10 में प्रवेश लेने पर	11000
6	राजकीय विद्यालय/राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में बालिका के कक्षा 12 में प्रवेश लेने पर	25000
7	सरकार से मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर	50,000
	कुल	**1,00,000**

प्रक्रिया

- गर्भवती महिला की एएनसी जांच के दौरान राजस्थान की मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र अथवा विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक खाते का विवरण आदि दस्तावेज प्राप्त कर उनका चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संधारण किया जायेगा एवं पीसीटीएस पोर्टल पर विवरण इन्द्राज किया जायेगा।
- योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव से बालिका के जन्म होने की सुनिश्चितता पर प्रथम किस्त का लाभ बालिका की माता या माता ना होने पर पिता अथवा अभिभावक के बैंक खाते में देय होगा।
- योजना का लाभ प्राप्त करने एवं भविष्य में लाभार्थी की ट्रैकिंग के लिए प्रत्येक बालिका को जन्म के समय ही यूनिक आई.डी./पीसीटीएस आई.डी. नम्बर चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दिया जायेगा।
- बालिका की आयु एक वर्ष पूर्ण होने एवं सम्पूर्ण टीकाकरण की सुनिश्चितता ऑनलाईन करने के उपरांत चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा देय राशि बालिका की माता या माता ना होने पर पिता अथवा अभिभावक के बैंक खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की जायेगी।
- प्रथम व द्वितीय किस्त का लाभ प्राप्त करने के लिये पृथक से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा ओजस पोर्टल के माध्यम से डी.बी.टी. प्रणाली द्वारा लाभार्थी को भुगतान किया जाएगा।
- द्वितीय किस्त का लाभ लेने हेतु टीकाकरण के प्रमाण के रूप में मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्ड/ममता कार्ड के आधार पर टीकाकरण का समस्त डाटा चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पीसीटीएस/ओजस पोर्टल पर अपलोड करने पर देय होगा।
- तीसरी किस्त से लेकर छठी किस्त के लाभ हेतु प्रथम कक्षा से 12वीं कक्षा में प्रवेश लेने के उपरान्त सम्बंधित राजकीय विद्यालय अथवा राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के माध्यम से दिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। इस हेतु बालिका के माता-पिता/अभिभावक से पूर्व किस्तों की आई.डी. के अलावा किसी प्रकार का पृथक से कोई आवेदन नहीं करवाया जाएगा। पूर्व किश्तों की आई.डी. के माध्यम से पोर्टल पर बालिका का विवरण ट्रैक किया जाएगा।
- अंतिम किस्त अर्थात् बालिका के स्नातक कक्षा में प्रवेश करने पर सम्बंधित समस्त दस्तावेज पोर्टल पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अपलोड करने होंगे ताकि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने तथा 21 वर्ष पूर्ण होने पर योजना का लाभ दिया जा सके।

अपेक्षित परिणाम

- मातृ-मृत्युदर में कमी आयेगी, शिशु लिंगानुपात में सुधार होगा, बालिकाओं का सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा, बालिकाओं का स्कूलों में नामांकन एवं ठहराव बढ़ेगा, बालिकाओं की उच्च शिक्षा सुनिश्चित होगी एवं बाल-विवाह में कमी आयेगी।

पर्यवेक्षण

योजना का प्रशासनिक विभाग निदेशालय महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास होगा। योजना की समीक्षा जिला स्तर पर संबंधित जिला कलक्टर के द्वारा तीन माह में एक बार की जाएगी। बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना की जिला टास्क फोर्स के द्वारा योजना का पर्यवेक्षण किया जायेगा।

- लाडो प्रोत्साहन योजनाराज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिससे प्रदेश की बेटियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। दिनांक 14.12.2024 को राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में 1 लाख लाभार्थियों को 25 करोड़ रुपये डीबीटी के रूप में हस्तान्तरित किये गये।

गोडावण

संरक्षण को मिली संजीवनी

– प्रदेश में राज्यपक्षी के अस्तित्व पर गहराते संकट के बीच आशा की एक किरण

– तीन दशकों में आबादी में लगातार 75 प्रतिशत की गिरावट

– कृत्रिम गर्भाधान से निषेचित अण्डे से पहली बार गोडावण शिशु का जन्म

– अंजलिका पंवार, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी

गोडावण या ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (अर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स) राजस्थान का राज्य पक्षी, भारत का सबसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय: पक्षी माना जाता है। यह घास के मैदान की पारिस्थितिकी के स्वास्थ्य की गुणवत्ता का प्रतिनिधित्व करता है। गोडावण एक बड़ा, स्थलीय पक्षी है, जो मुख्य रूप से शुष्क घास के मैदानों में रहता है और इसे माथे के काले मुकुट और पीली गर्दन के जरिये आसानी से पहचाना जा सकता है। इनका शरीर भूरा होता है और पंख काले-भूरे और भूरे रंग के होते हैं।

गोडावण की ज्यादातर आबादी राजस्थान और गुजरात तक ही सीमित है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी कुछ संख्या में इसे देखा गया है। हाल ही में, उच्चतम न्यायालय ने इस लुप्तप्राय: पक्षी के संरक्षण और सुरक्षा को ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के लिए देश की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के साथ संतुलित करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

इस पक्षी के विलुप्त होने के कगार पर होने का एक बड़ा कारण गुजरात और राजस्थान में इसके मुख्य आवासों के पास से गुजरने वाले उच्च शक्ति वाले बिजली के तारों से इसका बार-बार टकराना है। इन पक्षियों को अत्यधिक शिकार, आवास के नुकसान, संख्या में बहुत धीमी बढ़ोतरी जैसी विशेषताओं के साथ मिलकर अस्तित्व पर खतरे का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी आबादी में गिरावट आई है।

गोडावण की आबादी में तेजी से गिरावट ने पहले ही दुनिया भर के वन्यजीव विशेषज्ञों, पक्षी विज्ञानियों और पक्षी प्रेमियों को चिंतित कर दिया है। इसकी गिरावट के लिए बताए गए मुख्य कारण घास के मैदानों को अन्य उद्देश्यों के लिए बदलने से आवास का नुकसान, इसके प्रजनन के मौसम के दौरान मानवजनित और संबंधित जैविक गड़बड़ी और आखेट खेल पक्षी के रूप में इस प्रजाति का लगातार अवैध शिकार है।

गोडावण, जिसे जीआइबी के नाम से भी जाना जाता है इतना दुर्लभ हो चला है कि इसकी 150 से भी कम संख्या, वह भी केवल भारत में ही बची हैं। इस प्रजाति को गंभीर रूप से संकटग्रस्त (आईयूसीएन 2011) और अनुसूची–I (सर्वोच्च संरक्षण स्थिति, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972) के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। पिछले तीन दशकों में उनकी आबादी में लगातार 75 प्रतिशत की गिरावट आई है और इसे विलुप्त होने से बचाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है।

संरक्षण की दिशा में बस्टर्ड रिकवरी प्रोग्राम ने जैसलमेर के राष्ट्रीय संरक्षण प्रजनन केन्द्र में कृत्रिम गर्भाधान (एआई) के माध्यम से देश में पहली बार ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) चूजे का सफलतापूर्वक प्रजनन करके

छाया - आशीष व्यास, डीसीएफ, डीएनपी जैसलमेर

राष्ट्रीय पक्षी दिवस (5 जनवरी) पर, डेजर्ट नेशनल पार्क में एक ही फ्रेम में 12 गोडावण का अद्भुत दृश्य कैद किया गया। यह इस लुप्तप्राय: जीव के संरक्षण में एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि अक्टूबर 2023 और फरवरी 2023 में इससे पहले 9 गोडावण को ही एक साथ देखा जाना दर्ज किया गया था।

यह अद्भुत दृश्य राजस्थान वन विभाग के भारत के गंभीर रूप से संकटग्रस्त राज्य पक्षी की रक्षा के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों का प्रमाण है। डीएनपी में घास के मैदानों को संरक्षित करने और शिकारी-रोधी बाड़ों जैसी विशेष पहलों ने इनके अस्तित्व में अहम भूमिका निभाई है।

एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह इस गंभीर रूप से लुप्तप्राय: प्रजाति के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस प्रक्रिया में रामदेवरा केंद्र से तीन वर्षीय नर जीआईबी 'सुधा' से वीर्य एकत्र करना और उसी केंद्र में 'टोनी' नामक पांच वर्षीय मादा का गर्भाधान करना शामिल था। मादा ने 24 सितंबर को एक अंडा दिया, जिसमे से 16 अक्टूबर के दिन एक स्वस्थ चूजे ने जन्म लिया।

भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के अनुसार यह एक अनोखी उपलब्धि है। एआई के माध्यम से जीआईबी चूजे का जन्म न केवल भारत के लिए पहला है, बल्कि इस प्रजाति के संरक्षण में एक वैश्विक मील का पत्थर भी है। संरक्षित प्रजनन - जीआईबी आबादी की खतरनाक गिरावट और संरक्षण के अन्य उपायों में अंतर्निहित समय अंतराल के कारण पूर्णतः विलुप्त होने के खिलाफ गोडावण के बीमा के लिए संरक्षित प्रजनन, आवास बहाली और वन्य आबादी के वृद्धि करना जरूरी है।

प्रजातियों के संरक्षण के लिए काम कर रही देश–विदेश की विभिन्न संस्थानों ने 2019 में एक वैज्ञानिक संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जंगल में दिए गए अंडों से संस्थापक आबादी को सुरक्षित करना, उन्हें कैप्टिव प्रजनन कराना और भविष्य में बहाल किए गए आवासों में अधिशेष कैप्टिव-नस्ल के पक्षियों को छोड़ना है, ताकि इस गंभीर रूप से लुप्तप्राय: प्रजाति का दीर्घकालिक अस्तित्व सुनिश्चित किया जा सके।

पहला AI चूजा - प्रजनन संरक्षण केंद्र के ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) चूजे का पहला कृत्रिम गर्भाधान (AI) इस गंभीर रूप से लुप्तप्राय: प्रजाति के संरक्षण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि अक्टूबर 2024 में भारत के राजस्थान में सैम प्रजनन केंद्र को मिली है। इस में भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक, पशु चिकित्सा डॉक्टर, शोधकर्ता और राजस्थान वन विभाग द्वारा संग्रह के बाद वीर्य को सैम में एक सुविधा केंद्र में ले जाया गया, जो 160 किमी दूर है, जहां एक मादा का गर्भाधान किया गया जिसके द्वारा 3 दिनों के बाद एक फर्टाइल अंडा दिया गया। इस विधि से चूजे का सफलतापूर्वक जन्म लेना प्रजनन कार्यक्रम में एक आशाजनक कदम है जिसका उद्देश्य जीआईबी की आबादी को बढ़ाना है।

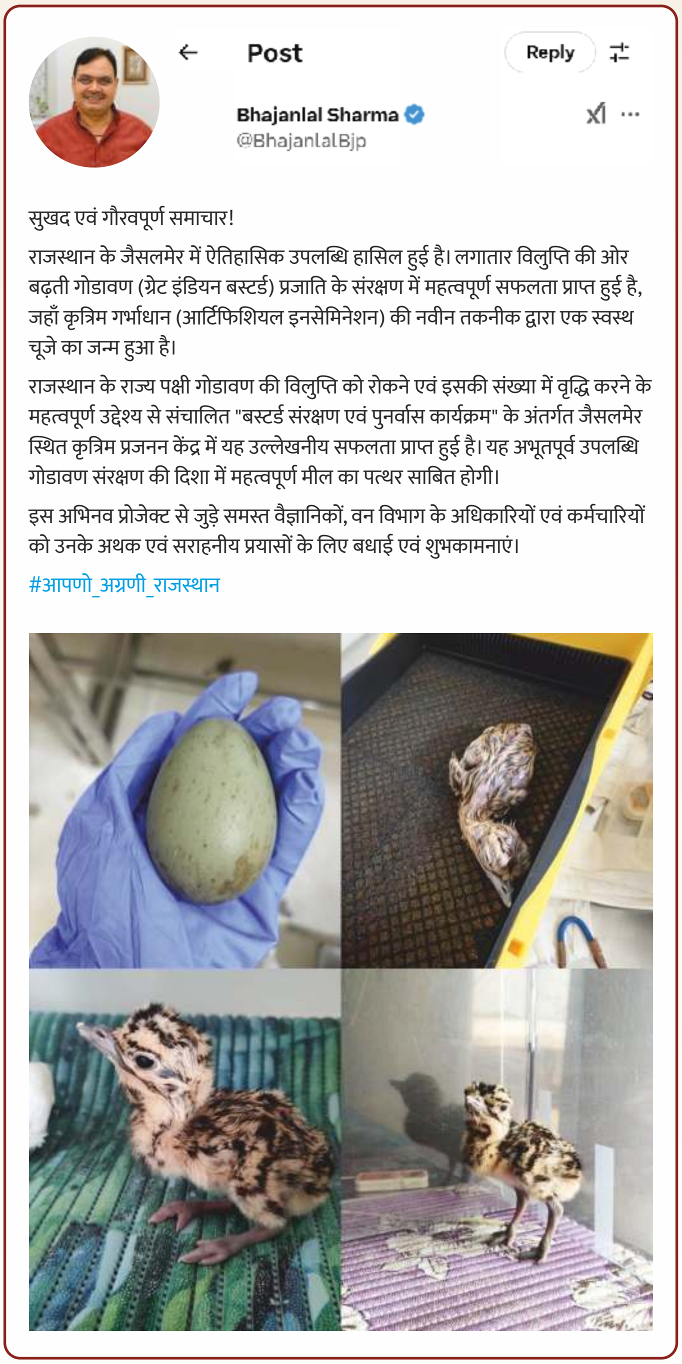
Post
Reply
Bhajanlal Sharma
@BhajanlalBjp

सुखद एवं गौरवपूर्ण समाचार!

राजस्थान के जैसलमेर में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। लगातार विलुप्ति की ओर बढ़ती गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) प्रजाति के संरक्षण में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है, जहाँ कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन) की नवीन तकनीक द्वारा एक स्वस्थ चूजे का जन्म हुआ है।

राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण की विलुप्ति को रोकने एवं इसकी संख्या में वृद्धि करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य से संचालित "बस्टर्ड संरक्षण एवं पुनर्वास कार्यक्रम" के अंतर्गत जैसलमेर स्थित कृत्रिम प्रजनन केंद्र में यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। यह अभूतपूर्व उपलब्धि गोडावण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

इस अभिनव प्रोजेक्ट से जुड़े समस्त वैज्ञानिकों, वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके अथक एवं सराहनीय प्रयासों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं।

#आपणो_अग्रणी_राजस्थान

25 जनवरी, 2025

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े एवं मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उदयपुर में फतेहसागर की पाल पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिरकत की। इससे पहले उन्होंने फ्लॉवर शो का शुभारंभ एवं भारतीय सेना के अस्त्र-शस्त्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस कार्यक्रम में ड्रोन-शो भी आयोजित किया गया।

छाया : अमित सारस्वत

26 जनवरी, 2025

उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर उदयपुर के सर्किट हाउस पर तिरंगा फहराया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। श्री शर्मा ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के साथ मुलाकात की। इस मौके पर राजस्थान में तीन नए आपराधिक कानूनों के अमल को लेकर समीक्षा भी की गई। बैठक में राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

सहकार से समृद्धि अभियान

नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित सहकार से समृद्धि अभियान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शिरकत की। इस अभियान के तहत देश भर में 10 हजार नवगठित एम-पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान नई एम-पैक्स और डेयरी समिति के गठन में देश में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि आज एम-पैक्स, डेयरी और मत्स्य समितियों को पंजीयन प्रमाण पत्र, रूपे केसीसी कार्ड और माइक्रो एटीएम दिए गए हैं जिसके माध्यम से सहकारी समितियों, किसानों और पशुपालकों के लिए आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण के नए द्वार खुलेंगे।

अटल ज्ञान केन्द्र ग्रामीण युवाओं के लिए नए अवसर

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी दिवस पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में अटल ज्ञान केन्द्र खोलने की घोषणा की है। इन केन्द्रों का उद्देश्य युवाओं को प्रशिक्षण, स्व-अध्ययन, और प्रतियोगी परीक्षा तैयारी हेतु सुविधाएं प्रदान करना है। इन केन्द्रों पर लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी और कॅरियर काउंसलिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अटल प्रेरक के रूप में स्थानीय युवक-युवतियों का चयन होगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। राज्य सरकार ने ई-गवर्नेंस अवार्ड का नाम बदलकर अटल ई-गवर्नेंस अवार्ड रखने का भी निर्णय किया है।

सड़क सुरक्षा के लिए 6E रणनीति

राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए मुख्यमंत्री ने 6E रणनीति (एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, इवेल्यूएशन, एन्गेजमेंट) जारी की। सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदेश में जनवरी माह में विशेष अभियान चलाया जा रहा है तथा इसके अन्तर्गत स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

प्रदेश के उद्योगों को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सीआईआई की नेशनल काउंसिल के सदस्यों से बातचीत के दौरान कहा कि राजस्थान में मिनरल्स, प्राकृतिक गैस, पर्यटन, चिकित्सा, और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान समिट निवेशकों और राज्य सरकार के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगा और उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नई नीतियों और निवेश आकर्षित करने के उपायों पर भी चर्चा की। राज्य में 53 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों, 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे और 125 गीगावाट ऊर्जा के लक्ष्य पर कार्य हो रहा है।

प्रदेशवासियों के नाम पत्र में भावपूर्ण संदेश

नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों के नाम लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 हमारे देश और राजस्थान के लिए अनेक उपलब्धियों भरा रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ष लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और करोड़ों देशवासियों की अभिलाषा पूरी हुई।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 31 दिसंबर को दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी धाम और डीग जिले के पूंछरी का लौठा स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में पूजा-अर्चना की। साथ ही नववर्ष 2025 के लिए प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने पूंछरी ग्राम में आमजन से मुलाकात भी की। जनवरी के पहले दिन गिरिराज जी की विशेष पूजा में भाग लिया एवं मुकुट मुखारविंद मन्दिर तथा जयपुर के मोतीडूंगरी गणेश मन्दिर में दर्शन कर आमजन की खुशहाली की कामना की।

प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में भी फ्लाइंग स्कूल

भीलवाड़ा में हमीरगढ़ हवाई पट्टी को विकसित कर फ्लाइंग स्कूल खोलने की मंजूरी प्रदान कर दी गई है। इससे प्रदेश के युवाओं को फ्लाइंग प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में भी फ्लाइंग स्कूल खोलने के प्रयास जारी हैं, जिनमें निवेशकों की रुचि बढ़ रही है। राज्य सरकार ने नागरिक विमानन नीति-2024 को भी मंजूरी दी है, जो विमानन प्रशिक्षण, रख–रखाव सेवाओं और एयरोस्पेस गतिविधियों के विकास पर जोर देती है।

वर्षा जल संचयन कार्यों का किया शुभारंभ

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल एवं मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर क्षेत्र में वर्षा जल संचयन के कार्यों का विधिवत भूमि पूजन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। वह दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान सबसे अधिक पानी वाला राज्य होगा। आमजन भी जल की एक-एक बूंद के महत्व को समझते हुए जल संचय में जुड़े, इस उद्देश्य से शुरू किया गया **'कर्मभूमि से मातृभूमि'** अभियान अब एक जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

मिशन ओलम्पिक में तैयार होंगी 50 खेल प्रतिभाएं

राज्य सरकार खेल और खिलाड़ी को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर के खेड़ा कानपुर स्थित खेल मैदान में डांगी सेवा संस्थान-खेल संघ उदयपुर द्वारा आयोजित 37वीं डांगी-पटेल समाज खेलकूद प्रतियोगिता के समापन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए 'मिशन ओलंपिक्स' प्रारंभ किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों के लिए विश्वस्तरीय ट्रेनिंग, किट, कोचिंग और अन्य सभी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं।

शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने शाहपुरा में त्रिमूर्ति सर्किल पर शहीदों की प्रतिमा को माल्यार्पण, केन्द्रीय बस स्टैण्ड पर शूरवीर योद्धा महाराणा प्रताप की मूर्ति तथा उम्मेद सागर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस एक साल में राज्य सरकार ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और प्रदेश के हर वर्ग और हर जन की सेवा को ही संकल्प मानकर निरंतर काम कर रही है।

सलूंबर और डूंगरपुर को राष्ट्रीय पुरस्कार

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान के सलूंबर और डूंगरपुर जिलों को राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तीकरण पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में दिया गया।

तनोट माता मंदिर क्षेत्र विकास मास्टर प्लान की समीक्षा

मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर क्षेत्र के मास्टर प्लान को लेकर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे विश्वस्तरीय धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मंदिर के मास्टर प्लान के तहत चरणबद्ध रूप से मंदिर परिसर के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास कार्य किए जाएं, जिससे यहां आने वाले पर्यटक देश के प्रति गौरवान्वित हों तथा उनमें देशभक्ति का भाव जागृत हो।

जयपुर शहर में रैन बसेरे का निरीक्षण

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर में जरूरतमंद एवं निराश्रितों के लिए अल्बर्ट हॉल के नजदीक संचालित रैन बसेरे में व्यवस्थाओं का नववर्ष के आरंभ में निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जयपुर शहर में संचालित समस्त रैन बसेरों में विश्राम करने एवं शयन की आवश्यकता से रुकने वाले जरूरतमंदों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने रैन बसेरों में साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखने एवं एंट्री रजिस्टर को अच्छे से मेंटेन करने के निर्देश दिए।

राज सखी (सरस) राष्ट्रीय मेले का अवलोकन

मुख्यमंत्री ने जवाहर कला केन्द्र में राज सखी (सरस) राष्ट्रीय मेला-2024 का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। उन्होंने राजसमन्द की मीनाकारी, जयपुर की ब्लूपॉटरी, जम्मू की पश्मीना शॉल सहित विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने मेले में जीआई टैग के उत्पादों को देखकर इनकी संख्या में बढ़ोतरी के निर्देश दिए।

यह मेला राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इस मेले में देशभर के 250 से अधिक भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग उत्पाद और क्षेत्रीय शिल्पकारों के हस्तशिल्प प्रदर्शित किए गए। मेले में 300 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों, हैंडलूम, खाद्य पदार्थ और अन्य वस्तुएं प्रस्तुत कीं।

पतंग उड़ाकर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव का गुब्बारे एवं पतंग उड़ाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। फेस्टिवल में लोक-कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला पहुंचे। उन्होंने सपत्नीक विधिवत् मंत्रोच्चारण के साथ गौ पूजन किया एवं गायों को चारा खिलाकर गौसेवा की।

छाया : राजेन्द्र शर्मा

कला के अनवरत यात्री का “बोलता संसार”

मूर्तिकला में राजकुमार पंडित ने स्थापित किया विशेष कीर्तिमान

– डॉ. अरुणा व्यास

भारतीय संस्कृति के अप्रतिम कलाओं के वृहद संसार में मूर्तिकला ही एक ऐसी कला है, जिसने इतिहास के सर्वथा प्रामाणिक संदर्भ हमें दिए हैं। शुंगकालीन, मौर्यकालीन, गुप्तकालीन आदि विभिन्न कालखंडों में मूर्तिकला के जरिए ही सभ्यता और संस्कृति की बहुत से स्तरों पर पहचान हुई है। मूर्तियां सदा मौन ही इतिहास और काल विशेष से जुड़े संदर्भों और महामानवों की गवाही देती रही हैं।

जयपुर के राजकुमार पंडित ने इस दृष्टि से मूर्तियों का जो संसार रचा है, वह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परम्परा के साथ ही महापुरूषों की विशाल मूर्तियों का संसार सहेजा है। वह देश के ऐसे अनुपम मूर्तिकार हैं, जिन्होने सनातन भारतीय संस्कृति के प्रसार के साथ राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व त्याग करने वालों की प्रतिमाएं बनाकर उनका निरंतर सार्वजनिक प्रदर्शन किया है। पिछले दो दशकों से उन्होंने राष्ट्र गौरव से नई पीढ़ी को जोड़कर उनमें राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने वाली बहुत सुंदर मूर्तियों का सृजन किया है।

उनकी एक बहुत ही प्रसिद्ध मूर्ति है-भारत माता। इसमें मां भारती को राष्ट्र वंदना के साथ उन्होंने कांस्य धातु में बहुत सुंदरता से उकेरा है। मूर्ति तो सुंदर है ही साथ ही उसके नीचे रवीन्द्र नाथ टैगौर का लिखा जन-गण- मन और दूसरी और बंकीम चन्द्र चटोपाध्याय का लिखा “वंदे मातरम” भी उकेरा है। शौर्य स्मारक, भोपाल में सार्वजनिक स्थल पर यह विशाल प्रतिमा उन्होंने सृजित की। प्रतिदिन हजारों, लाखों की संख्या में लोग इसे देखने आते हैं और सराहते हैं।

अबनिंद्रनाथ टैगोर ने भारत माता को सबसे पहले 1904 में बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट की अपनी शैली में हिंदू देवियों के विशिष्ट रूपाकार में चार भुजाओं वाली देवी के रूप में चित्रित किया था। उनकी यह कलाकृति इस समय कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल संग्रहालय में है। प्रायः भारत माता की मूर्तियों में जो भारत के वैभव रूप में भाव-भरा चित्रण होना चाहिए, दिखाई नहीं देता। इस रूप में भोपाल में सार्वजनिक स्थल शौर्य स्मारक पर प्रदर्शित राजकुमार पंडित की ‘भारत माता’ मूर्ति बहुत सजीव है। उन्होंने भारत की विविधता की भूमि और सनातन संस्कृति को ध्यान में रखते हुए भारत-माता की देवी का आकार मूर्ति में ढ़ाला है। यह मूर्ति नहीं भारत की विविधता में एकता की मां भारती का भावाकार है।

राजकुमार पंडित की लगभग सभी मूर्तियां प्राय: ऐसी ही हैं। वह भारतीय संस्कृति से जुड़े सरोकारों और भाव-संवेदनाओं को मूर्तियों में जीवंत करते हैं। भारतीय खेल, भारतीय वास्तु और चित्र परंपरा, प्राचीन भारतीय ज्ञान विज्ञान से जुड़े मूर्ति शिल्प के साथ उन्होंने संत महात्माओं और स्वाधीनता सेनानियों की बहुत सुंदर मूर्तियों का संसार रचा है।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम के बाहर धनुष के साथ तीर चलाते अर्जुन की और विभिन्न अन्य खेलों के साथ योग मुद्राओं का संसार भी उन्होंने ही रचा है। एक नजर में इन मूर्तियों को देखेंगे तो यह भी लगेगा कि इनमें उन्होंने प्राण फूंके हैं। देश के विभिन्न भागों में स्वाधीनता आंदोलन को गति प्रदान करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की भी मूर्तियां उन्होंने विशेष रूप से सृजित की हैं। ऐसी मूर्तियां देश के लगभग सभी राज्यों में सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित की गयी हैं।

आर्यभट्ट हमारे देश के महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री हुए हैं। उन्होंने वर्गमूल निकालना, द्विघात समीकरणों को हल करना और ग्रह-नक्षत्रों की गणना के महत्ती सिद्धान्त हमें दिए हैं। आधुनिक विज्ञान भी उन्हें विशेष रूप से मानता है। आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी, पटना में उनकी भव्य प्रतिमा का निर्माण भी राजकुमार पंडित ने किया है। यह उनकी ऐसी प्रतिमा है जिसमें उनके कार्यों के साथ उनकी आभा को बहुत सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसी तरह पटना में देश के पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद जी की मूर्ति भी उन्होंने ही बनाई है जो आज सार्वजनिक रूप में वहां प्रदर्शित है।

आंध्रप्रदेश, विजयापुरा में उनकी सृजित अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति भी बहुत सराही गयी। उत्तरप्रदेश लोकभवन में देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लगी प्रतिमा भी राजकुमार पंडित की ही बनाई हुई है। उदयपुर में उन्होंने पद्मावती की भव्य प्रतिमा बनाई तो वहीं स्वामी विवेकानंद की भी ओजस्वी प्रतिमा उन्हीं की बनाई हुई है। देशभर में उन्होंने जो मूर्तियां बनाई हैं, उनकी विशेष बात यह भी है कि वहां पर महापुरूषों के व्यक्तित्व का बाह्य पक्ष ही नहीं, आंतरिक पक्ष भी उद्घाटित होता है। उन्होंने अपनी सृजित मूर्तियों में महापुरूषों की मूर्तियों के व्यक्तित्व के भाव पक्ष को प्रदर्शित किया है, इसीलिए यह देखने वालों को बहत सुहाती है।

राजकुमार पंडित असल में बिहार के नालंदा जिले के एक छोटे से गांव सिंधुवाड़ा के गरीब परिवार में 4 अगस्त 1977 को जन्मे। मूलत: वह आत्म दीक्षित कलाकार हैं। मिट्टी, विभिन्न धातुओं और संस्थापन कला के अंतर्गत पंडित ने परंपरा के साथ आधुनिकता के मेल से भी मूर्तियों का भव्य संसार रचा है।

परंपरागत कुम्हार वर्ग से आने वाले राजकुमार पंडित ने अपनी पारंपरिक कला विरासत को आधुनिक संदर्भ देते हुए मूर्तिकला में भारत को विश्व स्तर पर लोकप्रिय किया है। प्राचीन भारतीय बर्तन परंपरा को सहेजते हुए उन्होंने लोक आदिवासी कलाओं के संरक्षण में भी निरंतर योगदान दिया है।

आदिवासी और जनजातीय कलाओं से भी उनका गहरा लगाव है। आदिवासी परम्पराओं पर उन्होंने बहुत सी कलाकृतियां बनाई हैं। महाराणा प्रताप की मूर्ति के साथ ही उन्होंने उनके सहयोगी आदिवासी जनों की भी मूर्तियां बनाई हैं। उनके द्वारा बनाई गई बिरसा मुंडा की मूर्ति भी बहुत लोकप्रिय हुई है।

इसी तरह चंपारण आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के वहां प्रवास के दौरान स्नान करते हुए उन्होंने जो मूर्ति बनाई है, वह भी जीवंत है। उन्होंने

महाराजा रणजीत सिंह, गौतम बुद्ध, संत रविदास, संत पिंपाजी, मीरा बाई, फूला सिंह, हरिसिंह नलवा आदि की मूर्तियां भी बनाई हैं। ये देश के सभी राज्यों में सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित की गई हैं।

राजकुमार पंडित ने लोकतंत्र में आस्था जगाने, राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा देने वाली मूर्तियां सिरजी हैं। आजादी के बाद देश को नेतृत्व प्रदान करने वाली हस्तियों की भी विशाल मूर्तियों का संसार रचा है।

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रतिमा को देखकर स्वयं प्रधानमंत्री ने भी उनकी कला की सराहना की। राष्ट्र की कला संस्कृति से आम जन को जोड़ने वाली सुंदर मूर्तियां के साथ कला के आधुनिक सरोकारों में भी वह निरंतर सृजनरत हैं।

जयपुर में मूर्तिकला फाउण्ड्री

जयपुर में राजकुमार पंडित ने अपनी स्वयं की मूर्तिकला फाउण्ड्री स्थापित की है। इसमें देश-विदेश के ख्यातनाम कलाकारों के सृजन को धातु में बहुत सधे ढंग से ढाला जाता है। अपनी इस फाउण्ड्री के जरिए वह नई पीढ़ी को भी मूर्तिकला के शिक्षण-प्रशिक्षण का कार्य पिछले दो दशकों से निरंतर कर रहे हैं। उन्होंने देश-विदेश के मूर्धन्य कलाकारों के राष्ट्रीय कला शिविर भी आयोजित कर भारतीय कला को समृद्ध करने का निरंतर कार्य किया है।

संस्था 'शिल्पांजलि' की स्थापना

पिछले कुछ समय के दौरान राजकुमार पंडित ने एक महत्वपूर्ण पहल यह की है कि गरीब, जरूरतमंद और प्रतिभावान विद्यार्थियों को भारतीय मूर्तिकला के शिक्षण के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया है। उन्होंने इसके लिए 'शिल्पांजलि' संस्था की स्थापना की है। इस संस्था के जरिए वह देश-विदेश के प्रसिद्ध कलाकारों के न केवल कला शिविर आयोजित करते हैं, बल्कि गरीब और जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई, कला शिक्षा और पढ़ने के लिए सुविधाएं भी प्रदान करते हैं।

नई पीढ़ी के लिए लुप्त होती कलाओं को सहेजने का जतन

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविद ने उन्हें उनकी कला क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया है। राजकुमार पंडित निरंतर सृजनरत हैं। इस समय क्या नया कर रहे हैं? इस प्रश्न पर वे कहते हैं कि उनका यह प्रयास है कि भारतीय लोक कला और कलाकारों के संसार को वह अपनी मूर्तियों में जीवंत करें। उनका कहना है कि लोक कलाओं की जो लुप्त होती जा रही परम्पराएं हैं, उनको सहेजने के लिए वह ऐसे वादकों, कला साधकों के व्यक्तित्व का अध्ययन कर रहे हैं, जिन पर अपने हिसाब से वह भविष्य में मूर्तियां बनाएंगे। उद्देश्य यह है कि नई पीढ़ी को हमारी कला-परम्परा की विरासत से साक्षात्कार कराया जा सके। उन्होंने एब्सट्रेक्ट मूर्तियां भी सिरजी हैं। इनमें परम्परा के साथ अदृश्य की सत्ता को, काल के मौन को और समय से जुड़े अनगिनत संदर्भ को उन्होंने सहेजा है। वह कला के अनवरत यात्री हैं। मूर्तिकला के इस दौर के विरल साधक। ■

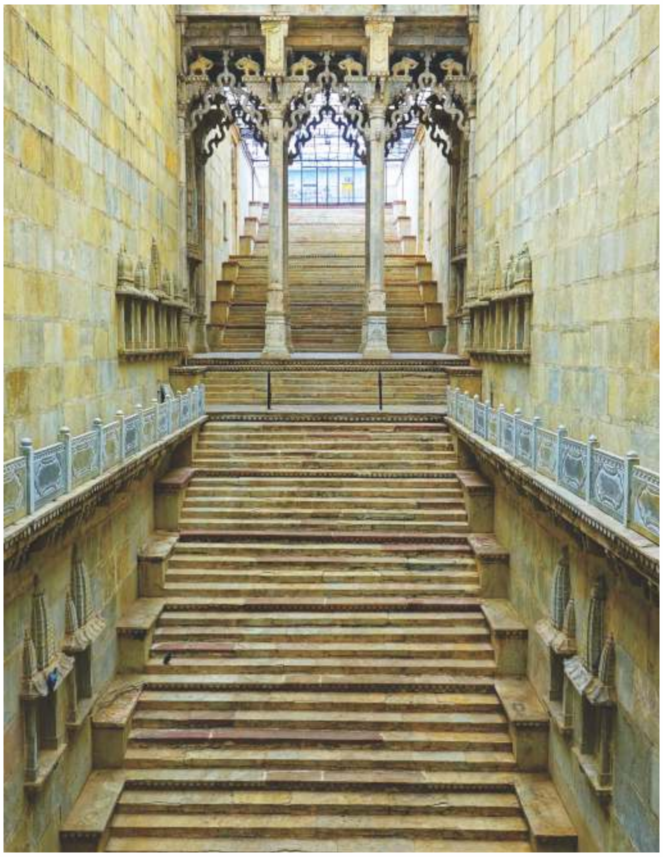

बूंदी

रानीजी की बावड़ी

देश के पर्यटन मानचित्र पर स्थित दर्शनीय स्थलों में राजस्थान की ऐतिहासिक एवं पर्यटन नगरी बूंदी का नाम जाना-पहचाना है। हाड़ौती की जन्म स्थली जैसे उपनामों से विख्यात बूंदी को बावड़ियों का शहर '**सिटी ऑफ स्टेप वेल्स**' भी कहा जाता है।

राव राजा अनिरुद्ध सिंह की रानी नाथावती ने सन् 1699 में यहां इस बावड़ी का निर्माण करवाया था। यह बावड़ी स्थापत्य कला की बेजोड़ मिसाल है। बावड़ी में खम्बों पर बने तोरण द्वार, उन पर रखी हाथी की मूर्तियां और पत्थरों पर उकेरे गए भगवान के दशावतार व नवगृह की मूर्तियां दर्शकों को मुग्ध कर देती हैं। बावड़ी के ऊपर चार छतरियां बनी हैं। इस बावड़ी की गणना एशिया की सर्वाधिक खूबसूरत बावड़ियों में की जाती है। यह बावड़ी अच्छी हालत में हैं तथा पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित स्मारकों की श्रेणी में सम्मिलित है। रानीजी की बावड़ी में तीन प्रवेश द्वार हैं। ऊपर से नीचे तक 135 सोपान हैं। बावड़ी की गहराई 110 फीट, लम्बाई 240 फीट तथा चौड़ाई 76 फीट है। बावड़ी का प्रस्तर शिल्प अनुपम है, जो देखते ही बनता है। देशी–विदेशी पर्यटक रानीजी की बावड़ी देखे बिना बूंदी की यात्रा अधूरी मानते हैं।

छाया एवं आलेख : **हेमंत मीणा**, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

राजस्थान सुजस (मासिक)

Postal Regd. No. Jaipur City/413/2023-25
Registered with Registrar of Newspapers for India under R. No. 56175/1991

20 जनवरी, 2025

माउंट आबू वेधशाला

ब्रह्मा और पारस-2 ने खोजे दो बहिर्ग्रह

माउंट आबू वेधशाला परिसर, राजस्थान के सिरोही जिले के अंतर्गत अरावली रेंज में पी. आर. एल. द्वारा 1979 में स्थापित किया गया। वर्तमान में इस परिसर में चार टेलीस्कोप स्थापित हैं। अब तक 1.2 मीटर टेलीस्कोप पर स्वदेशी हाई-रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रोग्राफ पारस-1 के माध्यम से तीन एक्सोप्लैनेट और कई इकलिप्सिंग बाइनरीज की खोज की जा चुकी है। स्वदेशी हाई-रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रोग्राफ पारस-1 के निर्माण का नेतृत्व प्रोफेसर अभिजीत चक्रवर्ती ने किया था।

वेधशाला के सहायक प्रोफेसर श्री सुनील चंद्रा के अनुसार अपनी स्थापना के बाद, यह वेधशाला सौरमंडल के ग्रहों, धूमकेतु, उल्का इत्यादि, बहिर्ग्रहों की खोज और अन्य विस्तृत अध्ययन, तारों के निर्माण और विकास, पल्सर, सक्रिय गैलेक्सियां और ब्लैक होल बाइनरी जैसे खगोलीय निकायों के अध्ययन में सक्रिय रही है। अंतरिक्ष विभाग की भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की माउंट आबू वेधशाला परिसर में तीन वर्ष पहले एक अत्याधुनिक 2.5 मीटर टेलीस्कोप स्थापित किया गया।

इसके साथ ही, पूरी तरह से स्वदेशी पारस-2 उपकरण, एक उन्नत, रिज़ॉल्विंग पॉवर 100,000 वाला संस्करण विकसित किया गया है। इस टेलीस्कोप को “ब्रह्मा” (BhaRtiya Antariksh anusandHan Mount Abu : BRAHMA) नाम दिया गया है। इस टेलीस्कोप ने पारस-2 का इस्तेमाल करके अब तक दो एक्सोप्लैनेट की खोज में योगदान दिया है।

आलेख: धीरज कुमार दवे, जनसम्पर्क अधिकारी

राजस्थान सुजस का यह अंक
https://dipr.rajasthan.gov.in/pages/sm/government-order/attachments/134/85/10/1702
पर देखा जा सकता है।

#DIPRRajasthan

प्रकाशक व मुद्रक - सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त, सुनील शर्मा द्वारा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के लिए, शासन सचिवालय, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
सम्पादक - श्रीमती अलका सक्सेना, मैसर्स रेनबो ऑफसेट प्रिन्टर्स, बी-3, सुदर्शनपुरा, जयपुर से मुद्रित, ‘राजस्थान सुजस’ - पृष्ठ संख्या 84, मूल्य 1.00 रुपये • 1,00,000 प्रतियां